जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 139 प्रभात जालोर, मंगलवार 26 अगस्त, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

भारत ने ट्रंप से डील करने के लिए ''मर्करी पब्लिक अफेयर्स'' की सेवाएं लीं

यह पोलिटिकल लॉबिइंग फर्म है जिसकी वाइट हाउस में गहरी पैठ है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अगस्त। टैरिफ (आयात शुल्क) को लेकर लड़ाई अब केवल व्यापारिक मंचों और शिखर सम्मेलनों तक सीमित नहीं रही - यह वॉशिंगटन के प्रभाव वाले क्षेत्रों तक पहुँच चुकी है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारतीय निर्यात पर 50 प्रतिशत तक की भारी ड्यूटी लगाए जाने की संभावना के बीच, नई दिल्ली ने अपने सबसे प्रभावशाली राजनीतिक हथियार ''लॉबिइंग'' को सक्रिय कर दिया है। वाइट हाउस से गहरे संबंध रखने वाली एक दूसरे नम्बर की हाई-पावर्ड फर्म को हायर करके भारत ने साफ संकेत दे दिया है कि वह अपने आर्थिक हितों या वॉशिंगटन में अपनी रणनीतिक पकड़ को बिना लड़े कमज़ोर नहीं होने देगा।

- ट्रंप के साथ टैरिफ वॉर में अब भारत ने अपने सबसे महत्वपूर्ण हथियार को काम में लिया है और वह है ''पोलिटिकल लॉबिइंग'' इसके लिए मर्करी पब्लिक अफेयर्स से 1.96 करोड़ रु. में तीन माह का करार किया है।
- वाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप की प्रभावशाली चीफ ऑफ स्टाफ सूज़ी वाइल्स से मर्करी की निकटता जग जाहिर है। सूज़ी मर्करी के लिए काम कर चुकी हैं।
- भारत के अलावा डेनमार्क, इक्वाडोर, आर्मेनिया व दक्षिण कोरिया ने भी इस फर्म की सेवाएं ली हैं।
- अमेरिका में लॉबिइंग बेहद महत्वपूर्ण है। आर्थिक रुप से विपन्न पाकिस्तान भी 6 ऐसी फर्मों पर प्रति माह 5.2 करोड़ रु. खर्च करता है।

यूएस फॉरेन एजेंट्स रजिस्ट्रेशन एक्ट (एफएआरए) के तहत हुए अनिवार्य खुलासों के अनुसार, वॉशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास ने ''मरकरी पब्लिक अफेयर्स'' नामक फर्म के साथ तीन महीने का अनुबंध किया है, जिसकी कुल लागत 225,000 (लगभग 1.96 करोड़) है। यह अनुबंध 15 अगस्त से प्रभावी है और इसके तहत मरकरी को संघीय लॉबिइंग, मीडिया आउटरीच, सोशल मीडिया रणनीति, विज्ञापन, और भारत की सार्वजनिक छवि का डिजिटल ऑडिट करना है, जो नवंबर के मध्य तक चलेगा।

इस व्यवस्था को खास बनाने वाली बात यह है कि मरकरी का वर्तमान वाइट हाउस से बेहद नजदीकी संबंध है। राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प की प्रभावशाली चीफ ऑफ स्टाफ सूज़ी वाइल्स पहले मरकरी के वॉशिंगटन और फ्लोरिडा कार्यालयों की प्रमुख रह चुकी हैं और ट्रम्प के 2024 के चुनाव अभियान की अगुआई भी कर चुकी हैं। यह व्यक्तिगत और संस्थागत संबंध भारत को वॉशिंगटन के व्यक्तित्व-प्रधान सत्ता गलियारों में अधिक प्रभावशाली बना सकता है।

भारत इस राह पर अकेला नहीं है। ट्रम्प की सत्ता में वापसी के बाद डेनमार्क, इक्वाडोर, आर्मेनिया और दक्षिण कोरिया जैसे कई देशों ने भी मरकरी को हायर किया है। हालांकि नई दिल्ली के लिए स्थिति ज्यादा गंभीर है, क्योंकि नया टैरिफ ढांचा अमेरिकी बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता को नुकसान पहुंचा सकता है, एक ऐसे समय में जब द्विपक्षीय व्यापार भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी की रीढ़ बन चुका है।

मरकरी के साथ हुआ यह समझौता वॉशिंगटन में भारत की पहले से मजबूत लॉबिइंग उपस्थिति में एक और कड़ी जोड़ता है। सन् 2023 से भारत ने सालाना 1.8 मिलियन (लगभग 15.7 करोड़) की फीस पर दायर कर रखा है, जिसका नेतृत्व ट्रम्प के पूर्व सलाहकार जेसन मिलर कर रहे हैं। यह अनुबंध रणनीतिक सलाह, सरकारी संपर्क और भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, विशेषकर ऐसे समय में जब वॉशिंगटन भारत की विदेश नीति,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पंचायत चुनाव जल्दी कराने के कोर्ट के आदेश पर रोक लगी

जयपुर, 25 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट की एकलपीठ की ओर से गत 18 अगस्त को प्रदेश की पंचायतों के चुनाव जल्दी कराने और करीब डेढ़ दर्जन प्रशासकों को पद से हटाने पर रोक लगाने के आदेश पर खंडपीठ ने रोक लगा दी है। जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संजीत पुरोहित ने यह आदेश राज्य सरकार की अपील पर दिए। अदालत ने कहा कि समान बिंदु पर खंडपीठ के समक्ष मामला लंबित है।

अपील में अतिरिक्त महाधिवक्ता कपिल प्रकाश माथुर ने बताया कि एकलपीठ ने गत 18 अगस्त को पंचायतों के चुनाव जल्दी कराने के

- हाईकोर्ट की एकलपीठ के आदेश की क्रियान्विति पर डबल बैंच ने रोक लगाई।

आदेश देते हुए याचिकाकर्ता प्रशासकों को पद से हटाने पर रोक लगाई थी। अपील में कहा गया कि पूर्व में पंचायतों के तीन चरणों में चुनाव हुए थे। ऐसे में संबंधित सरपंचों का कार्यकाल भी अलग-अलग चरणों में पूरा हो रहा है। राज्य सरकार सभी पंचायतों के चुनाव एक साथ कराना चाहती है। इसलिए कार्यकाल पूरा कर चुके सरपंचों को ही प्रशासक नियुक्त कर दिया गया। यह व्यवस्था अस्थाई तौर पर और पंचायतों के दैनिक कामकाज को सुचारू चलाने के लिए की गई थी। वहीं बाद में कुछ प्रशासकों की शिकायत मिलने पर उन्हें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'धनखड़ के बारे में सच-झूठ की व्याख्या विपक्ष की राय पर आधारित नहीं होनी चाहिए'

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ के ''हाउस अरैस्ट'' की चर्चा पर यह बात कही

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 25 अगस्त। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफा देने और उसके बाद सार्वजनिक रूप से पूरी तरह गायब रहने को लेकर आज केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की तो भ्रम और गहरा गया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि शाह की टिप्पणी ने पूर्व उपराष्ट्रपति के इस्तीफे और उनकी गैर मौजूदगी से संबंधित रहस्य को और उलझा दिया है।

जयराम रमेश ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, ''श्री जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई, 2025 की रात को अचानक और अप्रत्याशित रूप से भारत के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया। यह अभूतपूर्व था एक दिन बाद, प्रधानमंत्री ने बस उन्हें अच्छे स्वास्थ्य की शुभकामना दी। आज गृह मंत्री ने कुछ और कहने की कोशिश की। लेकिन उन्होंने रहस्य को और गहरा ही किया है।'' उनकी यह टिप्पणी गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान के बाद आई जिसमें उन्होंने कहा कि धनखड़ ने स्वास्थ्य

- गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि, धनखड़ के त्यागपत्र में साफ लिखा था वे स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दे रहे हैं। इसमें ज्यादा सोच विचार की जरुरत नहीं है।
- कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने केन्द्रीय गृह मंत्री शाह के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि शाह के स्पष्टीकरण से धनखड़ की गैर मौजूदगी पर रहस्य और गहरा हो गया है।
- जयराम रमेश ने कहा कि शाह यह नहीं बता पाए कि किसानों के हितैषी और इतने मुखर नेता धनखड़ से इस्तीफा देने के बाद कोई संवाद क्यों नहीं हो पा रहा है।
- ज्ञातव्य है कि धनखड़ ने मानसून सत्र के पहले ही दिन स्वास्थ्य कारणों से अचानक इस्तीफा दे दिया था, तब से वे सार्वजनिक जीवन से गायब हैं।

कारणों से इस्तीफा दिया और विपक्ष को इस मुद्दे को तूल नहीं देना चाहिए।

समाचार एजेंसी एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में शाह ने कहा, धनखड़ साहब का इस्तीफा पत्र अपने आप में स्पष्ट है। उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री, अन्य मंत्रियों और सरकार के सदस्यों के प्रति अपने अच्छे कार्यकाल के लिए हार्दिक आभार भी व्यक्त किया है।

गृह मंत्री ने यह भी कहा कि कुछ विपक्षी नेताओं द्वारा लगाए गए इस आरोप कि धनखड़ को नज़रबंद कर दिया गया है, निराधार हैं।

उन्होंने कहा, ''सच और झूठ की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डूंगरपुर में भारी बारिश, बेणेश्वर धाम टापू बना

माही बांध के गेट खोले जाने के बाद से बेणेश्वर धाम के चारों तरफ पानी भर गया है

डूंगरपुर, 25 अगस्त (निसं)। जिले भर में पिछले दो दिन लगातार तेज व मध्यम गति की बारिश हो रही है, जिसके कारण जिले के कई तालाब व बांध अपनी भराव क्षमता को पार कर चुके है। वहीं जिले का प्रमुख आस्था का केंद्र बेणेश्वर धाम तीन दिन से टापू बना हुआ है। जबसे माही बांध के गेट खोले गए तबसे जिले का सबसे बड़ा धर्मस्थल बेणेश्वर धाम के चारों और पानी ही पानी है। तीन दिन पूर्व वहां पर बड़ी संख्या में तीर्थ यात्री फंस गए थे, जिन्हें प्रशासन ने सुरक्षित निकाला। सोमवार को यही हालत रही, मौके पर प्रशाशनिक अधिकारी नियुक्त है, ताकि कोई जनहानि न हो। प्रशासन ने बेणेश्वर धाम की वर्तमान स्थिति को देखते हुए सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।

वहीं जिले के सबसे बड़े बांध सोम कमला आम्बा के सात गेट 1-1 मीटर खोले गये हैं तथा आसपास के काश्तकारों को सावधान कर दिया गया है। इधर लगातार बारिश के चलते पुराने

- प्रशासन ने वहां फंसे श्रद्धालुओं को निकाला और मौके पर प्रशासनिक अधिकारी को तैनात किया ताकि हालात पर नज़र रखी जा सके।
- डूंगरपुर जिले के सभी बांध और तालाब लबालब हो गए हैं तथा कई बांध ओवर फ्लो हो रहे हैं।
- कागदर नदी उफान पर है, जिससे देव सोमनाथ पुल पर एक से दो फीट पानी बह रहा है।
- डूंगरपुर शहर में भी बारिश से हालात खराब हैं। सड़कों पर दो से तीन फीट पानी है। स्कूलों, आंगनबाड़ी केन्द्रों आदि में छुट्टी कर दी गई है।

शहर में सड़कें दरिया बन गई है। सड़कों पर 2 से 3 फीट तक पानी भर गया है। डूंगरपुर में भारी बारिश के अलर्ट के चलते सोमवार को स्कूल, मां बाडी केंद्र और आंगनबाड़ी केंद्रों में छुट्टियां रही।

डूंगरपुर शहर के पुराना विजय स्कूल की चार दीवारी का कुछ हिस्सा ढह गया है। हालांकि स्कूल में छुट्टी की वजह से कोई जनहानि नहीं हुई है। जिले के कनबा इलाके में सबसे अधिक साढे तीन इंच बरसात हुई है, जबकि डूंगरपुर और देवल में ढाई-ढाई इंच बरसात हुई है। अमरपुरा सहित 7 छोटे-बड़े बांध व तालाब ओवरफ्लो हो गए हैं। कागदर नदी से लगातार पानी की आवक के कारण जहां देवसोमनाथ पुल पर एक से दो फीट पानी बह रहा है, इसलिए दोनों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जंतर-मंतर पर फिर डटे किसान

नई दिल्ली, 25 अगस्त। फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी की मांग को लेकर किसान एक बार फिर प्रदर्शन करने की राह पर हैं। सोमवार को जंतर-मंतर पर हजारों किसानों ने एकजुट होकर केंद्र सरकार से एमएसपी की मांग की। किसानों का कहना है कि एमएसपी किसानों के लिए मूल अधिकार के समान है जिसके बिना खेती को लाभकारी नहीं बनाया जा सकता। किसानों की मांग है कि केंद्र सरकार उन्हें कर्ज से मुक्ति दे और एमएसपी को कानूनी अधिकार घोषित

- किसानों ने सरकार से एमएसपी देने की मांग की है।

करे जिससे उन्हें अपनी ही फसलों के लिए सही दाम पाने के लिए बार-बार आंदोलन न करना पड़े।

किसानों की महापंचायत में पंजाब से आए सुखविंदर सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार ने अपने पिछले 10-11 वर्षों के कार्यकाल में देश के बड़े उद्योगपतियों के लाखों करोड़ रुपये के कर्ज माफ कर चुकी है। लेकिन पूरे देश के किसानों का पूरा कर्ज 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक नहीं है। ऐसे में केंद्र सरकार को किसानों को एकमुश्त कर्ज से मुक्ति

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सुदर्शन रेड्डी पर शाह की टिप्पणी पूर्वाग्रह से भरी गलत व्याख्या है'

सुप्रीम कोर्ट के 7 पूर्व न्यायाधीशों सहित 18 पूर्व जजों ने अमित शाह के खिलाफ हस्ताक्षरित बयान जारी किया

नई दिल्ली, 25 अगस्त। सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के एक समूह ने सलवा जुडूम फैसले को लेकर विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी पर गृह मंत्री अमित शाह के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है। उन्होंने कहा कि इससे बचना ही समझदारी होगी। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश कुरियन जोसेफ, मदन बी. लोकुर और जे. चेलमेश्वर सहित 18 सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के समूह ने यह भी कहा कि एक उच्च राजनीतिक पदाधिकारी की ओर से शीर्ष अदालत के फैसले की पूर्वाग्रहपूर्ण गलत व्याख्या से न्यायाधीशों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

दरअसल, शाह ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश रेड्डी पर नक्सलवाद का समर्थन करने का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया था कि सलवा जुडूम फैसले के बिना वामपंथी उग्रवाद 2020 तक समाप्त हो गया होता।

18 पूर्व न्यायाधीशों द्वारा हस्ताक्षरित बयान में कहा गया कि केंद्रीय

- शाह के खिलाफ बयान पर हस्ताक्षर करने वालों में सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत न्यायाधीश जस्टिस चेलमेश्वर, मदन बी.लोकुर, कुरियन जोसेफ, अभय ओका, गोपाल गौडा व विक्रमजीत सेन शामिल हैं।
- सेवानिवृत न्यायाधीशों के समूह ने कहा कि एक उच्च राजनैतिक पदाधिकारी द्वारा सुप्रीम कोर्ट के फैसले की गलत व्याख्या करने से न्यायाधीशों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।
- ज्ञातव्य है कि अमित शाह ने कहा था कि सुदर्शन रेड्डी ने सल्वा जुडुम खत्म करने का फैसला न दिया होता तो नक्सलवाद 2020 में ही खत्म हो जाता।

गृह मंत्री अमित शाह का सलवा जुडूम मामले में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले की सार्वजनिक रूप से गलत व्याख्या करना दुर्भाग्यपूर्ण है। यह फैसला कहीं भी, न तो स्पष्ट रूप से और न ही इसके पाठ के किसी भी निहितार्थ के माध्यम से, नक्सलवाद या उसकी विचारधारा का समर्थन करता है। इस बयान पर हस्ताक्षर करने वाले सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश ए के पटनायक, अभय ओका, गोपाल गौड़ा, विक्रमजीत सेन, कुरियन जोसेफ, मदन बी. लोकुर और जे. चेलमेश्वर भी हैं।

सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने कहा, भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए प्रचार अभियान वैचारिक हो सकता है, लेकिन इसे शालीनता और गरिमा के साथ चलाया जा सकता है। किसी भी उम्मीदवार की तथाकथित विचारधारा की आलोचना से बचना चाहिए। किसी उच्च राजनीतिक पदाधिकारी की ओर से सर्वोच्च न्यायालय के फैसले की पूर्वाग्रह पूर्ण व्याख्याता गलत व्याख्या का सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और न्यायपालिका की स्वतंत्रता को हिला सकता है।

सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने कहा कि भारत के उपराष्ट्रपति के पद के सम्मान में नाम-निंदा से बचना ही समझदारी होगी। सुप्रीम कोर्ट के सात सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के अलावा उच्च न्यायालयों के तीन पूर्व मुख्य न्यायाधीशों गोविंद माथुर, एस. मुरलीधर और संजीव बनर्जी ने भी बयान पर हस्ताक्षर किए। पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में उच्च न्यायालयों के पूर्व न्यायाधीश अंजना प्रकाश, सी. प्रवीण कुमार, ए. गोपाल रेड्डी, जी. रघुराम,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री ने सांसदों, विधायकों, प्रत्याशियों व पार्टी पदाधिकारियों के साथ मंथन किया

उन्होंने प्रदेश के विकास के कार्यों के लिये प्रतिबद्धता से काम करने का आव्हान किया

जयपुर, 25 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विकसित राजस्थान2047 के संकल्प को तेजी से साकार करने के क्रम में सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर कोटा, झालावाड़-बारां, टोंक-सवाईमाधोपुर, भरतपुर, करौली-धौलपुर, उदयपुर, राजसमन्द, चित्तोड़गढ , भीलवाड़ा एवं बांसवाड़ा लोकसभा क्षेत्र के सांसदों एवं प्रत्याशियों तथा इन संसदीय क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले विधानसभा क्षेत्रों के विधायकों, प्रत्याशियों तथा भाजपा जिला अध्यक्षों के साथ गहन मंथन किया। इस दौरान शर्मा ने राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं एवं नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा करते हुए उनसे प्रदेश के विकास के कार्यों के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का आ ान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सुशासन के माध्यम से सर्वांगीण विकास सुनिश्चित कर जनसेवा के नए कीर्तिमान स्थापित किए है। संवाद के दौरान सांसद-विधायकों और पार्टी पदाधिकारियों ने राज्य सरकार के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान में ऐतिहासिक निर्णयों से अभूतपूर्व

- पहले दिन मुख्यमंत्री आवास पर हुए गहन मंथन में कोटा, झालावाड़-बारां, टोंक सवाईमाधोपुर, भरतपुर, करौली-धौलपुर, उदयपुर, राजसमन्द, चितौड़, भीलवाड़ा व बांसवाड़ा के जनप्रतिनिधी शामिल हुए।

बदलाव आए है। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, अशोक परनामी, सीपी जोशी भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, आज सरकार और संगठन बेहतर समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं। सांसद और विधायक सहित संगठन के पदाधिकारी राज्य सरकार की अभूतपूर्व उपलब्धियों से गौरवान्वित हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को कोटा, झालावाड़-बारां, टोंक-सवाईमाधोपुर, भरतपुर, करौली-धौलपुर, उदयपुर, राजसमन्द, चित्तौड़गढ़ , भीलवाड़ा एवं बांसवाड़ा लोकसभा क्षेत्र के सांसदों, विधायकों, प्रत्याशियों तथा भाजपा जिला अध्यक्षों के साथ गहन मंथन किया।

संवाद कार्यक्रम के पश्चात पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने संयुक्त प्रेस वार्ता आयोजित की। प्रेस वार्ता में पत्रकारों को संबोधित करते हुए राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री ने नवाचार करते हुए जनप्रतिनिधियों और पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच में संवाद कार्यक्रम रखा। संवाद कार्यक्रम के दौरान राज्य के 5 हजार गांवों को गरीबी मुक्त करने पर चर्चा की गई। इस हेतु प्रत्येक मापदंड के आधार पर कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जाएगा।

राठौड़ ने कहा कि जनकल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। इसी क्रम में हम 16 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा का आयोजन करने जा रहे है। साथ ही, 29 सितम्बर से 31 अक्टूबर तक सांसद खेल महोत्सव आयोजित करने की रूपरेखा भी बनाई है।

भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी ने कहा कि कार्यक्रम में यह भी तय किया गया है कि सभी विधायक अपने विधानसभा क्षेत्र के विद्यालयों के मरम्मत और नवीन निर्माण कार्यों की सूची तैयार करके भेजेंगे। जिससे वहां शीघ्र कार्य शुरू हो सके।

संघ का तीन दिवसीय संवाद कार्यक्रम आज से

नई दिल्ली, 25 अगस्त। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे करने जा रहा है। संघ ने शताब्दी वर्ष मनाने की तैयारी तेज कर दी है। इसके लिए दिल्ली में तीन दिवसीस संवाद कार्यक्रम करने का एलान किया गया। आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने सोमवार को कार्यक्रम की

- संघ के शताब्दी वर्ष की तैयारी के सम्बंध में यह कार्यक्रम दिल्ली में हो रहा है, जिसमें मोहन भागवत भी हिस्सा लेंगे।

जानकारी दी। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि आरएसएस शताब्दी वर्ष दो अक्तूबर विजयादशमी से शुरू होगा। शताब्दी वर्ष पर संघ के विचारों को समाज तक पहुंचाने के उद्देश्य से दिल्ली में तीन दिवसीय संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। 26, 27 और 28

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

विश्व इतिहास में प्रत्येक महान और महत्त्वपूर्ण आन्दोलन उत्साह द्वारा ही सफल हो पाया है। -एमर्सन

सुशासन के लिए अधिक आवश्यक क्या - नियम या नीयत?

भारत का संविधान विश्व के सर्वश्रेष्ठ संविधानों में से एक है। यहां पर अनेक प्रकार के कानून, नियम, प्रक्रियाएं और दिशा निर्देश बने हुए हैं। इन सबके उपरांत भी अभी तक भारत में असमानता इतनी अधिक क्यों है? सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ वांछित, वंचित वर्ग तक क्यों नहीं पहुंचता है? क्यों भ्रष्टाचार दिन-प्रतिदिन अधिक फल फूल रहा है?

सरकार का हर निर्णय इसी कथित उद्देश्य से लिया जाता है कि उससे भ्रष्टाचार कम होगा और आम जन को अपने कार्य करवाने में सुविधा मिलेगी। उसे अनावश्यक दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। वास्तव में ऐसा होता किसी को दिखाई नहीं देता। यहां तक कि जैसे-जैसे डिजिटाइजेशन और कंप्यूटराइजेशन बढ़ता गया, वैसे-वैसे भ्रष्टाचार भी कम होने के स्थान पर बढ़ता गया।

सरकार के सभी विभागों की समान स्थिति है, चाहे वे आधारभूत संरचना के निर्माण में लगे हों, शिक्षा, स्वास्थ्य प्रदान करने के काम में लगे हों, गरीबी उन्मूलन के कार्य में लगे हों या सामाजिक कल्याण और न्याय की विभिन्न योजनाओं को लागू करने के काम में लगे हों। सरकार ने बजट की कमी के कारण यह तय किया कि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सबको देने के स्थान पर केवल गरीब लोगों की पहचान करके उन्हें ही लाभान्वित किया जाय। इस उद्देश्य से 1978 में अंत्योदय योजना प्रारंभ की गई तो गांव के पांच सबसे गरीब परिवारों की पहचान करके योजनाओं का लाभ उन्हें देने का निर्णय लिया गया। चूंकि यह निर्णय गांव के लोगों के समक्ष लिया जाता था, अधिकांशतया वही लोग अंत्योदय परिवारों में चयनित किए गए जो वास्तव में गरीब थे। इस योजना का लाभ भी बड़ी सीमा तक निर्धन व्यक्तियों तक पहुंचा।

बाद में जब बीपीएल योजना प्रारंभ हुई तो उसमें बहुत सारे मापदंड बना दिए गए जिनके आधार पर सर्वे किया गया और गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले (बी पी एल) लोगों की सूची बनाई गई। जब बीपीएल में चयनित लोगों को लाभ देने का प्रश्न आया तो देखा गया कि कई प्रभावशाली और अपेक्षाकृत संपन्न व्यक्ति भी बीपीएल की सूची में सम्मिलित हो गए। जो वास्तव में गरीब थे और जिनकी कोई पहुंच सरकारी अधिकारियों तक नहीं थी, उनमें से अधिकांश सूची में सम्मिलित होने से वंचित रह गए। इसके लिए योजना को दोष नहीं दिया जा सकता अपितु जिन लोगों ने बीपीएल का सर्वे किया उनकी नीयत सही नहीं थी। यदि वे गरीब लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने की मानसिकता रखते, तो सरकारी धन का दुरुपयोग होने से बचा जा सकता था।

यही हाल सरकार द्वारा गरीबों को 5 किलो राशन बांटने की योजना का हो रहा है। ये समाचार लगातार पढ़ने में आते हैं कि कई आयकर दाता भी मुफ्त राशन का लाभ उठा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि स्थानीय स्तर पर काम करने वाले अधिकारियों/ कर्मचारियों को उनके क्षेत्र में निवास करने वाले लोगों की आर्थिक स्थिति का पता न हो। किंतु जब उनकी नीयत ही ठीक नहीं है तो फिर उसका लाभ भी गलत लोगों को ही मिलेगा। नीयत का प्रश्न तब अधिक प्रासंगिक होता है जब चयनित व्यक्तियों को ही सरकारी योजनाओं का लाभ देना हो, जबकि उसके पात्र उससे कहीं अधिक संख्या में हों। जो व्यक्ति अपने प्रभाव के कारण गरीबों की सूची में सम्मिलित हो जाएंगे वे लाभ लेने में सबसे आगे रहेंगे और वास्तविक वंचित व्यक्ति उसी स्थिति में रह जाएंगे।

परिवहन विभाग में जब लाइसेंस देने का काम ऑनलाइन नहीं हुआ था, तब शायद कई लोग बिना एजेंट की सहायता से भी अपना लाइसेंस परिवहन कार्यालय में जाकर बनवा लेते थे। अब, जब से ऑनलाइन लाइसेंस बनाने का कार्य प्रारंभ हुआ है तब से एजेंट व्यवस्था समाप्त होने के स्थान पर और मजबूत हो गई है। जब विभाग यह दावा करता है कि घर बैठे आप सारा काम कर सकते हैं तो अधिकांश लोग एजेंटों से काम करवाने हेतु क्यों मजबूर हैं? कारण स्पष्ट है, ऑनलाइन व्यवस्था ऐसे बनेर है कि उस पर काम करना ही संभव नहीं है। इसका मुख्य कारण विभागीय अधिकारियों की विकृत मानसिकता ही है। अधिकांश सरकारी अधिकारी केवल टाइम पास करने या पैसा बनाने की नीयत से ही सरकारी नौकरी में आते हैं।

स्थानीय निकाय जैसे जेडीए, यूआईटी, नगर निगम आदि से अधिकांश नागरिकों का वास्ता पड़ता है। सब काम जैसे नक्शा पास कराना हो, किसी व्यापार का लाइसेंस लेना हो, कन्वर्शन कराना हो वह संबंधित अधिकारी या कर्मचारी की 'सेवा पूजा' किए बगैर संभव नहीं है। हमारे एक मित्र ने एक नगर निगम में जब भू उपयोग परिवर्तन का प्रार्थना पत्र दिया तो उस पर 70 बार आपत्तियां लगाई गईं। उनसे कहा गया कि आप 10 लाख रुपए एजेंट को देते तो आपका काम तत्काल हो सकता था। यह सब दोष नियमों का नहीं केवल मात्र नीयत का है। अधिकांश विभागों में जहां ऑनलाइन की व्यवस्था है, वहां का पोर्टल काम ही नहीं करता। यही हाल हेल्प लाइन नंबर का है। मेरा व्यक्तिगत अनुभव यह है कि सरकारी काम में न पैसे की कमी आड़े आती है न नियम। जो बात आड़े आती है, वह है अधिकारियों की नीयत।

नरेगा में भ्रष्टाचार को रोकने की दृष्टि से सारे कामों की सूची ऑनलाइन वेबसाइट पर उपलब्ध की गई। इसके बावजूद नरेगा देश की भ्रष्टतम योजना में से एक बनकर रह गई है, क्योंकि इसमें काम करने वाले लोगों की नीयत अच्छी नहीं है। इस कानून में प्रावधान है कि 15 दिन में काम न मिलने पर ग्रामीण को बेरोजगारी भत्ता मिलना चाहिए। यह सभी को पता है कि नाम मात्र के लोगों को ही बेरोजगारी भत्ता मिलता है, क्योंकि उनके पास ऐसा कोई साधन नहीं है कि वे यह सिद्ध कर सकें कि उन्होंने किस तिथि को काम के लिए आवेदन किया था? स्थिति और विकट तब हो जाती है जब जिनके पास शिकायत करनी होती है, वही इस भ्रष्टाचार के दुष्चक्र में भागीदार हो जाते हैं।

> **जिस गति से आजकल सरकार द्वारा निर्मित भवन, सड़क और पुल टूट रहे हैं, उससे यह तो स्पष्ट है कि तकनीक में बहुत अधिक विकास के बावजूद इंजीनियरों/अधिकारियों की खराब नीयत के कारण ऐसा हो रहा है। चूंकि हर काम में अधिकारियों/इंजीनियरों द्वारा कमीशन लिया जाता है। स्वीकृत राशि का बहुत कम हिस्सा वास्तव में काम पर खर्च होता है।**

शिक्षा के क्षेत्र में तो नीयत का महत्व सबसे अधिक है। शिक्षा में संख्यात्मक विस्तार और गुणात्मक सुधार के नाम पर कंप्यूटर के माध्यम से 'दर्पण' 'डाइस', 'अपार' जैसे सॉफ्टवेयर बनाए गए ताकि बच्चों की संख्या और उनके स्तर का ऑनलाइन मॉनिटरिंग किया जा सके। किंतु वास्तविकता यह है कि इससे शिक्षा के स्तर का कतई संबंध नहीं है। इसके विपरीत शिक्षकों का पूरा समय डेटा एंट्री करने में ही निकल जाता है। जहां पहले ही शिक्षक कम हों, वहां इस अनावश्यक काम में लगने के कारण बच्चों की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हुई है। आज का दसवीं पास विद्यार्थी तीन चार दशक पूर्व के पांचवी पास विद्यार्थी की अपेक्षा भाषा और गणित की जानकारी में कहीं पीछे है। इसी प्रकार, आज का स्नातक, कुछ दशक पहले के हाई स्कूल के समकक्ष भी नहीं है। किसी की नीयत शिक्षा में सुधार करना नहीं अपितु केवल कागज़ी खाना पूर्ति मात्र रह गया है। नियमानुसार 75% से कम उपस्थिति वाले बच्चों को परीक्षा में नहीं बैठने दिया जा सकता, किंतु यह सर्व ज्ञात है कि किसी भी सरकारी विद्यालय एवं महाविद्यालय में बच्चों की उपस्थिति 10-20% भी नहीं रहती है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों की इसी मानसिकता के कारण कोचिंग व्यवसाय फलफूल रहा है।

सरकार ने सस्ती लोकप्रियता प्राप्त करने के लिए कई विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, महाविद्यालय, विद्यालय आदि खोलने की घोषणा तो कर दी किंतु उसकी नीयत वास्तव में शिक्षा प्रदान की नहीं थी। यदि वास्तव में ऐसा होता तो पहले वे उपयुक्त संख्या में शिक्षकों की व्यवस्था करते। आज कई ऐसे 12वीं के विद्यालय हैं जहां विषयों के शिक्षक नहीं हैं। मेडिकल कॉलेजों में उन्हीं शिक्षकों को हर जगह निरीक्षण के समय दिखा दिया जाता है। जो शिक्षा विभाग निजी विद्यालयों को मान्यता देने के नाम पर कई प्रकार के प्रमाण पत्र लेता है, उसी के स्वयं के विद्यालय छत ढह जाने से कई बच्चों की जान ले लेते हैं। खराब नीयत के लिए जवाबदेही की कमी भी बहुत बड़ा कारण है।

जिस गति से आजकल सरकार द्वारा निर्मित भवन, सड़क और पुल टूट रहे हैं, उससे यह तो स्पष्ट है कि तकनीक में बहुत अधिक विकास के बावजूद इंजीनियरों/अधिकारियों की खराब नीयत के कारण ऐसा हो रहा है। चूंकि हर काम में अधिकारियों/इंजीनियरों द्वारा कमीशन लिया जाता है। स्वीकृत राशि का बहुत कम हिस्सा वास्तव में काम पर खर्च होता है। अतः, पुल सड़क टूटने का कारण कमीशन की नीयत ही है। इसके विपरीत रियासत कालीन निर्माण आज भी ज्यों के त्यों खड़े हुए है।

सैटेलाइट से आजकल किसी भी क्षेत्र पर निगरानी संभव है। इसके बावजूद यदि वन क्षेत्र में कटाई हो रही है, नदी के बहाव में अवैध निर्माण हो रहे हैं, अवैध खनन निरंतर बढ़ रहा है, पहाड़ कट कर रहे हैं तो इसके लिए जिम्मेदार केवल एक ही बात को माना जा सकता है, वह यह कि संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी अच्छी नीयत के साथ काम नहीं कर रहे हैं।

अधिकांश लोक सेवक, वे मंत्री हों चाहे अधिकारी, इस उद्देश्य से इस क्षेत्र में नहीं आते हैं कि उन्हें जनता के हित के साधन में माध्यम बनना है। कई बार तो लगता है कि उनकी नीयत सामान्य जनता को प्रताड़ित और परेशान करके धनोपार्जन की है। वे 'लोक सेवा' में आए ही इसलिए हैं कि वे जनता से अधिकाधिक सुविधा शुल्क वसूल कर सकें। यदि ऐसा नहीं होता तो क्यों हमारे शहरों की कच्ची बस्तियों में लोग नारकीय जीवन जीने के लिए अब भी अभिशप्त होते?

सवाल यह उठता है कि अच्छी नीयत वाले सरकारी अधिकारियों/कर्मचारियों की संख्या धीरे-धीरे कम क्यों होती जा रही है? उत्तर स्पष्ट है - समाज में प्रतिष्ठा, सम्मान और प्रोत्साहन उन्हीं को मिल रहा है जो येन-केन-प्रकारेण अधिक संपत्ति और धन अर्जन कर लेते हैं। स्वाभाविक है, जो अच्छी नीयत से काम करते हैं वे जनता की दुआएं भले ही प्राप्त कर लें किंतु संपन्न नहीं बन सकते। युवा पीढ़ी, जब गलत मानसिकता से काम करने वाले व्यक्तियों को प्रतिष्ठित होते हुए देखती है तो वह भी वैसा ही करने के लिए प्रवृत्त हो जाती है।

हाल ही में संचालित की जा रही एस आई आर की प्रक्रिया के लिए भी कहा तो यही गया कि यह मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण के लिए है, किंतु वास्तव में इसका छद्म उद्देश्य कुछ विशेष वर्ग के लोगों को मतदाता सूचियों से बाहर करने का ही था। चुनाव आयोग संस्था तो संवैधानिक है, किंतु उसने सत्ताधारी दल के इशारे पर ऐसा किया, यह मानना गलत नहीं होगा। साफ है इस पूरी प्रक्रिया के पीछे लिखित उद्देश्य कुछ भी हो किंतु लागू करने वालों की नीयत में तो खोट है ही।

इसी प्रकार, सरकार ने शासन में नैतिकता और शुचिता लाने के उद्देश्य से संसद में एक विधेयक, 30 दिन से अधिक जेल में रहने वाले मंत्रियों/मुख्यमंत्रियों/प्रधानमंत्री को पद से हटाने के लिए प्रस्तुत किया, किंतु विपक्ष इसे विरोधी दलों के नेताओं को परेशान करने की नीयत से लाया गया बता रही है। वैसे भी यह पारित होना संभव नहीं लगता क्योंकि इसके लिए संसद में दो तिहाई बहुमत चाहिए, जो सरकार के पास नहीं है।

संक्षेप में हम यही कह सकते हैं कि सुशासन तब ही संभव है जब उसे लागू करने वाले सरकारी कर्मचारियों, विशेष कर उच्च पदों पर बैठे हुए मंत्री और अधिकारियों की नीयत साफ हो। उनकी नीयत जनता का भला करने की हो, केवल अपनी स्वार्थ सिद्धि की नहीं। वर्तमान में तो सभी दल एवं अधिकांश नौकरशाह मिलकर जनता के पैसे को अपनी कमाई का माध्यम समझ कर ही काम करते हुए दिखाई दे रहे हैं। अच्छी नीयत वाले लोगों के हाथ में प्रशासन और शासन सौंपे बिना सुशासन की बात कोरी कल्पना ही रहेगी, चाहे कितने ही नियम क्यों न बना लिए जाएं।

-अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

राजस्थान रेत का विस्तार नहीं, अवसरों का पिटारा

डॉ. सुबोध अग्रवाल

थार के रेगिस्तान और दूर-दूर तक रेत के धोरों के लिए पहचाना जाने वाला राजस्थान आज औद्योगिक निवेश की विपुल संभावनाओं से परिपूर्ण प्रदेश हो गया है। औद्योगिक निवेश के लिए देसी-विदेशी निवेशकों के लिए राजस्थान प्रमुख डेस्टिनेशन बन गया है। राजस्थान का भौगोलिक परिदृश्य, जिसे कभी निवेश के लिए बाधा माना जाता था, आज अवसरों का पिटारा बन गया है। थार का रेगिस्तान अब केवल रेत का विस्तार नहीं, बल्कि सौर और नवीकरणीय ऊर्जा का वैश्विक केंद्र बन गया है। प्रदेश हरित विकास का नया अध्याय लिख रहा है तो धरती की गर्भ में छिपी खनिज संपदा ने राजस्थान में खनन विकास की नई इबारत लिखना शुरु कर दिया है। गत दिसंबर, 24 में आयोजित राइजिंग राजस्थान इसका जीता-जागता उदाहरण है कि आरआर समिट के दौरान ना केवल देसी-विदेशी निवेशकों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया अपितु समिट के दौरान 35 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेष समझौते हस्ताक्षिरत किये हैं। यह आज के बदलते राजस्थान की तस्वीर है।

राज्य की औद्योगिक विकास यात्रा को चार महत्वपूर्ण आयामों में विभाजित कर आसानी से समझा जा सकता है। एक थार के रेगिस्तान से नवीन अवसर तक: सौर और पवन ऊर्जा राजस्थान को हरित ऊर्जा केंद्र बना रही है। दूसरा, बंजर भूमि से औद्योगिक विकास तक: बाड़मेर आज प्रति व्यक्ति आय में अग्रणी है और जैसलमेर भारत की सीमेंट राजधानी के रूप में उभर रहा है। तीसरा, चुनौतियों से ताकत तक: कोटा के जल संसाधन ऊर्जा भंडारण और शिक्षा हब दोनों को गति दे रहे हैं। तो चौथे, खनिज संपदा से आर्थिक शक्ति तक: पोटाश, यूरेनियम, हाइड्रोकार्बन, क्रिटिकल मिनरल और अन्य खनिज प्रदेश की अर्थव्यवस्था का भविष्य तय कर रहे हैं।

इसी के साथ यह भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि राजस्थान निवेशकों की पहली पसंद बनने का बड़ा कारण यह है कि राजधानी दिल्ली और अन्य प्रमुख केन्द्रों से कनेक्टिविटी और यहां की कानून व्यवस्था व लोगों का व्यवहार। शांति, सद्भाव और सहजता राजस्थान की पहचान है। मानव संसाधन की सहज उपलब्धता उद्यमियों के लिए और अधिक आसान हो जाती है। कहा जाता है और कुछ हद तक सही भी है कि राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक बार नौकरी या किसी अन्य कारण से रहने के लिए आने वाला फिर यहीं का होकर रह जाता है। राजधानी दिल्ली से सबसे निकटतम शांत और बेहतर कानून व्यवस्था वाला प्रदेश राजस्थान है। एनसीआर का विस्तार राजस्थान और इसकी सीमाओं से लगते हुए हो रहा हैं। एक्सप्रेस वे और नेशनल हाईवे के विस्तार से प्रदेश के किसी भी कोने तक आसानी से पहुंचा जा सकता है।

आज देश में नवीकृत उर्जा के उत्पादन में राजस्थान शीर्ष पर है तो अब सोलर के लिए आवश्यक उपकरण तैयार करने वाले उद्योगों को भी राजस्थान में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। बालोतरा के पचपदरा में तैयार हो रही हिन्दुस्तान पेट्रोलियम राजस्थान रिफाइनरी शुरु होते ही तस्वीर पूरी तरह से बदल जाएगी। यहां पर पेट्रोकेमिकल जोन विकसित किया जा रहा है। बाड़मेर जैसलमेर जिसे कभी काले पानी की सजा के रुप में देखा जाता था तेजी से विकसित क्षेत्र होते जा रहे हैं। लगभग असंभव को संभव बनाते हुए बाड़मेर के विकास को इसी से समझा जा सकता है कि आज राजस्थान में परकेपिटा आय में बाड़मेर शीर्ष स्थान पर आ गया है।

बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर से बीकानेर तक तपती धरती आज नवीकृत ऊर्जा खासतौर से सोलर उर्जा के उत्पादन बढ़ा रही है। नवीकृत ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान में अभी भी संभावनाओं को इसी से समझा जा सकता है कि 35 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों में करीब करीब 80 प्रतिषत निवेश प्रस्ताव नवीकृत उर्जा क्षेत्र के प्राप्त हुए है। राज्य सरकार रीको के माध्यम से भूमि भी उपलब्ध कराने के साथ ही राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना, 2024 के तहत आकर्षक प्रोत्साहन भी दे रही है। सिंगल विण्डो सिस्टम से निवेशकों के लिए राजस्थान में उद्योगों की स्थापना आसान हो रही है। निवेश प्रस्तावों को धरातल पर लाने के प्रति मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा स्वयं बड़े प्रस्तावों को धरातल पर लाने के लिए हो रही प्रगति की समीक्षा प्रतिमाह अपने स्तर पर कर रहे हैं। मुख्य सचिव स्तर पर 200 करोड़ तक के निवेश प्रस्तावों की प्रगति की समीक्षा प्रति सप्ताह की जा रही है तो इससे कम के निवेश प्रस्तावों की समीक्षा नियमित रुप से संबंधित विभागों द्वारा की जा रही है। यह सब राजनीतिक ईच्छा शक्ति से ही संभव हो पा रहा है।

योजनावद्ध प्रयासों से प्रदेश में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। बाड़मेर-जैसलमेर को जहां राजस्थान में काले पानी की सजा से कम नहीं माना जाता था, आज वहीं बाड़मेर प्रदेश में परकेपिटा के हिसाब से शीर्ष पर आ गया है तो वो दिन दूर नहीं जब जैसलमेर सीमेंट के उत्पादन में देश की राजधानी बन जाएगा। पचपदरा में रिफाइनरी अब आ रही है पर इससे पहले ही बाड़मेर और आसपास के क्षेत्र में आर्थिक दृष्टि से तेजी से विकास हुआ है। इस सबके पीछे एक बड़ा कारण तपती धरती को वरदान में बदलकर नवीकृत ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ावा देने और प्रदेश में खनिजों की विपुल संपदा को एक्सप्लोर करने से संभव हो पाया है।

वैसे राजस्थान में सभी क्षेत्रों में औद्योगिक विकास के योजनावद्ध प्रयास किये जा रहे हैं। कोटा में पानी की प्रचुरता के कारण नवीकृत ऊर्जा को संरक्षित कर उपयोग करने की विपुल संभावनाएं हो गई है तो शिक्षा नगरी के रुप में कोटा की अलग पहचान बन चुकी है। जैसलमेर में सीमेंट ग्रेड लाइमस्टोन के विपुल भण्डार मिलने के साथ ही कच्चे तेल और गैस के भण्डार मिलने से पूरा सिनेरियो ही बदल रहा है। बीकानेर में पोटाश के विपुल भण्डार है तो राजस्थान में यूरेनियम के साथ ही क्रिटिकल मिनरल, गारनेट आदि आदि बहुतायत में है। राजस्थान की धरा के गर्भ में अथाह और विविध प्रकार की खनि संपदा है।

सोने-चांदी और लेड जिंक सहित कई मिनरलों में तो राजस्थान शीर्ष पर आ गया है। पर्यटन के क्षेत्र में राजस्थान अग्रणी प्रदेश बन गया है। देसी-विदेशी विदेशी पर्यटकों की पहली पसंद राजस्थान बनता जा रहा है। राजस्थान के सेंड ड्रून्स, गढ़-किले से लेकर मंदिर गलियारें पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। पर्यटन के कारण होटल व्यवसाय ने तेजी से विस्तार किया है तो जयपुर और राज्य के अन्य प्रदेशों तक सहज पहुंच के चलते आज राजस्थान मेडिकल टूरिज्म के क्षेत्र में भी तेजी से पहचान बनाता जा रहा है। हेरिटेज होटलों के साथ सभी आर्थिक वर्ग की पहुंच की होटल्स की उपलब्धता है। राजधानी दिल्ली के नजदीक होने से दिल्ली आने वाला और नहीं तो जयपुर का ही चक्कर लगा लेता है। राजस्थान के एंटिक और रत्न व्यवसाय की धमक समूची दुनिया में है। औद्योगिक निवेशोन्मुखी माहौल का इसी से अंदाज लगाया जा सकता है कि राजस्थान में जापानी जोन अलग से विकसित है और सफलता पूर्वक औद्योगिक उत्पादन हो रहा है।

देखा जाए तो राजस्थान में प्रचुर मात्रा में संसाधन होने के साथ ही राज्य सरकार की स्पष्ट उद्योगोन्मुखी नीति, राजनीतिक इच्छाशक्ति और निवेशक-अनुकूल माहौल भी है। यही कारण है कि राजस्थान आने वाले वर्षों में भारत की आर्थिक वृद्धि का धुरी बनता जा रहा है। आने वाला समय राजस्थान का है और राजस्थान अब केवल पर्यटन ही नहीं, बल्कि ऊर्जा, खनिज, शिक्षा और उद्योगों का केंद्र भी हो गया है।

-डॉ. सुबोध अग्रवाल,
(आईएएस)
अतिरिक्त मुख्य सचिव,
राजस्थान सरकार

मंगला आरती के साथ 641वें रामदेवरा मेले का विधिवत शुभारंभ

- **प्रदेश सहितज अनेक राज्यों से आये हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा रामदेवजी की समाधि के दर्शन कर मन्नत मांगी**
- **प्रशासन के अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने बाबा की समाधि पर पूजा-अर्चना कर देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की**

जैसलमेर/पोकरण/रामदेवरा, (नि.सं.)। पश्चिमी राजस्थान के लोकदेवता बाबा रामदेवजी की अवतरण तिथि भादवा शुक्ला द्वितीया के पावन अवसर पर सोमवार अलसुबह मंगला आरती के साथ 641वें रामदेवरा मेले का विधिवत शुभारंभ हुआ। इस मौके पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर परसा राम सैनी ने बाबा की समाधि पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर साम्प्रदायिक सद्भाव, एकता और शांतिपूर्ण आयोजन का संदेश दिया। उन्होंने देश-प्रदेश से आए श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं और सुरक्षित व सुव्यवस्थित मेले की कामना की।

पुजारी पं. कमलकिशोर छंगाणी के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बाबा का दुग्ध, दही, शहद, इत्र और पंचामृत से अभिषेक किया गया। मेवा-मिष्ठान व मिश्री का भोग अर्पित कर समाधि पर नई चादर चढ़ाई गई और भोग आरती संपन्न हुई। अतिथियों ने इत्र व प्रसाद चढ़ाकर बाबा की अखण्ड जोत के दर्शन किए तथा पवित्र जारी का जल श्रद्धालुओं को आचमन हेतु प्रदान किया। मंगला आरती के समय हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा की समाधि के दर्शन कर स्वयं को धन्य माना। कई श्रद्धालु दर्शन के लिए रातभर कतार में खड़े रहे। अलसुबह मंदिर के मुख्य द्वार खुलते ही बाबा के जयकारों की गूंज से निज मंदिर परिसर उत्साह और श्रद्धा से भर उठा। मंदिर परिसर, गलियों और आसपास के क्षेत्रों में नगाड़ों और लोक भजनों की मधुर ध्वनि गूंजती रही।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिवहरे, मुख्य कार्यकारी अधिकारी रश्मि रानी, उपखंड अधिकारी लाखा राम, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण सैन, विकास अधिकारी हनुमान राम, सहायक निदेशक प्रवीण प्रकाश चौहान, बाबा वंशज गादीपति भोमसिंह तंवर, सांकडा पंचायत समिति के प्रधान भगवत सिंह तंवर, रामदेवरा सरपंच समुन्द्रसिंह तंवर सहित अन्य अधिकारी और मंदिर समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी ने बाबा की समाधि पर पूजा-अर्चना कर देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। अतिरिक्त जिला कलक्टर परसा राम सैनी एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिवहरे ने मेले की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने कतारबद्ध श्रद्धालुओं से बातचीत कर सुविधाओं की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सुरक्षा, सफाई और सुविधा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित हों। सीसीटीवी निगरानी, भीड़ प्रबंधन और सफाई कर्मचारियों की तैनाती पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

लोकदेवता बाबा रामदेवजी की समाधि के भक्तों ने दर्शन किये।

खेतों में पानी की डिग्गियों में सैकड़ों मछलियों की मौत

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के केसरीसिंहपुर कस्बे के पास गांव 16-17 एच घंजातिया में किसानों की कृषि भूमि में बनी पानी की डिग्गियों में अज्ञात कारणों से भारी संख्या में मछलियां मरने लगी हैं। सोमवार सुबह जब किसान खेतों में पहुंचे तो डिग्गियों की सतह पर सैकड़ों मरी हुई मछलियां और बाकी को तड़पते हुए देखा गया। यह नजारा देखकर किसानों में चिंता की लहर दौड़ गई।

गांव के किसान लखविंदर सिंह ने बताया कि सोमवार सुबह जब वे खेत में पहुंचे तो डिग्गी की सतह पर बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां दिखीं। वहीं सैकड़ों मछलियां ऊपर आकर सांस लेने की कोशिश कर रही थीं। उन्होंने आशंका जताई कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा डिग्गियों में जहरीली दवा या रसायन डाला गया हो सकता है, जिससे यह स्थिति उत्पन्न हुई। घटना की सूचना मिलने पर वेटरनरी विभाग के डॉक्टर महावीर अग्रवाल मौके पर पहुंचे और डिग्गी का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रारंभिक जांच के आधार पर किसान की आशंका को खारिज करते हुए बताया कि मछलियों की मौत का कारण पानी में ऑक्सीजन का स्तर कम होना है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति अक्सर तब उत्पन्न होती है जब गर्मी अधिक हो, पानी स्थिर हो और उसमें जैविक अपशिष्ट जमा हो जाए। इससे पानी में घुली ऑक्सीजन की मात्रा कम हो जाती है, जिससे मछलियों को सांस लेने में परेशानी होती है।

डॉ. अग्रवाल ने किसानों को सलाह दी कि वे डिग्गियों में चूना (चूना पत्थर) डालें, जिससे पानी का पीएच स्तर संतुलित होगा और ऑक्सीजन लेवल बढ़ेगा। इससे मछलियों को राहत मिलेगी। किसानों ने तत्काल प्रभाव से डिग्गियों में चूना डालना शुरू कर दिया है। किसानों का कहना है कि यह पहली बार है जब इतनी भारी संख्या में मछलियों की मौत हुई है।

राशिफल मंगलवार 26 अगस्त, 2025

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, हस्त नक्षत्र बुधवार प्रातः 6:04 तक, साध्य योग दिन 12:04 तक, गर करण दिन 1:55 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कन्या, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। भद्रा रात्रि 2:50 से आरम्भ होगी। आज हरितालिका तीज व्रत, मन्वादि है। आज कलंक चौथ है। आज चन्द्र दर्शन निषेध है। चन्द्रास्त रात्रि 8:36 पर होगा। आज साम श्रावणी उपाकर्म (सामवेदियों की राखी) है। आज रोट तीज, गौरी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:18 से 10:53 तक, लाभ-अमृत 10:53 से 2:04 तक, शुभ 3:39 से 5:15 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:07, सूर्यास्त 6:50

मेष
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी, उचित सफलता मिलेगी।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। आज अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। वाणी पर संयम रखना ठीक रहेगा।

कन्या
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

तुला
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आज मन में असंतोष बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

धनु
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। धार्मिक-मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं।

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी।

मीन
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आदर्श डिफेंस एवं स्पोर्ट्स एकेडमी का लोकार्पण किया

केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथसिंह व पूर्व नरेश गजसिंह ने मारवाड़ राजपूत सभा भवन में शहीद वीरांगनाओं का सम्मान किया।

जोधपुर, (कासं)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश विरोधी ताकतों को खुली चेतावनी देते हुए कहा है कि भारत को छेड़ने वालों को छोड़ेंगे नहीं। उन्होंने पहलगाम घटना का जिक्र करते हुए कहा कि आतंकियों ने वहां लोगों का धर्म पूछकर उनकी हत्या की थी, लेकिन हमारे जवानों ने आतंकियों को धर्म नहीं बल्कि कर्म देखकर मार गिराया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को यहां हनवंत आदर्श विद्यामंदिर लालसागर परिसर में आदर्श डिफेंस एवं स्पोर्ट्स एकेडमी के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। राजनाथ सिंह ने लाल सागर स्थित विद्या भारती द्वारा संचालित आदर्श विद्या मंदिर परिसर में लालसागर परियोजना के तहत तैयार की गई आदर्श डिफेंस एवं स्पोर्ट्स एकेडमी का लोकार्पण किया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों ने सशस्त्र बलों को पूर्ण समर्थन दिया, जो इस बात का प्रमाण है कि राष्ट्र की सुरक्षा केवल सरकार या सेना की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यदि नागरिक, विशेषकर युवा अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक और समर्पित रहे तो देश किसी भी कठिनाई का सामना कर सकता है और मजबूत बन सकता है। रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान युवाओं द्वारा दिखाए गए उत्साह और दृढ़ संकल्प की सराहना की। इस बात पर जोर देते हुए कि भारत जाति और धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करता, उन्होंने कहा कि जहां पहलगाम में आतंकवादियों ने निर्दोष लोगों के धर्म के आधार पर उनकी हत्या की, वहीं भारतीय सशस्त्र बलों ने आतंकवादियों को शरण देने वालों को उनके कृत्य के आधार पर खात्मा किया। उन्होंने इस ऑपरेशन को नए भारत की पहचान बताया। उन्होंने कहा कि रक्षा और शिक्षा का संगम अनूठा होता है और जब इसमें खेल का भी समावेश होता है, तो यह और भी विशेष बन जाता है। उनके अनुसार यहां से निकलने वाले विद्यार्थी न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश का नाम रोशन करेंगे।

उन्होंने कहा कि शिक्षा ज्ञान प्रदान करती है जबकि रक्षा से सुरक्षा सुनिश्चित होती है। दृढ़ता, अनुशासन, धैर्य और दृढ़ संकल्प जैसे गुण एक सैनिक के लिए उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितने एक खिलाड़ी के लिए। रक्षा, शिक्षा और खेल के इस संगम से निकले छात्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकते हैं। उन्होंने नागरिकों से एक ऐसे राष्ट्र के निर्माण का आव्हान किया जो ज्ञान, संस्कृति और शक्ति के मामले में दुनिया में अग्रणी हो।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि विद्या भारती पिछले छह दशक से संस्कारमय शिक्षा दे रही है। जोधपुर में यह यात्रा 1964 से जारी है और वर्तमान में 17 विद्यालय संचालित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस संस्थान की स्थापना रक्षा और खेल क्षेत्र में देश का नाम रोशन करने वाले विद्यार्थियों को तैयार करने के लिए की गई है। विद्या भारती के संगठन मंत्री यतींद्र शर्मा ने बताया कि संघ के शताब्दी वर्ष में यह बड़ा प्रकल्प विकसित किया जा रहा है। लालसागर परियोजना की कुल लागत लगभग 110 करोड़ रुपए है। पहले चरण में 30 करोड़ रुपए खर्च कर हॉस्टल का निर्माण किया गया है, जिसमें 400 से अधिक छात्रों के रहने की व्यवस्था होगी। इनमें से 200 विद्यार्थी रक्षा और 200 विद्यार्थी खेल क्षेत्र में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षित किए जाएंगे। प्रवेश केवल चयन परीक्षा के माध्यम से होगा।

परियोजना समिति अध्यक्ष डॉ. निर्मल गहलोत ने बताया कि यह केंद्र रक्षा, खेल, आचार्य प्रशिक्षण, प्रशासनिक सेवाओं, कौशल विकास तथा शोध-आधारित शिक्षा का उत्कृष्ट मॉडल होगा। विद्या भारती जोधपुर प्रांत अध्यक्ष प्रो. नरपत सिंह शेखावत ने बताया कि यह केंद्र शिक्षा, संस्कार, अनुशासन और राष्ट्र सेवा के मूल्यों पर आधारित एक आदर्श मॉडल के रूप में विकसित होगा। परियोजना के लिए आर्थिक सहयोग देने वाले भामाशाहों का प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर गजसिंह राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, पूर्व सांसद कैलाश चौधरी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक निंबाराम, ससंदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल सहित देश-प्रदेश के सांसद, विधायक, सैन्य और प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

वहीं केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथसिंह व पूर्व नरेश गजसिंह ने सोमवार को दोपहर में मारवाड़ राजपूत सभा भवन में शहीद वीरांगनाओं का सम्मान किया। सभा के अध्यक्ष हनुमानसिंह खांगटा ने बताया कि मारवाड़ राजपूत सभा की ओर से रक्षामंत्री का अभिनंदन भी किया गया। केंद्रीय संस्कृति व पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी उपस्थित रहे।

पाली में जमकर बरसे बदरा

पाली शहर की सड़कों पर 2 फीट तक पानी जमा हो गया। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली, (नि.सं.)। पाली जिले में फिर से मानसून लौट आया है।

आज लगातार तीसरे दिन बारिश हुई। दोपहर 3:00 बजे बाद शुरू हुई बारिश शाम 6:30 बजे तक लगातार मूसलाधार होती रही, जिस शहर की सड़कों पर 2 फीट तक पानी जमा हो गया। स्कूलों से बच्चे घर नहीं पहुंचे। आवागमन बाधित हो गया। पाली शहर के स्टेशन रोड, मिल क्षेत्र, लोढा स्कूल रोड, सिंधी कॉलोनी रामदेव रोड, मांड्या रोड, जंगी वाड़ा वी डी नगर, बलिया स्कूल रोड की सड़कों पर पानी ही पानी भर गया। इसी प्रकार जिले के सुमेरपुर में जोरदार बारिश होने से नदी उफान पर है, बाली देसूरी घाणेराव, सादड़ी मारवाड़ जंक्शन सभी क्षेत्रों में जोरदार बारिश के समाचार है। पाली जिले का मुख्य बांध जवाई बांध 50 फुट के निकट पहुंचने वाला है। सोमवार शाम को49.20 फिट तक पहुंच गया।

लूणी में डंपर ने ली गाय की जान, लोगों में रोष पनपा

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती लूणी तहसील के शुभदंड गांव की सरहद में सोमवार की अलसुबह किसी डंपर चालक ने एक गाय को कुचल दिया। घटना का पता लगने पर ग्रामीण एकत्र हो गए और कंटीली झाड़ियां लगाकर रास्ते जाम कर दिया।

रास्ता जाम होने की जानकारी पर लूणी पुलिस मौके पर पहुंची और मामला शांत करवाया। ग्रामीणों की तरफ से अज्ञात डंपर चालक के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है।

ग्रामीणों का कहना था कि आसपास के एरिया में अवैध बजरी डंपर चलते रहते है। जिससे आए दिन मनुष्य के साथ पशु भी हादसे के शिकार होते है। सोमवार की सुबह किसी डंपर चालक ने गाड़ी को तेज एवं लापरवाही से चलाते सडक़ पर एक गाय को कुचल कर मार डाला। लूणी पुलिस ने लोगों से समझाइश कर मामला शांत करवाया।

स्काउट व गाइड लोगों के सहयोगी बने

पोकरण/रामदेवरा, (निसं)। रामदेवरा में सक्षम संस्था द्वारा संचालित लोकदेवता बाबा रामदेव नेत्र कुम्भ 2025 में इस बार एक विशेष दृश्य देखने को मिल रहा है। भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स जैसलमेर के 50 से अधिक कैडेट्स, उद्घाटन दिवस से लेकर आज तक प्रतिदिन इस महा जांच शिविर की हर गतिविधि में सिपाही जैसी तत्परता और समर्पण के साथ सेवाएं दे रहे हैं।

भारत स्काउट्स व गाइड्स जैसलमेर की प्रभारी युक्ता शर्मा के निर्देशन में ये सभी कैडेट्स ओपीडी प्रबंधन, चश्मा घर, मरीज मार्गदर्शन, पंजीकरण, दवाई वितरण, भीड़ नियंत्रण और नेत्र शिविर के विभिन्न विभागों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इस अवसर पर जिला प्रभारी युक्ता शर्मा ने कहा कि हमारे स्काउट्स एण्ड गाइड्स कैडेट्स अनुशासन और सेवा भाव की मिसाल हैं। नेत्र कुम्भ जैसे विशाल आयोजन में उन्होंने जिस तरह जिम्मेदारी निभाई है, वह न केवल संगङ्गन का बल्कि पूरे जिले का गौरव बढ़ाने वाला है। वर्दीधारी और अनुशासित देश के ये नौनिहाल इन युवा कैडेट्स को देखकर ऐसा प्रतीत होता है मानो शिविर की पूरी व्यवस्था में एक सुसंगठित सुरक्षा व सेवा तंत्र काम कर रहा हो। लड़कियाँ और लड़के अलग-अलग समूहों में निर्धारित शेड्यूल के अनुसार कार्यों का संचालन कर रहे हैं। उनका जोश और सेवा भावना देखकर मरीजों से लेकर डॉक्टरों और स्वयंसेवकों तक हर कोई प्रभावित हो रहा है। स्काउट्स एंड गाइड्स का मूल उद्देश्य अनुशासन, सेवा और समाजहित है। रामदेवरा नेत्र कुम्भ में उनकी भूमिका इस उद्देश्य को प्रत्यक्ष रूप से समाज के सामने ला रही है। गैर-सरकारी संगङ्गन होते हुए भी इनका अनुशासित और संगठित रूप में सेवा करना समाज के लिए प्रेरणादायक है। इन कैडेट्स को देखकर अन्य युवाओं में भी सेवा की भावना, सामाजिक कार्य के प्रति निष्ठा और अनुशासन का संस्कार मजबूत होता है। सक्षम संगङ्गन के पदाधिकारियों ने भी इन स्काउट्स एंड गाइड्स कैडेट्स के कार्य की सराहना की और कहा कि ये युवा नेत्र कुम्भ की रीढ की हड्डी बनकर शिविर के संचालन को सुचारु और सफल बना रहे हैं। इनकी अनुशासित सेवाओं ओर काम के प्रति दृढ संकल्प ने इतने विशाल आयोजन को व्यवस्थित रूप से चलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। लोकदेवता बाबा रामदेव जी जयंती भाद्रपद महीने के बीज के दिन मनाई जाती है। आज के दिन देश और विदेश से लाखों भक्त बाबा रामदेवजी की समाधि पर पूजा-अर्चना करने और उनको याद करने के लिए इकट्ठा होते है और दर्शन लाभ लेते है। नेत्रकुम्भ परिवार भी लोकदेवता बाबा रामदेवजी की बीज पर बाबा के दर्शनार्थ आये सभी भक्तों को शुभकामनाएं देता है और बाबा के बताए समरसता, सर्वपंथ समभाव और मानव कल्याण के रास्ते पर चलने की मंगलकामनाएं करता है। नेत्रकुम्भ परिवार ने भी बाबा के अनन्य भक्तों की नि:शुल्क नेत्रजाँच ओर चश्में वितरण के माध्यम से सेवा करने का निश्चय किया है और नेत्रजाँच के माध्यम से सभी ने अंधता निवारण संकल्प लिया है।

बाबा के असंख्य श्रद्धालुओं को दर्शन के साथ नेत्र जांच व चश्में वितरण का लाभ मिले इसलिये नेत्रकुम्भ आयोजकों में मंदिर परिसर में केंद्र स्थापित किया है।

महाआरती में बाबा के जैकारे गूंजे, मसूरिया में श्रद्धालु उमड़े

जोधपुर, (कासं)। बाबा री बीजपर लोक देवता बाबा रामदेव का 641 अवतरण दिवस आज जोधपुर में भक्ति भाव से मनाया गया।

लोगों ने अपने अपने घरों में बाबा रामदेव जी की पूजा अर्चना कर व्रत रखा। मसूरिया स्थिति बाबा के मन्दिर पर मेले की शुरुआत सुबह 4:15 बजे 108 ज्योत की महाआरती के साथ हुई, जिसमें लाखों श्रद्धालु उमड़ पड़े हैं। दोपहर सवा ग्यारह बजे मन्दिर शिखर पर ध्वजारोहण किया गया।

राजकीय अवकाश होने से शहरी भक्त भी अपने परिवार के साथ बाबा के दर्शनार्थ पहुंचे। भक्तों की भारी भीड़ के चलते शहर की यातायात व्यवस्था भी प्रभावित होती देखी गई।

मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि 20 सालों के बाद इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचे हैं। इससे पूर्व, पिछली रात 12 बजे से 51 ब्राह्मणों ने मंत्रोच्चार के साथ दुग्धाभिषेक किया। बाबा रामदेव के दर्शन के लिए श्रद्धालु लंबी कतारों में अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर प्रशासन ने विशेष व्यवस्थाएं की, जिससे वे लगभग एक घंटे में बाबा के दर्शन कर पा रहे थे। आज लगभग 5 लाख श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचें। श्रद्धालुओं के लिए पीने के पानी और गर्मी से राहत के लिए टीन शेड में पंखों का पर्याप्त इंतजाम किया गया है।

मसूरिया धाम में आयोजित मेले में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। मेले में 500 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं और 56 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। महिला सुरक्षा के लिए विशेष कालिका टीम भी तैनात की गई है। श्री पीपा क्षत्रिय समस्त न्याति सभा ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्र चौहान के मार्गदर्शन में 300 से अधिक स्वयंसेवक व्यवस्था में जुटे हुए हैं।

14वीं सदी के महान समाज सुधारक बाबा रामदेव (1409-1442) को भगवान कृष्ण का अवतार माना जाता है। उन्होंने जाति-पांति का विरोध करते हुए छुआछूत और भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई थी। हिंदू उन्हें बाबा रामदेव जी कहते हैं, तो मुस्लिम रामसा पीर के नाम से पूजते हैं, जो धार्मिक एकता के प्रतीक हैं।

बाबा रामदेव का यह मेला केवल राजस्थान तक ही सीमित नहीं है, बल्कि गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली से भी लाखों श्रद्धालु आते हैं। भक्त सैकड़ों किलोमीटर पैदल चलकर सफेद और पचरंगी ध्वजाओं के साथ दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

जोधपुर में 25 अगस्त को स्थानीय अवकाश था। मसूरिया के बाद भक्त रामदेवरा जाते हैं, जहां मुख्य मेला 25 अगस्त से 3 सितंबर तक चलेगा एक अनुमान के मुताबिक, पिछले 15 दिनों में 30 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। आज जगह जगह भक्ति संध्या के आयोजन रखे गये।

जुगल जोड़ी बाबा रामदेव मंदिर में ध्वजारोहण

राइका बाग स्थित जुगल जोड़ी बाबा रामदेव मंदिर में सैनाचार्य स्वामी अचलानंद गिरि महाराज के सान्निध्य व पूर्व नरेश गजसिंह व हेमलता राजे के मुख्य आतिथ्य में ध्वजारोहण के साथ नौ दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान शुरू हुए। समारोह की अध्यक्षता समाजसेवी सुरेश बुगालिया ने की। जेडीए के पूर्व चेयरमैन प्रो. महेंद्रसिंह राठौड़, डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. बीएस जोधा, महापौर कुंती परिहार, डॉ. नारायण सिंह माणकलाव, राजेन्द्र सिंह सोलंकी, इकबाल खान अतिथि के रूप में मौजूद थे।

बाबा रामदेव की ध्वजा यात्रा निकाली

भोमियाजी ठाुप द्वारा बाबा रामदेव की ध्वजा एवं घोड़े की यात्रा धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। सेवादारी मनोज केसवानी ने बताया कि इस यात्रा से पहले अरिहंत आंचल से प्रतिवर्ष की भांति बाबा की ध्वजा एवं घोड़े की महाआरती की गई जिसमेंसभी सदस्यों ने बढ चढक़र भाग लिया।

सेवा शिविर व रामरसोड़े शुरू

बाबा की बीज पर जातरूओं की सेवार्थ शिविर व रामरसोड़े भी शुरू हुए। रेलवे स्टेशन के सामने सहकारी बाजार के बाहर रामदेवरा आने जाने वाले जातरूओं के लिए सूर्यनगरी सेवा समिति जोधपुर द्वारा आज महामंडलेश्वर डॉ. शिव स्वरूपानंद सरस्वती, समाजसेवी हरि गोपाल राठी एवं नंदकिशोर शाह के आतिथ्य में शिविर शुरू किया गया।

भादवा दूज पर बिठूजा धाम में उमड़ा लोगों की आस्था का सैलाब

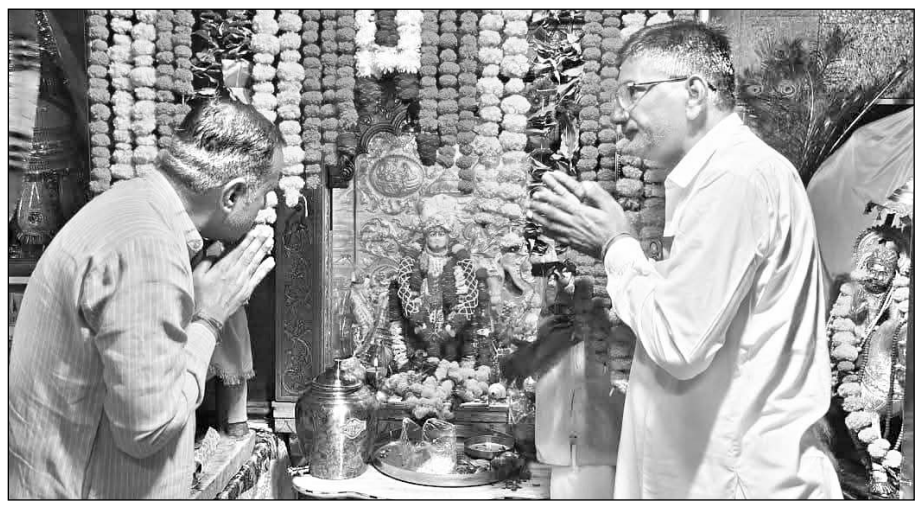

बालोतरा के पास बिठुजा गांव स्थित बाबा रामदेव विश्राम स्थली व मिनी रामदेवरा के नाम से विख्यात बाबा रामदेवजी मंदिर में श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की। फोटो-राष्ट्रदूत

बालोतरा, (नि.सं.)। बालोतरा के पास बिठुजा गांव स्थित बाबा रामदेव जी विश्राम स्थली व मिनी रामदेवरा के नाम से विख्यात बाबा रामदेवजी मंदिर पर भादवा की शुक्ल पक्ष की दूज पर मेले का आयोजन किया गया।मेले में लाखो श्रद्धालुओं ने बाबा रामदेव जी के दर्शन कर पूजा अर्चना की।

अल सबेरे से क्षेत्र के चारो ओर से जन जन की आस्था का केंद्र विश्व विख्यात जग प्रख्यातबाबा रामदेवजी मंदिर बिठूजाधाम तक प्रत्येक रास्ते मे हजारों की सँख्या में पैदल यात्री की भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने पैदल पंथी आया है बाबा ने बुलाया है....,एक दो तीन चार बाबा थारी जय जयकार...कुछ ऐसे ही गगनभेदी नारो से रास्ते से पैदल गुजरते हुए बिठुजा धाम पहुच रहे थे। बाबा रामदेवजी के अवतरण दिवस भादवा दूज पर मेले का आयोजन किया गया।लाखों की सँख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुचकर पूजा अर्चना की।बाबा बीज के उपलक्ष्य में बाबा रामदेवजी की विश्राम स्थली बिठुजाधाम में बाबा रामदेव के अवतरण दिवस पर आस्था से सरोबार नजर आया। क्षेत्र के साथ ही दूर-दराज इलाकों से लाखों श्रद्धालु जयघोष लगाते हुए नाचते-गाते बिठूजा धाम पहुंचे।इस दिन तिपहिया, चौपहियों के साथ बड़े वाहन भी भक्तों से खचाखच दिखे।अल सबेरे से हाथों में पंचरगी ध्वजा लिए डीजे की धून पर थिरकते पैदल जातरू भी जत्थों के रूप में बिठूजाधाम पहुंचे। सूरज की पहली किरण निकले से पूर्व से ही श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरु हो गया, जो अनवरत देर रात तक जारी रहा। सुबह तो मुख्य मंदिर से प्रवेश द्वार तक भक्तों की लंबी-लंबी कतार लगी। घंटों कतार में इंतजार करने के बाद आई बारी के बाद श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर खुशहाली की कामना की।श्रद्धालुओं ने बाबा रामसापीर के मुख्य मंदिर सहित बालकनाथ का धूणा, डाली बाई, सुगनाबाई, शिव, कृष्ण व विष्णु भगवान के मंदिर पर भी आकर्षक फूलों से सजावट की गई। मंदिर में अल सवेरे प्रात 4:30बजे बाबा रामदेवजी की आदमकद प्रतिमा को पंचामृत से स्नानादि करवाकर आकर्षक वस्त्रों आभूषण से सजाकर सुगन्धित फूल मालाओं से सजाया गया। अल सवेरे मंगला आरती मंदिर पुजारी फोजाराम, घेवाराम, गणपत, ट्रस्ट अध्यक्ष भैरुलाल डागा, ट्रस्ट उपाध्यक्ष मदरूपाराम चौधरी, राजू भाई डागा, मदन तातेड़, खेताराम प्रजापत सहित उपस्थित श्रद्धालुओं ने बाबा की आरती की।बाबा दूज को लेकर निज मंदिर व परिसर को फूल मालाओं व रंग बिरंगी रोशनी से सजाया गया।

भजनों पर झूम उठे श्रद्धालु

बाबा दूज के अवसर पर मंदिर परिसर के समीप बने विशाल पंडाल में दिनभर भजन कलाकारों द्वारा भजनों की प्रस्तुतियां दी गई।सुबह गणपति भगवान की वंदना से शुरू हुई भक्ति गुरु महिमा की प्रस्तुति के साथ बाबा रामदेव जी के भजनों की प्रस्तुतियां दी।भजन गायक नारायण माजीराणा सहित क्षेत्र के अनेको भजन गायकों ने भजनों की प्रस्तुतियां दी।भजन गायकों के भजनों की प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।बाबा दूज को लेकर मंदिर परिसर के समीप प्रसादी व बच्चों के खिलौने की दुकान व झूले लगाए गए जहां पर दिन भर महिलाओं व बच्चों की भीड़ रही। बालोतरा से लेकर बिठुजा मंदिर तक विभिन्न जगहों पर पैदल श्रद्धालु पैदल के लिए विभिन्न समाजसेवी, सगठनों व क्लबो द्वारा पैदल जातरुओं की सेवार्थ पेय पदार्थों, फल फ्रूट की सेवा दी गई।ट्रस्ट मंडल द्वारा पुलिस प्रशासन व सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

केबिनेट मंत्री व विधायक सहित जनप्रतिनिधियों ने की पूजा अर्चना:-

बाबा दूज के अवसर पर पूर्व रात्रि में राजस्थान सरकार के पशुपालन व डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत, पचपदरा विधायक डॉ अरुण चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष भरत मोदी ने बाबा रामदेव जी के दर्शन कर देश मे अम्न चैन व खुशहाली की कामना की।मंत्री ने कहा कि बाबा रामदेव जी के दर्शन कर मन को शान्ति मिलती है।उन्होंने ने मंदिर विकास के लिए हर सम्भव मदद का भरोसा दिलाया।

मंत्री व विधायक का ट्रस्ट मंडल द्वारा साफा व दुप्पटा पहनाकर स्वागत सत्कार किया गया। दूज के अवसर पर जिला एवं सेशन न्यायाधीश एम आर सुथार ने भी दर्शन कर पूजा अर्चना की। वही पचपदरा विधायक डॉ अरुण चौधरी के निर्देशन पर बालोतरा से बिठुजा धाम तक अल सवेरे पदयात्रियों के लिए जगह जगह अस्थाई लाइट की व्यवस्था भी की गई।

बाबा रामदेव मंदिर में बनी धर्मबारी से निकलने का लोगों में काफी उत्साह नजर आया। इसमें अधिकतर बच्चों व महिलाओं ने धर्मबारी से निकलने का प्रयास किया। मान्यता यह है कि धर्म कार्य करने वाला व्यक्ति इसमें आसानी से निकल जाता है। वहीं जीवन में किसी तरह का पाप करने वाला इसमें फंस जाता है।

सुरक्षा की रही माकूल व्यवस्था

मेले को लेकर पुलिस प्रशासन सहित ट्रस्ट अध्यक्ष भैरुलाल डागा, उपाध्यक्ष मदरूपाराम चौधरी, राजू डागा, दुदाराम माली, सरपंच किशनाराम देवासी, हड़मान प्रजापत, करनाराम सुथार, राणाराम मेघवाल, मंगल सिंह, राणाराम मेघवाल, किशनलाल के साथ बाबा रामदेव सेवा दल बिठुजा के राजेन्द्र कुमार, डायाराम चौधरी, रामाराम पालीवाल, गणपत सुथार, पप्पू राम प्रजापत, पुखराज माली, गौतम प्रजापत, हड़मान माली, राजू प्रजापत, मदन प्रजापत, दिनेश पालीवाल, जसराज मेघवाल, अमराराम प्रजापत, मुकेश माली, भंवरलाल सहित अनेको कार्यकर्ता व्यवस्थाओं में जुटे हुए थे।

'गुस्से को अंदर भर कर नहीं रखना चाहिए'

जोधपुर, (कासं)। चौरड़िया भवन में विराजित सुमति मुनि ने अपने प्रवचन में कहा कि गुस्सा जीव का सबसे बड़ा दुश्मन है। गुस्से को अपने अंदर भर कर नहीं रखना चाहिए। कोई आपकी मानता नही है तो उसमें उलझो मत।

मुनि श्री कहा कि संसारिक वस्तु को कभी भी अपनी नहीं माननी चाहिए।उस वस्तु पर ममता, राग एवं अभिमान नहीं करें।

इस इससे पूर्व साध्वी श्री ने अपने प्रवचन में कहा कि हम गुस्सा करते है तब हमारी साधना, तपस्या आदि के पुण्य खो देते हैं। एक बार गुस्सा करने से भूत, भविष्य व वर्तमान खराब हो जाता है। श्री जयमल जैन श्रावक संघ, जोधपुर अध्यक्ष देवराज बोहरा ने बताया कि आज भी बड़ी संख्या मैं श्रावक - श्राविकाओं ने प्रवचन का लाभ लिया।न्यायमूर्ति मनोज गर्ग परिवार सहित मुनि जनों के दर्शन करने चौरड़िया भवन पहुंचे। उन्होंने प्रवचन का भी लाभ लिया। आज भी पंडाल खचाखच भरा हुआ था। मधु बोहरा ने बारह की तपस्या ग्रहण की। संचालन राजेंद्र लूणिया ने किया।

जप दिवस का आयोजन

पाली, (नि.सं.)। पर्युषण पर्व के पावन अवसर पर आचार्य महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी काव्यलता जी के सानिध्य में जप दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलमय नवकार मंत्र के उच्चारण से हुआ। तेरापंथ कन्या मंडल ने सामूहिक मंगलाचरण प्रस्तुत किया।

गणेश महोत्सव की तैयारियां शुरू

जालोर, (कासं)। आगामी गणेश चतुर्थी महोत्सव को लेकर विनायक मित्र मंडल शांति नगर बी ब्लॉक एवं इंद्रानगर कॉलोनी, राव समाज मंदिर के पास जालोर में मीटिंग का आयोजन किया गया।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विनायक मित्र मंडल के पदाधिकारियों व कॉलोनी वासियों ने 5 दिवसीय 8वाँ भव्य गणपति महोत्सव का आयोजन करवा रहे है जो 27 अगस्त से 31 अगस्त रविवार तक रहेगा। प्रत्येक दिवसआरती का समय सांय 8 बजे रहेगा। मीटिंग में विनायक मित्र मंडल के समस्त पदाधिकारी मौजूद रहे।

मदन राठौड़ का स्वागत किया

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ एकदिवसीय प्रवास पर पाली पहुंचे। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली, (नि.सं.)। रविवार को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ एकदिवसीय प्रवास पर पाली पहुंचे, जहां भाजपा जिला नवनियुक्त कार्यकारिणी द्वारा जिलाध्यक्ष सुनील भण्डारी के नेतृत्व में उनका भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ को 51 किलो की माला पहनाकर, साफा बांधकर, फूलों का गुलदस्ता भेंट कर तथा स्मृतिचिन्ह स्वरूप अभिनंदन उपहार प्रदान कर अभिनंदन किया गया।

भाजपा जिला मीडिया संयोजक प्रवीण गोलेच्छा ने बताया कि प्रदेशाध्यक्ष ने जिले की कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का सम्मान करते हुए आगामी निकाय चुनावों में पार्टी को मजबूत बनाने के लिए पूरे जिले की टीम को एकजुट होकर कार्य करने का आ ान किया।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाना ही संगठन का प्रमुख उद्देश्य है, ताकि हर वर्ग तक उसका लाभ पहुंच सके।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सुनील भण्डारी ने प्रदेशाध्यक्ष को अवगत कराया कि जिला कार्यकारिणी का गठन सभी क्षेत्रों और वर्गों को साथ लेकर किया गया है, जिससे संगठन और अधिक सशक्त हो सके।

स्वागत समारोह में जिला महामंत्री भारत त्रिवेदी, नारायण कुमावत, दिग्विजय सिंह राठौड़, उपाध्यक्ष भंवर सेणचा, मंत्री मनोहर कंवर, शक्ति सिंह, कोषाध्यक्ष रामकिशोर साबू, सहित पंकज चौधरी, राजेंद्र किसान, राहुल गुप्ता, मुकेश नबरिया, राहुल मेवाड़ा तथा जिले व शहर मण्डलों के सभी पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जालोर में मूसलाधार बारिश से नदी-नाले उफान पर, चांदना गांव टापू बना

जवाई बांध में 47.60 फीट पानी की आवक हुई, पानी तेज गति बहने से चांदना गांव पानी से घिरा

जालोर, (कासं)। जालोर जिले में मानसून की सक्रियता के चलते रविवार रात्रि को मूसलाधार बारिश के चलते नदी नाले उफान पर नजर आये। वहीं कई जगह नदियों व नालों में पानी की आवक तेज होने से रास्ते भी अवरुद्ध हो गये। जालोर शहर के कई कॉलोनियों में पानी भर जाने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। जवाई बांध में 47.60 फीट पानी की आवक हुई। शाम करीब आठ बजे जवाई नदी जालोर के सांकरना पुलिया से नीचे गुजर रही नदी को देखने लोगों की भीड़ नजर आई। वहीं सुमेरपुर में जवाई नदी के तेज बहाव मे एक जीप बह गई। रपट पर मौजूद लोगों व पुलिस कर्मियों ने काफी मशक्कत से जीप में सवार लोगों को बचाया।

■ **सुमेरपुर में जवाई नदी के तेज बहाव मे एक जीप बह गई। रपट पर मौजूद लोगों व पुलिस कर्मियों ने काफी मशक्कत से जीप में सवार लोगों को बचाया**

जालोर में रविवार रात्रि बारिश का दौर शुरु हुआ जो सोमवार अल सुबह करीब छह बजे तक मूसलाधार बारिश होने से चारो ओर पानी ही पानी नजर आने लगा है। जालोर के निकट चांदना गांव में पानी तेज गति से बहने से गांव टापू बन गया। वही जिले में लगातार हो रही बारिश के चलते चांदना गांव चारों ओर से पानी से घिर गया है। गांव का जिला मुख्यालय से संपर्क पूरी तरह टूट गया है। इसके अलावा पचानवा जवाई नदी मे पानी की आवक तेज गति होने से मार्ग अवरुद्ध हो गये। वहीं जालोर के निकट आकोली नदी, खारी, सुकडी नदी सहित कई नदी नालों में तेज बारिश के चलते पानी वेग के साथ बहने से नदी के किनारे दोनों तरफ वाहनों की कतारें लग गई। भेटाला, नबी, सहित कई गांवों के नालों में भी पानी की आवक देखी गई। वहीं वणधर, बांडी सिणधरा सहित जिले के समस्त बांधों में भी लगातार बारिश के चलते जगह-जगह पानी भर जाने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जालोर की जीवनरेखा कही जाने वाली जवाई नदी में पानी की आवक नजर आई। जालोर शहर के सुन्देलाव तालाब के पीछे स्थित कॉलोनियों जलमग्न हो गई।

जालोर में लगातार मूसलाधार बारिश के चलते नगरपरिषद व पीडब्ल्यूडी के ठेकेदारों की पोल खोल कर रख दी है। तेज बारिश के चलते तिलकद्वार, सूरजपोल, लाल पोल से पानी पूरे वेग के साथ बहता नजर आया। तेज बारिश के चलते खेत खलिहानों में पानी भर जाने से चहूँओर पानी ही पानी नजर आने लगा है।

बारिश से पहाड़ दरका

मानपुरा माचेड़ी, (निसं)। दो दिन में हुई झमाझम बरसात से कई जगह जलभराव की स्थिति हो गई तो खेतों में बाजरे की फसल पसर गई। वहीं दिल्ली-अजमेर एक्सप्रेस हाइवे पर सेवड़ माता मंदिर के पास का पहाड़ दरक गया, जिससे पत्थर सड़क पर आकर जमा हो गए व यातायात बाधित हो गया। गनीमत रही कि पत्थरों की चपेट में कोई वाहन नहीं आया।

जानकारी के अनुसार रविवार रात्रि को क्षेत्र में हुई भारी बारिश से गत देर रात्रि को दिल्ली-अजमेर एक्सप्रेस हाइवे पर सेवड़ माता मंदिर के पास का पहाड़ दरक गया और पहाड़ से पत्थर लुढ़क कर हाइवे की सर्विसलेन पर आ गिरे। गनीमत रही कि पत्थरों की चपेट में कोई वाहन नहीं आया। सुबह मौके पर हाइवे पेट्रोलिंग व एनएचएआई के कर्मचारी पहुंचे और पत्थरों को सड़क से हटवाया। वहीं भारी पत्थरों को क्रेन के द्वारा सड़क से हटवाया गया। क्षेत्र के मानपुरा माचेड़ी, चंदवाजी, रुण्डल, बिलौची सहित कस्बा गांवों के कई खेतों में बरसात से बाजरे की फसल को नुकसान हुआ है। खड़ी फसल खेतों में पसर गई है।

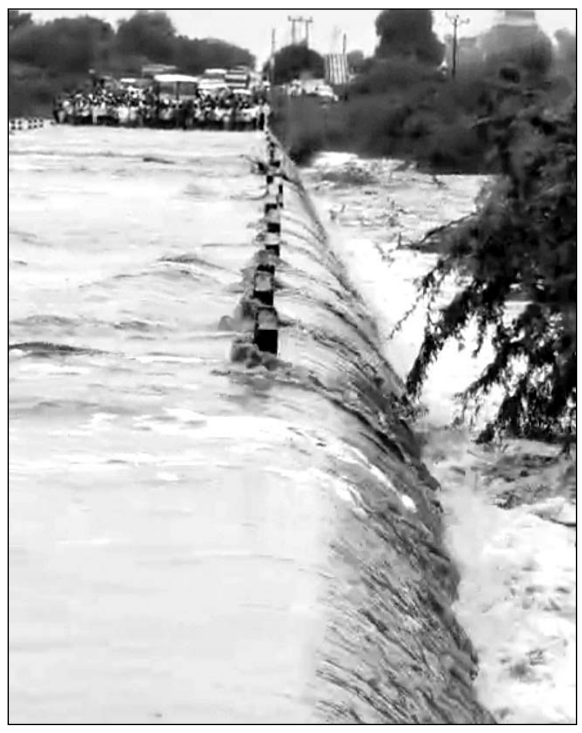

जालोर के निकट आकोली नदी में पानी आने से नदी के दोनों तरफ वाहनों की कतारें लग गई।

तीन भाइयों पर दोस्तों ने चाकू से हमला किया

बीकानेर, (निसं)। यहां रानी बाजार इंडस्ट्रियल एरिया में तीन भाइयों पर दो लोगों ने चाकू से हमला कर दिया। तीनों चचेरे और ममेरे भाई हैं। हमला करने वाले पुराने दोस्त थे, लेकिन बातचीत बंद होने के कारण नाराज थे और अचानक रास्ते में रोककर हमला कर दिया। एक घायल का रात में ही इमरजेंसी में ऑपरेशन करना पड़ा, जबकि दो अन्य का भी ट्रोमा सेंटर में इलाज चल रहा है।

घायल युवक नीरज के पिता महिपाल ने बताया कि शिवा और उसके साथ एक युवक ने उनके बेटे नीरज, भतीजे मनमोहन और साले के बेटे अशोक को रास्ते में रोक लिया। आपस में बोलचाल हुई और बाद में हमला कर दिया। इस दौरान तीनों भाइयों के चाकू से चोट लगी। मनमोहन के छाती पर चाकू से वार किया गया, जिससे चाकू के आगे के नुकीले हिस्से से छाती की चमड़ी कट गई। वहीं जाते-जाते नीरज पर भी चाकू से वार किया। नीरज के फेफड़े के पास ही चाकू लगा है, जिससे उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। महिपाल ने बताया कि रात में ही ट्रोमा सेंटर में ऑपरेशन किया गया। अशोक के भी चोट लगी है। महिपाल ने बताया कि हमला करने वाले शिवा से पुरानी पहचान थी। उसकी संगत को सही नहीं मानते हुए मनमोहन और नीरज को उनके साथ रहने से मना किया था। इसी कारण नाराज होकर शिवा और उसके एक अन्य साथी ने ये हमला कर दिया। फिलहाल, कोटगेट पुलिस ने मौका मुआयना करने के साथ ही एफआईआर दर्ज कर ली है। अब शिवा की तलाश की जा रही है।

■ **तीनों चचेरे और ममेरे भाई हैं, हमला करने वाले पुराने दोस्त थे**

बजरी माफ़िया ने आतंक मचाया

भीलवाड़ा, (निसं)। मांडलगढ़ विधानसभा क्षेत्र के बड़लियास थाना इलाके में बजरी माफ़िया का आतंक देखने को मिला है। अवैध बजरी ले जा रहे करीब आधा दर्जन ट्रैक्टर ने सुठेपा गांव मे बिजली के खंभे तोड़ डाले और गांव के बस्ती के घरों की दीवारों और दरवाजों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। पूर्व सरपंच रमेश चन्द्र शर्मा मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया, हादसे के बाद बजरी भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली मौक़े पर ही फँस गए और ट्रैक्टर छोड़ चालक मौके से भाग छूटे। सूचना पर थाना प्रभारी सिद्धार्थ प्रजापत मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने बजरी माफिया ओर पुलिस के ख़िलाफ़ आक्रोश जताया और बजरी माफिया के ख़िलाफ़ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

कार पलटने से बुजुर्ग महिला की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र में सागवाडा रोड पर सरकण के पास एक कार बेकाबू होकर पलट गई। हादसे में एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई, जबकि पति-पत्नी समेत तीन लोग घायल हो गए। तीनों घायलों को एंबुलेंस की मदद से डूंगरपुर अस्पताल में भर्ती करवाया है। मंडावरा अरनोद जिला प्रतापगढ़ निवासी रघुराज सिंह पत्नी नंद कुंवर, सास कैलाश कुंवर निवासी मऊ खेरी मंदसौर एमपी और साला दिग्विजय सिंह चारों कार से गुजरात के अहमदाबाद में इलाज के लिए जा रहे थे। सरकण के पास आते ही कार अनियंत्रित हो गई। हादसा में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में कार सवार चारों घायल हो गए। 108 एम्बुलेंस से चारों को डूंगरपुर अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टर ने जांच के बाद सास कैलाश कुंवर को मृत घोषित कर दिया, जबकि तीनों को इमरजेंसी में भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया है।

कार्यालय नगर परिषद निम्बाहेड़ा जिला - चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांक :- नपनि/मेला/2025-26/01 दिनांक :- 21/08/2025

प्रस्ताव आमंत्रण सूचना

नगरपरिषद निम्बाहेड़ा, जिला चित्तौड़गढ़ द्वारा प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी राष्ट्रीय दषहरा मेला 2025 दिनांक 22/09/2025 से दिनांक 02/10/2025 तक आयोजित किया जाएगा। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम को आकर्षक बनाने हेतु राष्ट्रीय दषहरा मेला 2025 में आयोजित किए जाने वाले निम्न कार्यक्रमों हेतु सुयोग्य फर्मो/इवेंट कम्पनी/लोक कला मण्डलों इत्यादि प्रस्ताव आमंत्रित किए जाते है :-

1. अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन 2. भारत वर्ष में ख्यातनाम बॉलीवुड गायक मय दल कार्यक्रम 3. लाफ्टर कार्यक्रम 4. रामलीला कार्यक्रम 5. आर्केस्ट्रा कार्यक्रम 6. मेले योग्य अन्य कोई विशेष कार्यक्रम

उक्तानुसार प्रस्ताव नगर परिषद् निम्बाहेड़ा जिला चित्तौड़गढ़ (राज.) कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से दिनांक 01/09/2025 से दिनांक 08/09/2025 तक प्राप्त किए जाएंगे तथा प्राप्त प्रस्तावों पर छंटनी उपरान्त योग्य प्रस्तावों पर दिनांक 12/09/2025 को विचार किया जायेगा। अतः प्रस्तावक अपने प्रस्तावों के साथ अनुभव प्रमाण पत्र एवं पूर्व में धार्मिक स्थलों/मेला/उत्सव इत्यादि में प्रस्तुत किए रंगारंग कार्यक्रमों की विडियो/डी.वी.डी./फोटो एलबम/प्रमाण-पत्र आदि सहित निर्धारित स्थल एवं समय पर व्यक्तिगत रूप उपस्थित होवें। उक्त विज्ञप्ति एवं शर्ते पोर्टल वेबसाईट www.sppp.rajasthan.nic.in पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/8695 प्रशासक आयुक्त

बरसात से गोगुंदा में केलूपोश मकान गिरा, परिवार को बचाया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले में बारिश से सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मौसम विभाग ने जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया था, जिसके चलते जिला कलेक्टर ने सोमवार को स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी थी। बीती रात और सोमवार सुबह उदयपुर जिले के कई भागों में मध्यम से तेज बारिश होने से कई जगह नदी-नालों में बहाव तेज हो गया है। पीछोला झील के कैचमेंट में स्थित 60 फीट पूर्ण भराव स्तर वाला आकोदडा बांध ओवरफ्लो हो गया। इससे अब मानसी वाकल बांध का जलस्तर तेजी से बढ़ेगा। गोगुंदा उपखंड क्षेत्र में बारिश का दौर जारी है। यहां वीरपुरा के आदूजी का वास गांव में भरभराकर केलूपोश मकान गिर गया। मकान गिरने के समय रतन सिंह उनकी पत्नी व तीनों बच्चे मकान के अंदर थे। शोर मचने पर ग्रामीणों ने उनकी पत्नी व बच्चों को बाहर निकाला। गनीमत रही किसी को ज्यादा चोट नहीं आई। मकान में रखा घरेलू सामान, कपड़े, बिस्तर व अनाज मलबे में ढेर हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर सरपंच कालू लाल गमेती, उप सरपंच निर्भयसिंह मौके पर पहुंचे। सरपंच ने पटवारी व सचिव को घटना की सूचना देकर उचित मुआवजा देने की मांग की।

■ **उदयपुर जिले बारिश से जन-जीवन अस्त-व्यस्त, कई जगह मार्ग बाधित**

वहीं जल संसाधन विभाग ने उदयपुर आकोदडा बांध के भी गेट खोल दिए हैं। उसके गेट 25 सेंटीमेंटर खोले हैं। वहां से पानी सीधे कोडियात, सीसारमा होकर उदयपुर आ रहा है। मदार के दोनों तालाबों पर चादर चलने से मदार नहर से आ रहे पानी से 13 फीट पूर्ण भराव स्तर वाला फतहसागर अब महज करीब 10 इंच और खाली है। आवक को देखते हुए जल्द ही फतहसागर का झरना देखने को मिल सकता है। सीसारमा से आवक बढ़ने पर स्वरूपसागर के चारों गेट खोलने के बावजूद इस पर चादर चलने का क्रम जारी है। उदयपुर में थूर की पाल पर चादर चल रही है और पिछोला झील में पानी की आवक बढ़ने के कारण स्वरूपसागर झील के चारों गेट रविवार को खोले गए हैं, ताकि पानी उदयसागर झील में जा सके। उदयसागर के डूब क्षेत्र में पानी बढ़े उससे पहले ही रात को दो गेट खोल रखे हैं। करीब 3.3 फीट के गेट वहां खोल रखे हैं।

झाडोल क्षेत्र में कैचमेंट एरिया में अच्छी बारिश होने से वहां कई नदियां उफान पर हैं। उदयपुर जिले के खेरवाड़ा-झाडोल मार्ग पर सोम नदी उफान पर है और नदी का पानी हाईवे पर बह रहा है। खेरवाडा तहसील के हिंका ग्राम पंचायत का अकोट गांव में बारिश से तीन घर और दुकानें डूब गई। मेवाड़ भील कोर परेड ग्राउंड के सामने पुलिया पर पानी के तेज बहाव के कारण पुलिया बह गई है। जवास-झुंथरी गांव जाने वाला मार्ग भी पूरी तरह से बाधित हो गया है। जिले के ओगणा बांध में अच्छी मात्रा में पानी की आवक हुई है जिससे 42 फीट क्षमता वाले बांध का जलस्तर 35 फीट तक पहुंच गया है। ओगणा का मोहम्मद फलासिया बांध और नागमाला तालाब छलक गए हैं और मोहम्मद फलासिया नाला उफान पर चल रहा है। फलासिया सीएचसी में डॉक्टर के क्वार्टर की बालकनी पर पीछे की दीवार गिर गई हालांकि कोई जनहानि नहीं हुई है। गोरण में एक केलूपोश घर क्षतिग्रस्त हो गया लेकिन बारिश के कारण घर मालिक अपने भाई के घर में सो रहा था जिससे वह बाल-बाल बच गया। मोखी के समीप एक पुलिया भी क्षतिग्रस्त हो गई है। ओगणा की वाकल, झाड़ोल की मानसी और उंडासिया नदी उफान पर चल रही हैं। झाडोल-ओगणा मार्ग पर बदराना नदी में उफान के कारण मार्ग बाधित हो गया है। जलसंसाधन विभाग के अनुसार शाम 5 बजे समाप्त 12 घंटों में उदयपुर शहर में 16 मिलीमीटर बारिश हुई। स्वरुपसागर में 11, देवास में 21, नाई में 14, गोगुन्दा में 7,मदार में 5 तथा बागोलिया में 2 मिलीमीटर बारिश हुई।

15 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिला पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 15 हजार के इनामी बदमाश अंशुल नंदीवाल को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर नेतेवाला बायपास पर टेंट की दुकान में फायरिंग कर एक व्यक्ति की हत्या करने और चूनावढ़ क्षेत्र में गाड़ी में तोड़फोड़ कर फायरिंग करने का आरोप है। पुलिस ने बताया कि आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और उस पर पहले से पांच केस दर्ज हैं।

पुलिस के अनुसार 16 जनवरी 2024 को नवदीप सिंह निवासी अक्कावाली ने चूनावढ़ थाने में रिपोर्ट दी थी कि वह और बलकरण सिंह शाम को श्रीगंगानगर से घर लौट रहे थे। रास्ते में एक कार रोड पर खड़ी कर रास्ता रोका गया। कार के आगे लखवीर सिंह और उसके 6 साथी खड़े थे। उन्होंने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। जान बचाने के लिए नवदीप और बलकरण गाड़ी में छिप गए, लेकिन हमलावरों ने आगे और पीछे से तलवार और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। इसी दौरान पीछे से एक वाहन की लाइट पड़ने पर आरोपी फरार हो गए। इस मामले में चूनावढ़ थाने में केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। इस हमले में अंशुल नंदीवाल मुख्य आरोपी के रूप में सामने आया, जो वारदात के बाद से फरार था। अंशुल नंदीवाल पर एक अन्य मामले में भी गंभीर आरोप हैं। उसने अपने साथियों के साथ नेतेवाला बायपास पर स्थित एक टेंट की दुकान में फायरिंग कर एक व्यक्ति की हत्या कर दी थी। इस मामले में सदर थाना श्रीगंगानगर में मुकदमा दर्ज है। इन दोनों मामलों में फरार चल रहे अंशुल नंदीवाल की गिरफ्तारी पर पुलिस ने 15 हजार रुपए का इनाम घोषित किया हुआ था। आरोपी को चूनावढ़ थाने की पुलिस टीम ने थानाधिकारी मलकीयत सिंह के निर्देशन में हेड कॉन्स्टेबल कंवरपाल सिंह और अन्य पुलिसकर्मियों की मदद से पकड़ा। आरोपी से पूछताछ जारी है।

■ **फायरिंग मामलों में वांछित था, हत्या समेत छह संगीन केसों में नामजद है आरोपी**

कार्यालय नगर परिषद निम्बाहेड़ा जिला - चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांक :- नपनि/स्टोर/मेला/25-26/13 - 14 दिनांक :- 21/08/2025

निविदा सूचना

नगरपरिषद निम्बाहेड़ा द्वारा निम्नलिखित कार्यो के लिए अनुभवी फर्मो/ठेकेदारो से निर्धारित प्रपत्र में ऑफ लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण sppp.rajasthan.gov.in के NIB Code DLB2526A4959 पर भी देख सकते है :-

कार्य निविदा के कार्य	कुल 13 कार्य
निविदा की अनुमानित लागत	राशि 40.50 लाख रूपये
ऑनलाईन निविदा फार्म मिलने की दिनांक	22.08.2025 से 29.08.2025 प्रातः 10 बजे तक
ऑफलाईन निविदा फार्म जमा कराने की अन्तिम दिनांक	29.08.2025 समय प्रातः 11.00 बजे तक
ऑन लाईन राशि जमा करवाने की अन्तिम दिनांक	29.08.2025 समय प्रातः 10.00 बजे तक
बिड खोलने की दिनांक	29.08.2025 समय दोपहर 4.00 बजे
UBN	DLB2526SS0B15395, 15396, 15397, 15398, 15400, 15401, 15402, 15403, 15404, 15405, 15406, 15407, 15408

प्रशासक आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/8698 नगर परिषद निम्बाहेड़ा नगर परिषद निम्बाहेड़ा

कार्यालय, अधीक्षक, सामूहिक चिकित्सालय संघ, अजमेर

क्रमांक-1241/लेखा-8/जलानेचि/2025 दिनांक-21/8/2025

ई-टेण्डर (UBN No.MCA2526SLOBQ0094)

इस चिकित्सालय हेतु मेडिकेटिड गैस आपूर्ति एवं सिलेण्डर से संबंधित रिपेयरिंग कार्य हेतु ई-निविदा के माध्यम से ई-प्रक्योरमेन्ट प्रक्रिया के तहत ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से संबंधित विवरण इन्टरनेट साइट www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

01	निविदा कार्य का विवरण	मेडिकेटिड गैस आपूर्ति एवं सिलेण्डर से संबंधित रिपेयरिंग कार्य हेतु एक वर्ष हेतु (2025-27)
02	निविदा मूल्य	200.00 लाख
03	निविदा संख्या एवं प्रकाशन की तिथी	1241 12-8-25
04	प्री-बिड दिनांक / समय	दि0 18-8-25 प्रातः 10.30 बजे अधीक्षक कक्ष
05	निविदा डाउनलोड की दिनांक/समय	दि0 12-8-25 प्रातः 10.00 बजे
06	निविदा अपलोड की दिनांक/समय	दि0 19-8-25 प्रातः 10.00 बजे से दि0 8-9-25 को दोपहर 03.00 बजे तक
07	भौतिक रूप से निविदा शुल्क, बिड सिक्यूरिटी राशि, निविदा प्रोसेसिंग शुल्क जमा कराने का समय	दि0 8-9-25 को दोपहर 03.00 बजे तक
08	तकनीकी बिड खोलने की दिनांक/समय	दि0 9-9-25 को दोपहर 03.00 बजे

निविदाएं खोलने की तिथि को सार्वजनिक अवकाश होने पर निविदाएं अगले कार्य दिवस पर खोली जावेंगी। अपूर्ण रूप से भरी हुई निविदाएं एवं सशर्त निविदाएं स्वीकार्य नहीं होंगी।

अधीक्षक
सामूहिक चिकित्सालय संघ
अजमेर

DIPR/C/11757/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता
सा. नि. वि. खण्ड नाथद्वारा जिला राजसमन्द राजस्थान

क्रमांक : 25 दिनांक : 13.08.2025

निविदा सूचना संख्या 08/2025-26

NIB: PWD202526A2699

पुलिया मरम्मत व कंस्ट्रक्शन कार्य हेतु ईच्छुक संवेदको से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा के सम्बन्ध में अन्य विवरण उपापन वेबसाईट (http://www.eproc.rajasthan.gov.in और http://www.sppp.rajasthan.gov.in) पर देखा जा सकता है। उपापन की कुल अनुमानित राशि 332.86 लाख रुपया है।

UBN No.- 1. PWD2526WSOB09990, 2. PWD2526WSOB09991, 3. PWD2526WSOB09992 4. PWD2526WSOB09993, 5. PWD2526WSOB09994

(भानु प्रकाश माथुर)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड नाथद्वारा

DIPR/C/12098/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड टोडाभीम

क्रमांकः 1566-1574 दिनांकः 14/08/2025

ई-निविदा सूचना संख्याः 05/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला करौली (खण्ड टोडाभीम) में सड़क मरम्मत कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।

UBN No. 1. PWD2526WSRC09725, 2. PWD2526WSRC09726

(के. के. मीना)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड टोडाभीम

DIPR/C/11969/2025

EXECUTIVE ENGINEER PWD DN-DAUSA

File No. 3032-37 Date 12/08/25

Notice Inviting Bid No-14/2025-26

Bids for Remaining/Construction of Building work under PWD Division Dausa District Dausa of Nit No. 14 Year 2025-26 of Procurement are invited from interested bidders upto 11.00 AM (time) 29-08-2025 (date). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://www.eproc.rajasthan.gov.in, "http://sppp.rajasthan.gov.in) of the state; and "http://www.pwd.rajasthan.gov.in" departmental website. The approximate value of the procurement is Rs 268.15 Lacs

1. UBN No. PWD2526WSOB 9808
2. UBN No. PWD2526WSOBO9810
3. UBN No. PWD2526WSOB 09812
4. UBN No. PWD2526WSOBO9815
5. UBN No. PWD2526WSOB 09816
6. UBN No. PWD2526WSOB09817

(Phool Singh Meena)
Executive Engineer
PWD Division-Dausa

DIPR/C/12078/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, रेगुलेशन खण्ड-तृतीय, बज्जू (बीकानेर)

क्रमांकः- 733-36 दिनांकः- 19/08/2025

निविदा सूचना संख्या : EE/01 OF YEAR 2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस कार्यालय की निविदा सूचना संख्याः EE/01OF YEAR 2025-2026 में 13.10-लाख से 143.82 लाख के विभिन्न कार्यों की निविदा आमंत्रित की जाती है। राज्य सरकार द्वारा जल संसाधन विभाग एवं निर्माण विभाग के प्रथम श्रेणी में नियमानुसार (समय समय पर संशोधित) प्रभावी आदेशों के तहत पंजीकृत ठेकेदारों एवं रेगुलेशन इकाई में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निर्धारित प्रपत्र में ई- प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण वेब साईड http://www.sppp.rajasthan.gov.in, http://watereresources.rajasthan.gov.in http:/eproc.rajasthan.gov.in तथा http://dipr.rajasthan.gov.in देखे जा सकते है इच्छुक संवेदकों को अपने डिजीटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईड http:/eproc.rajasthan.gov. in पर रजिस्टर्ड होना आवश्यक है एंव निविदा प्रपत्र निर्धारित अवधि में डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते है। सभी विवरण इस कार्यालय में भी देखे जा सकते है। (NIB01/2025-26 / IGB2526A0049 & IGB2526WSOB00169 to 76 uploading date 20.08.2025)

अधिशाषी अभियन्ता,
रेगुलेशन खण्ड तृतीय, इंगानप बज्जू

DIPR/C/12146/2025

सड़क पर गोवंश मांस मिलने की आशंका पर हंगामा

उदयपुर,(कासं)। उदयपुर के गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र में रविवार देर रात सड़क पर गोवंश के मांस के अवशेष मिलने से तनाव फैल गया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि किसी ने जानबूझकर गोवंश का वध करके उसके टुकड़े सड़क पर फेंके है। हालांकि पुलिस का कहना है कि यह मांस गोवंश का नहीं है बल्कि नगर निगम की कचरा गाड़ी से गिरा है जो मांसाहारी दुकानों का कचरा लेकर बलीचा डंपिंग यार्ड जा रही थी।

जानकारी के अनुसार रविवार रात करीब 11.30 बजे पालीवाल भवन के सामने मुख्य मार्ग पर मांस से भरा कट्टा सड़क पर गिरा हुआ पाया गया, जिसके बाद हिंदू संगठनों और स्थानीय लोगों ने इसे गोवंश का मांस बताकर विरोध प्रदर्शन किया। लगभग डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद, पूर्व भाजयुमो अध्यक्ष सन्नी पोखरना की शिकायत पर मामला दर्ज होने के बाद स्थिति शांत हुई। पुलिस ने लोगों को आश्वासन दिया कि सीसीटीवी फुटेज की जांच करके आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। गोवर्धन विलास थानाधिकारी दिलीप सिंह झाला के अनुसार सड़क पर बिखरे मांस के अवशेषों की जांच पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक सुरेश जैन और नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी सत्यनारायण शर्मा द्वारा की गई, जिसमें प्राथमिक जांच में यह गोवंश का मांस नहीं पाया गया। पुलिस ने विस्तृत जांच के लिए सैंपल एफएसएल भेजे हैं।

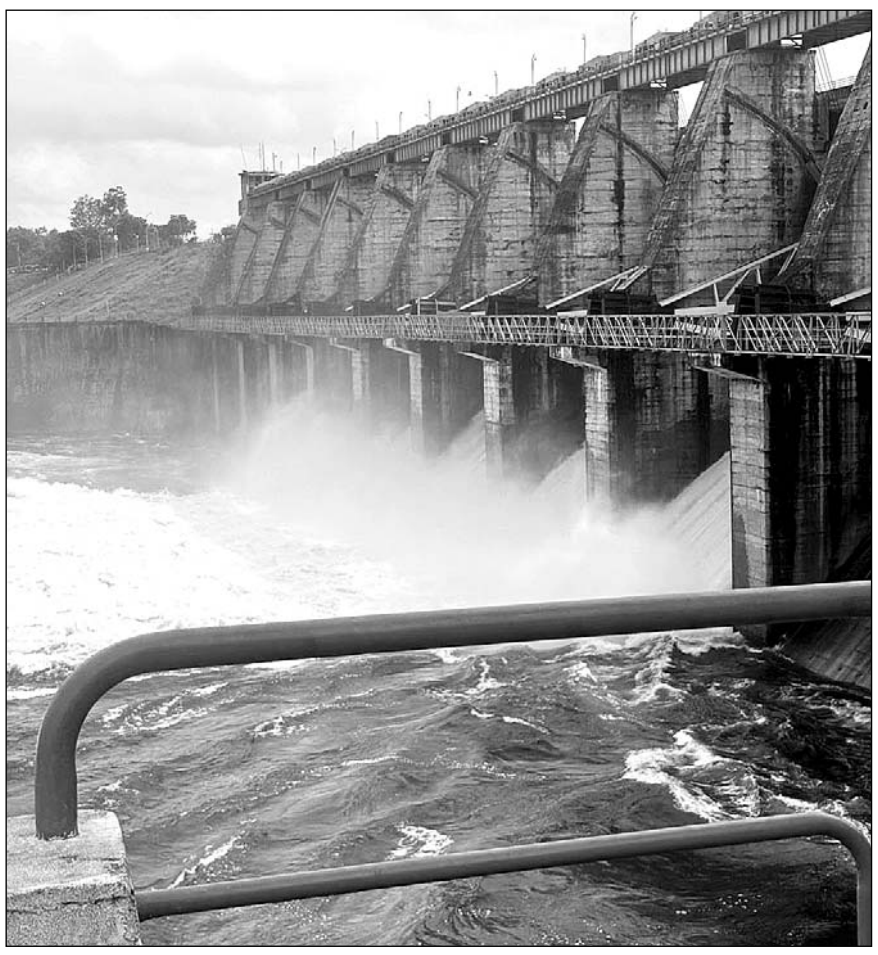

डूंगरपुर जिलेभर में दो दिन से लगातार तेज व मध्यम गति की बारिश का दौर चल रहा है, जिसके कारण कई तालाब व बांध भराव क्षमता को पार कर चुके हैं। वहीं जिले के सबसे बड़े बांध सोम कमला आम्बा के सात गेट एक-एक मीटर खोले गये हैं तथा आसपास के काश्तकारों को सावधान कर दिया गया है।

पेयजल की किल्लत, ग्रामीण पानी की टंकी पर चढ़े

टोंक, (निसं)। उनियारा उपखंड के ककोड़ कस्बे में ग्रामीणों ने पेयजल से परेशान होकर पानी की टंकी पर चढ़कर प्रदर्शन किया।

जानकारी के अनुसार ककोड़ गांव में पानी की समस्या को लेकर सोमवार को ग्रामीण टंकी के पास पहुंचे और प्रदर्शन किया। इस दौरान कुछ महिलाएं और युवक पानी की टंकी पर चढ़ गए, जहां बाद में प्रशासक (सरपंच) ने उनकी समस्या सुनी तथा उन्होंने बीसलपुर पेयजल परियोजना के अधिकारियों समेत अन्य अधिकारियों से बातचीत कर जल्द समाधान करने की मांग की। बाद में परियोजना से जुड़े कर्मचारी मौके पर पहुंचे और पेयजल की लाइन के वाल्व को ज्यादा खोलकर राजपूत मोहल्ला समेत तीन कॉलोनियों की पेयजल सप्लाई बढ़ाई, जहां दो घंटे बाद करीब 10 बजे बजे लोग टंकी से उतरे। इस दौरान ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि फिर भी पानी पर्याप्त नहीं आया तो और बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

■ **ककोड़ गांव में पानी की समस्या को लेकर सोमवार को ग्रामीण टंकी के पास पहुंचे और प्रदर्शन किया**

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

बाड़मेर -344001, दूरभाष :- 02982-220674

अल्कालिक ई-निविदा सूचना

अन्य विवरण जैसे निविदा मुलय, धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने/खुलने की तिथि का विवरण इत्यादि वेबसाईट www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं www.eproc.rajasthan.gov.in द्वारा जानी जा सकती है। निविदाकर्ताओं को उनके स्वयं के हित में सलाह दी जाती है की ऑन लाईन पर निविदा डालने से पहले निविदा दस्तावेजों का सावधानी पूर्वक अध्ययन कर ले। सुचारू भविष्य में इन निविदाओं से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन तिथि बढ़ने की जानकारी आदि केवल वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in, energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl पर उपलब्ध करायी जायेगी।

TN	Works	UBN No.
TN-25	('ए) रीडवा के लिए 33/11 केवी सब स्टेशन का निर्माण, (बी) नवनिर्मित 33/11 केवी जीएसएस रीडवा के लिए 10.00 किमी 33 केवी लाइन का निर्माण (सी) जैसलमेर वृत्त के अंतर्गत सब डिवीजन चान्दन,जैसलमेर में रीडवा जीएसएस के लिए इंटरकनेक्शन के लिए 3.60 किमी 11 केवी लाइन का निर्माण श्रम दर के आधार पर-2025	JVV2526 WSOE00451
TN-26	('ए) मुन्ना टिब्बा के लिए 33/11 केवी सब स्टेशन का निर्माण, (बी) नवनिर्मित 33/11 केवी जीएसएस मुन्ना टिब्बा के लिए 23.00 किमी सिंगल सर्किट 33 केवी लाइन का निर्माण (सी) जैसलमेर वृत्त के अंतर्गत सब डिवीजन मोहनगढ़ में मुन्ना टिब्बा जीएसएस के लिए इंटरकनेक्शन के लिए 6.5 किमी 11 केवी लाइन का निर्माण श्रम दर के आधार पर -2025	JVV2526 WSOE00452
TN-27	('ए) केशव नगर के लिए 33/11 केवी सब स्टेशन का निर्माण, (बी) नवनिर्मित 33/11 केवी जीएसएस केशव नगर के लिए 4.5 किमी सिंगल सर्किट 33 केवी लाइन का निर्माण (सी) जैसलमेर वृत्त के अंतर्गत सब डिवीजन ग्रामीण में केशव नगर जीएसएस के लिए इंटरकनेक्शन के लिए 6.5 किमी 11 केवी लाइन का निर्माण श्रम दर के आधार पर -2025	JVV2526 WSOE00453

राज.संवाद/सी/25/8680 संभागीय मुख्य अभियन्ता (बाड़मेर-संभाग)

बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आमेर किले का निरीक्षण किया

उन्होंने पिछले दिनों बारिश में ढही रामबाग की दीवार का जायजा लिया

जयपुर (कासं)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जयपुर के ऐतिहासिक आमेर किले का दौरा किया और हाल ही में ढही हुई रामबाग की दीवार का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को किले की सुरक्षा और मरम्मत का काम तुरंत शुरू करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के बाद, उपमुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ एक विस्तृत बैठक की। इस बैठक में आमेर किले के विकास और संरक्षण पर चर्चा हुई। बैठक में किले की दीवारों और अन्य संरचनाओं के रखरखाव, पर्यटकों के लिए बेहतर सुविधाओं, सुरक्षा प्रबंधों, यातायात और साफ-सफाई जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर बात की गई। अधिकारियों ने वर्तमान स्थिति और प्रस्तावित सुधारों के बारे में जानकारी दी, जिस पर दिया कुमारी ने अपने सुझाव दिए और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की सभी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने इन धरोहरों के सुधार और विकास के लिए आम लोगों और विशेषज्ञों की राय को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि इन प्रयासों से राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को एक नई पहचान मिलेगी और पर्यटकों का अनुभव और भी बेहतर होगा। इस अवसर पर पर्यटन आयुक्त रुक्मणि रियार, महल अधीक्षक राकेश छोलक, पुरातत्व निदेशक पंकज धीरेन्द्र, आमेर विकास प्राधिकरण और ट्रैफिक पुलिस के प्रतिनिधि सहित कई अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जयपुर के ऐतिहासिक आमेर किले का दौरा किया और हाल ही में ढही हुई रामबाग की दीवार का जायजा लिया।

- उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को किले की सुरक्षा और मरम्मत का काम तुरंत शुरू करने के निर्देश दिए
- आधुनिक संरक्षण के लिए आमेर किले में दिया कुमारी ने अधिकारियों के साथ चर्चा की, विकास और सुधार पर बातचीत की
- राजस्थान की धरोहरों के संरक्षण पर दिया कुमारी ने जताई प्रतिबद्धता

गयाना के जार्जटाउन शहर में कृत्रिम अंग व कैलीपर निर्माण का स्थायी केन्द्र खुलेगा

जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति और वेस्टइण्डीज़ के देश गयाना के बीच एम.ओ.यू. हुआ

वेस्टइण्डीज़ के देश गयाना में कृत्रिम अंग और कैलीपर के निर्माण का स्थायी केन्द्र खोलने के लिए एमओयू पर भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति की दिल्ली शाखा के चेयरमैन प्रेमेन्द्र राज मेहता तथा गयाना के स्वास्थ्य मंत्री फ्रैंक एंथनी ने हस्ताक्षर किए ।

जयपुर। विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) और वेस्टइण्डीज़ के देश गयाना के बीच एक एम.ओ.यू. के अन्तर्गत गयाना के जार्जटाउन शहर में कृत्रिम अंग और कैलीपर के निर्माण का एक स्थायी केन्द्र स्थापित किया जाएगा। इस केन्द्र की स्थापना में बी.एम.वी.एस.एस. तकनीकी सहयोग देगा और जार्जटाउन में स्थायी केन्द्र की स्थापना करने में गयाना के स्वास्थ्य मंत्रालय को सभी तकनीकी सहायता प्रदान करेगा ।

बी.एम.वी.एस.एस. की ओर से इस एम.ओ.यू. पर प्रेमेन्द्र राज मेहता जो बी.एम.वी.एस.एस. की दिल्ली शाखा के चेयरमैन हैं तथा गयाना के स्वास्थ्य मंत्री फ्रैंक एंथनी ने हस्ताक्षर किए । एम.ओ.यू. के अन्तर्गत बी.एम.वी.एस.एस. गयाना सरकार को जयपुर फुट और कैलीपर निर्माण के लिए आवश्यक सामान और उपकरण उपलब्ध कराएगा । इसके अलावा गयाना से भेजे गए तकनीशियनों को जयपुर स्थित केन्द्र में प्रशिक्षित करेगा। गयाना में केन्द्र की स्थापना के लिए बी.एम.वी.एस.एस. द्वारा एक विशेषज्ञ जार्जटाउन भेजा जाएगा जो केन्द्र की स्थापना अपनी निगरानी में करेगा। उल्लेखनीय हैं कि वर्तमान में जार्जटाउन में इस समय भारतीय कम्पनी कल्पतरू प्रोजेक्ट्स इन्टरनेशनल लिमिटेड के आर्थिक सहयोग से एक शिविर का संचालन हो रहा हैं। इस शिविर के लिए कल्पतरू प्रोजेक्ट्स इन्टरनेशनल आर्थिक सहयोग दे रहा हैं। शिविर का आयोजन भारतीय उच्चायोग और गयाना सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के सहयोग से सम्भव हो पाया हैं।

उल्लेखनीय हैं कि वर्ष 2024 में दूसरे भारत-कैरी-कॉम सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कैरीकॉम देशों को सात प्रमुख क्षेत्रों में सहायता की पेशकश की थी । इसके क्षमता निर्माण, कृषि और खाद्य सुरक्षा क्रिकेट संस्कृति, समुद्री अर्थव्यवस्था और समुद्री सुरक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य और अन्य सेवा शामिल हैं ।

स्वास्थ्य सेवा के अन्तर्गत कृत्रिम पैर लगाने का शिविर लगाया गया। फिज़ी के प्रधानमंत्री सितीवेनी रोलका जो भारत दौर पर अभी दिल्ली में हैं की उपस्थिति में प्रधानमंत्री मोदी ने फिज़ी में दूसरे जयपुर फुट शिविर लगाकर फिज़ी के विकलांगों को लाभ पहुँचाने की घोषणा की । बी.एम.वी.एस.एस. की छः सदस्यीय तकनीकी टीम जार्जटाउन में विकलांगों को कृत्रिम पैर लगाने गई हुई हैं।

पद्मश्री गीता चंद्रन ने भरतनाट्यम के माधुर्य से कलाप्रेमियों को किया मंत्रमुग्ध

जयपुर । राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में सोमवार की शाम कला और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला, जब पद्मश्री से सम्मानित ख्यातनामा भरतनाट्यम नृत्यांगना गीता चंद्रन ने अपने नृत्यवृक्ष डांस कलेक्टिव के साथ काव्य कथा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में सभागार दर्शकों से खचाखच भरा रहा और हर प्रस्तुति पर तालियों की गूंज छाई रही।

शिव स्तुति की दिव्यता, गोविंद वंदना की भक्ति, ओंकारकारिणी की ऊर्जा, वसंत ऋतु की काव्यात्मकता और सूरदास के पदों पर आधारित रामायण की लोरी-इन सभी भावनात्मक और आध्यात्मिक पक्षों को गीता चंद्रन ने अपनी विशिष्ट शैली में मंचित किया। संध्या का समापन ऊर्जावान तिल्लाना के साथ हुआ, जिसे दर्शकों ने खड़े होकर सराहा।

गीता चंद्रन के साथ नृत्यवृक्ष की प्रतिभाशाली कलाकार राधिका कथल, मधुरा भ्रुशुंडी, सौम्या लक्ष्मी नारायणन और यादवी शकधर मेनन ने भी मंच पर सामंजस्य और भावनात्मक गहराई का सुंदर योगदान दिया। जीवंत संगीत के साथ उनकी सामूहिक प्रस्तुति ने दर्शकों के अनुभव को और अधिक प्रभावशाली बना दिया।

प्रस्तुति के उपरांत गीता चंद्रन ने कहा कि भरतनाट्यम उनके लिए केवल नृत्य नहीं, बल्कि प्रार्थना, दर्शन और काव्य का जीवंत संगम है।

'इम्यूनोग्रिट करेगा अजरता-अमरता के वरदान को सिद्ध'

हरिद्वार। पतंजलि के वैज्ञानिकों ने पुन: सिद्ध कर दिया है कि हमारे पौराणिक ग्रंथों में वर्णित अष्टवर्ग जड़ी-बूटियों के द्वारा प्राप्त अजरता-अमरता का वरदान मात्र मिथ्या नहीं हैं, इसमें सत्यता भी निहित है। पतंजलि के वैज्ञानिकों ने अष्टवर्ग एवं अन्य प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से निर्मित औषधि इम्यूनोग्रिट पर किए गए शोध के द्वारा सिद्ध कर दिया है कि इस औषधि के द्वारा असमय आने वाले बुढ़ापे को प्रभावी रूप से धीमा किया जा सकता है।

इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि तनाव, चिंता, प्रदूषण और गलत जीवनशैली हमें असमय बुढ़ापे की ओर ले जा रही है। आजकल 35-40 वर्ष की आयु में चेहरे पर झुर्रियां, माथे पर लकीरे होना आम बात हो गई है। एलोपैथिक चिकित्सा और महंगे-महंगे इंजेक्शन द्वारा लोग इस समस्या का अस्थाई समाधान खोजने में लगे हैं।

परन्तु इस समस्या का हल भी हमारे पौराणिक ग्रंथों में ही निहित है, हमने अष्टवर्ग जड़ी-बूटियों को वर्तमान युग के अनुरूप, वैज्ञानिक प्रमाणिकता के साथ इम्युनोग्रिट के रूप में प्रस्तुत किया है। आयुर्वेद के अनुसार अष्टवर्ग जड़ी-बूटियां बलवर्धक, रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने वाली एवं आयु को बढ़ने से रोकने वाली विशेषताओं से निहित हैं। उन्होंने आगे कहा कि आयुर्वेद की शक्ति को आज पूरा विश्व स्वीकार कर रहा है। यह हमारी परंपरा और हमारे ऋषि-मुनियों का ज्ञान है। अब वह समय दूर नहीं जब भारत ही नहीं, पूरा विश्व आयुर्वेद को अपनी चिकित्सा पद्धित के रूप में मान्यता देगा।

इम्यूनोग्रिट औषधि विदारीकंद, मेदा, शतावरी, ककोली, क्षीरककोली, रिद्धि, वाराहीकंद, बला, सफ़ेद मूसली, शुद्ध कौंच, अश्वगंधा से बनी है, जिन्हें हमारे आयुर्वेदिक ग्रंथों में बुढ़ापे को मंद करने वाला माना गया है।

पतंजलि अनुसन्धान संस्थान के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. अनुराग वार्ष्णेय ने कहा कि यह शोध उन लोगों के लिए एक आशा की किरण है जो बढ़ती आयु और उस कारण त्वचा पर असमय होने वाली झुर्रियों से चिंतित हैं। इम्यूनोग्रिट मात्र एक हर्बल सप्लीमेंट नहीं, अपितु एक वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित आयुर्वेदिक समाधान है, जो आने वाले वर्षों में एंटी-एजिंग उपचार की दिशा में बड़ी भूमिका निभाएगा। उन्होंने आगे कहा कि हमारा यह प्रयास पुष्टि करता है कि जब परंपरा और विज्ञान साथ आते हैं, तो असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है। इस अध्ययन में पाया गया कि इम्यूनोग्रिट बुढ़ापे के कारण त्वचा की कोशिकाओं में होने वाले बदलावों को नियंत्रित करने में कारगर है। यह शोध जिसमें वृद्धावस्था को भी धीमा करने की शक्ति से निहित इम्यूनोग्रिट औषधि के बारे में बताया गया है, अंतरराष्ट्रीय रिसर्च जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

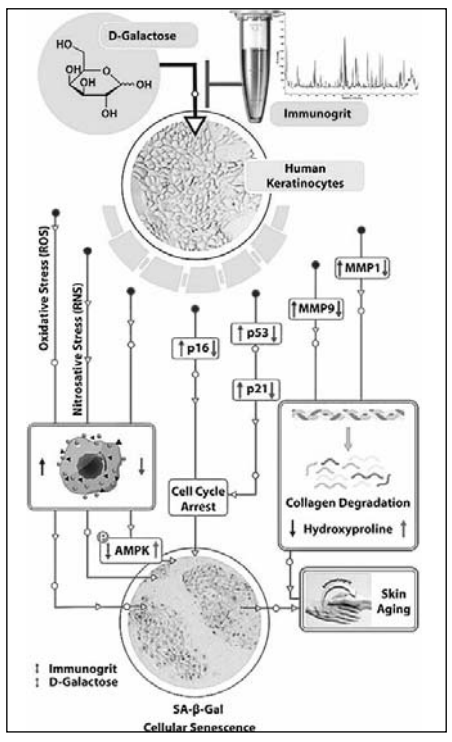

ज्वैलरी की मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट में हुई नकबजनी का भंडाफोड, तीन गिरफ्तार

जयपुर। माणकचौक थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बीस अगस्त को चाकसू का चौक स्थित ज्वैलर की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में हुई नकबजनी का भंडाफोड़ करते हुए वहां काम करने वाले नौकर सहित तीन लोगों को पकडा है। जिसमें एक बाल अपचारी है। पुलिस ने आरोपियों के पास से वारदात में प्रयुक्त ऑक्सीजन गैस सिलिंडर, गैस कटर सहित अन्य सामान बरामद किया है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि माणक चौक थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बीस अगस्त को चाकसू का चौक स्थित ज्वैलरी की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में हुई नकबजनी के मामले में काम करने वाले नौकर राहुल प्रजापत निवासी अरावली विहार जिला अलवर खो नागोरियान और मनीष प्रजापत निवासी अलवर हाल खोनागोरियान को गिरफ्तार किया है और साथ ही इस वारदात में शामिल एक अन्य बाल अपचारी को निरुद्ध किया गया है। आरोपित राहुल प्रजापति वर्तमान में ज्वेलरी मैन्युफैक्चरिंग युनिट पर काम करता है। तथा उसके बड़े भाई मनीष प्रजापत ने भी पूर्व मे एक माह तक इस यूनिट में काम किया था। काम करने के दौरान गोल्ड ज्वेलरी की अत्यधिक मात्रा को देखकर तथा दोनो भाइयों के कर्ज होने के कारण चोरी करने का प्लान बनाया । चूंकि करोडो रुपये की ज्वैलरी गोदरेज के सेफ में रहती थी । जिसको काटकर ज्वैलरी चोरी करना एक चैलेंज था।

हाईकोर्ट ने जांच अधिकारी को जेल भेजने की चेतावनी दी

माफी मांगने पर पालना के लिए मिला एक दिन का समय

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने दुष्कर्म मामले में अदालती आदेश के बावजूद आरोपी की कॉल डिटेल अदालत में पेश नहीं करने पर अलवर के राजगढ़ थाने के जांच अधिकारी को जेल भेजने की चेतावनी दी। आखिर में जांच अधिकारी के माफी मांगने पर अदालत ने प्रकरण की सुनवाई एक दिन के लिए टालते हुए जांच अधिकारी को संबंधित रिकॉर्ड पेश करने को कहा है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश शंकर लाल की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।सुनवाई के दौरान अदालत ने जांच अधिकारी से पूछा कि गत 12 अगस्त के आदेश की पालना में आरोपी के फोन की कॉल डिटेल से जुडा रिकॉर्ड पेश क्यों नहीं किया। इस पर जांच अधिकारी ने कहा कि वह रिकॉर्ड नहीं लाए हैं। इस पर अदालत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि कहीं वह आरोपी को बचाने के लिए तो ऐसा नहीं कर रहे हैं। इसके साथ ही अदालत ने जांच अधिकारी को जेल भेजने की चेतावनी देते हुए हुए कहा कि 26 अगस्त को रिकॉर्ड पेश किया जाए, वरना कोर्ट अपने स्तर पर आदेश देगी।

- दुष्कर्म मामले में अदालती आदेश के बावजूद आरोपी की कॉल डिटेल कोर्ट में पेश नहीं करने पर हाईकोर्ट ने जताई नाराजगी

पीडिता के वकील बाबूलाल बैरवा ने बताया कि याचिकाकर्ता ने पीडिता के साथ दुष्कर्म किया था। वहीं बाद में उसका विवाह तय होने पर उसके मंगेतर को भी फोन कर जान से मारने की धमकी दी। जिसके चलते शादी के कुछ दिन पहले ही मंगेतर ने विवाह करने से इनकार कर दिया। वहीं सामाजिक रिवाजों के चलते आनन फानन में दूसरे लडके से पीडिता का विवाह कराया गया। पीडिता के वकील ने अदालत में आरोप लगाया की जांच अधिकारी ने आरोपी को बचाने के उद्देश्य से अनुसंधान किया है और आदेश के बावजूद अदालत में रिकॉर्ड पेश नहीं किया।

देवनारायण पदयात्रा में शामिल महिला को पुलिस बस ने कुचला

जयपुर। ब्रह्मपुरी थाना इलाके में सोमवार अल-सुबह एक पुलिस बस ने देव नारायण पदयात्रा में शामिल एक महिला भक्त को जोरदार टक्कर मार दी। जिसके महिला गिर पड़ी और बेहोश हो गई। इससे गुस्साएं पदयात्रियों ने बस को रोक लिया और बस चालक को पुलिस के हवाले कर दिया। पदयात्रियों का आरोप है बस चालक ने शराब पी रखी थी और उसके मुंह से बदबू आ रही थी।

एएसआई सोहन लाल के अनुसार सोमवार सुबह साढ़े 5 से 6 बजे के बीच जल महल के सामने से देव नारायण भगवान की पदयात्रा निकल रहीं थी।

- सोमवार सुबह साढ़े पांच जल महल के सामने हुआ हादसा

तभी आमेर की ओर से आ रही एक पुलिस बस ने अलवर निवासी सरसो देवी (32) पत्नी रामनारायण गुर्जर को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। एंबुलेंस की सहायता से उसे एसएमएस के ट्रोमा वॉर्ड में भर्ती कराया गया।

गुस्साए पदयात्रियों ने विरोध करते हुए बस को रोक लिया और पुलिस को सूचना दी। बस चालक के मुंह से शराब की बदबू आने से पदयात्री और ज्यादा भडक गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने बस को साइड में खड़ा करवाकर पुलिसकर्मियों को अन्य वाहनों से ड्यूटी पॉइंट के लिए रवाना किया।

कांस्टेबल को बर्खास्त करने वाला 41 साल पुराना आदेश रद्द

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पुलिस विभाग के 41 साल पुराने उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसके तहत याचिकाकर्ता की कांस्टेबल पद से सेवाएं समाप्त कर दी गई थी। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता को सेवानिवृत्त परिलाभ के लिए उसकी सेवानिवृत्ति की उम्र तक सेवा में मानने को कहा है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश रमेश की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता को बर्खास्त करने और बाद में उसकी अपील खारिज करने के दौरान निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। वहीं समान मामले में वह अदालत से बरी भी हो गया। ऐसे में उसका बर्खास्तगी आदेश और अपीलीय अधिकारी का आदेश रद्द किया जाता है।

याचिका में अधिवक्ता संदीप भगवती ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता साल 1979 में कांस्टेबल नियुक्त हुआ था। वहीं विभाग में उसके खिलाफ शिकायत दी गई कि उसका वास्तविक नाम मोहन लाल है और उसने अपने भाई रमेश के दस्तावेजों से नौकरी हासिल की है। इस शिकायत पर विभाग ने जनवरी, 1984 में उसे निलंबित और बाद में जून माह में बर्खास्त कर दिया। इसके खिलाफ पेश विभागीय अपील भी नवंबर, 1984 में खारिज कर दी गई। याचिका में कहा गया कि उसे 17 सीसीए के तहत छोटा दंड देने के बजाए बर्खास्तगी जैसा बडा दंड दिया गया। इस दौरान उसे सुनवाई का भी पूर्ण अवसर नहीं दिया गया। इसके अलावा समान आरोप में उसके खिलाफ आपराधिक मामला भी चला। जिस पर सुनवाई करते हुए 31 मार्च, 2000 को कोर्ट ने उसे बरी कर दिया। इसके बाद उसने साल 2002 में यह याचिका दायर की। इसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता ने करीब 18 साल की देरी से याचिका दायर की है। विभागीय अपील के आदेश को तत्काल चुनौती नहीं दी गई। ऐसे में देरी के आधार पर याचिका को खारिज किया जाए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को बर्खास्त करने और विभागीय अपीलीय आदेश को रद्द करते हुए उसे सेवानिवृत्ति की उम्र तक सेवा में मानने को कहा है।

प्रसार की आमसभा में कैडर रिव्यू समेत कई मुद्दों पर चर्चा

15 से 21 अप्रैल तक मनाएंगे जनसंपर्क सप्ताह, राज्य सरकार की योजनाओं का करेंगे सघन प्रचार

जयपुर । पब्लिक रिलेशंस एंड एलाइड सर्विसेज एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (प्रसार) की वार्षिक आमसभा रविवार को सूचना केन्द्र, जयपुर के सभागार में आयोजित हुई। प्रसार अध्यक्ष डॉ. हरिशंकर आचार्य की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष कुमार अजय, उपाध्यक्ष (क्षेत्रीय) धर्मेन्द्र मीणा, उपाध्यक्ष (मुख्यालय) चंद्रशेखर पारीक, महासचिव अभय सिंह भाटी, सचिव मोहित जैन मौजूद रहे। वहीं विभाग के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. आशीष खंडेलवाल, हेमंत सिंह, आलोक आनंद, कविता जोशी, छोटू लाल जीनगर, वीर सेन, आशीष जैन, सुरेन्द्र बगवाड़ा, संतोष कुमार, दिनेश शर्मा, राकेश कुमार, मनीष कुमार आदि ने भी विचार रखे। बैठक में जनसंपर्क विभाग के कैडर रिव्यू एवं सुदृढ़ीकरण के प्रस्ताव तैयार करने, सहायक जनसंपर्क अधिकारियों के स्थाईकरण, प्रतिवर्ष 15 से 21 अप्रैल तक जनसंपर्क सप्ताह आयोजित करने तथा जनसंपर्क दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह में जयपुर में आयोजित करने, विभागीय कार्यालयों में संसाधनों की वृद्धि सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। इस दौरान जनसंपर्क मंत्रालयिक कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों के साथ भी चर्चा हुई और कैडर रिव्यू से जुड़े प्रस्ताव साझा तरीके से तैयार करते हुए उच्च स्तर तक प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया। संगठन की अब तक की गतिविधियों, सदस्यता शुल्क, विभिन्न कमेटियों के गठन, फोटोग्राफर संवर्ग तथा जयपुर के न्यू गेट स्थित रंगमंच कार्यालय के विभागीय हित में बेहतर उपयोग के लिए उच्चाधिकारियों को अवगत करवाने का निर्णय लिया गया। बैठक में प्रसार द्वारा सरकार की युवा कल्याण की योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए चलाए जाने वाले 'युवा संकल्प' अभियान और जनसंपर्क सप्ताह के दौरान प्रदेश के सभी जिलों में पूरे सप्ताह सरकार की योजनाओं के प्रचार-प्रसार का विषेष अभियान चलाने के संबंध में भी चर्चा की गई।

पब्लिक रिलेशंस एंड एलाइड सर्विसेज एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (प्रसार) की वार्षिक आमसभा रविवार को सूचना केन्द्र जयपुर में आयोजित हुई।

पैक्स व केवीएसएस पर एक दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण

जयपुर । सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने कहा कि सहकारी संस्थाएं उनसे की जाने वाली अपेक्षा के अनुरूप पारदर्शी तरीके से कार्य कर सदस्यों और किसानों का हित सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि विभिन्न स्तर पर सामने आने वाले गैप्स समितियों की रैंकिंग और परफॉर्मेंस पर असर डालते हैं, ऐसे में निर्धारित मापदण्डों एवं दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य कर रैंकिंग पैरामीटर्स पर खरा उतरने का प्रयास किया जाए।राजपाल सोमवार को नेहरू सहकार भवन में राज्य के सभी पैक्स एवं केवीएसएस हेतु आयोजित एक दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को सम्बोधित कर रही थीं।

प्रदेश के कई नेशनल और स्टेट हाई-वे अभी भारी बारिश से जलमग्न है। जयपुर-दिल्ली नेशनल हाईवे पर भी सोमवार को काले बादल मंडराए तो ऐसा लगा कि मौसम विभाग की भारी बारिश को लेकर जारी की गई चेतावनी अगर सही रही तो ये भी जलमग्न होगा, परंतु लेकिन बादल जैसे छाए बरसे नहीं। फोटो: दिनेश भारद्वाज

151 कन्याओं ने कलश धारण कर शोभायात्रा निकाली

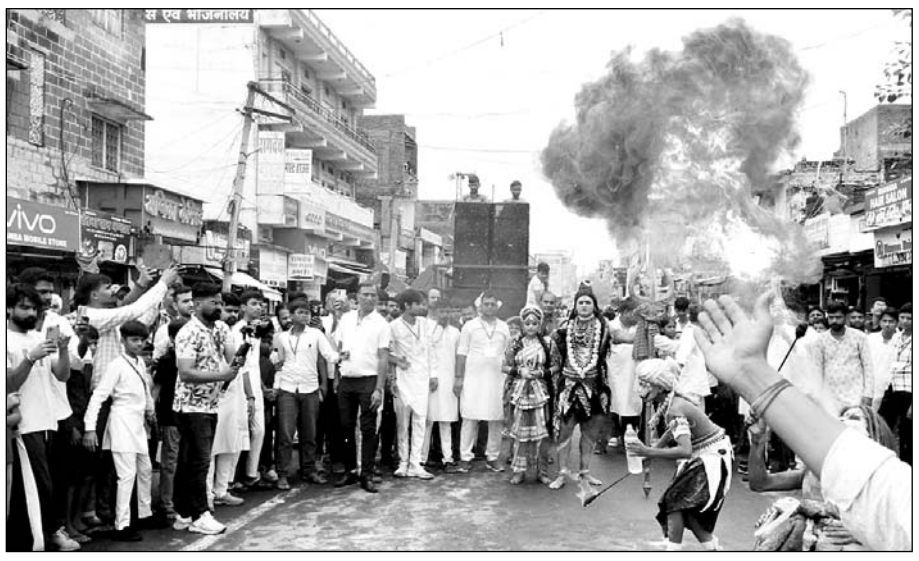

जालोर में गणपति मंदिर के प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर शोभायात्रा निकाली। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। शहर के गणेश चौक स्थित नवनिर्मित गणपति मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारम्भ सोमवार सुबह 151 कन्याओं ने कलश धारण कर, 13 रथ व विभिन्न झांकियों के साथ शहर के मुख्य मार्ग से शोभायात्रा निकाल कर हुआ।

गणपति महोत्सव समिति के अध्यक्ष सत्यप्रकाश रामावत ने बताया कि शहर के गणेश चौक स्थित नवनिर्मित गणपति मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारम्भ सोमवार सुबह 151 कन्याओं द्वारा कलश धारण कर, 13 रथ व विभिन्न झांकियों के साथ साधु संतों के सानिध्य में शहर के मुख्य मार्ग से शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में रथ पर विराजमान भैरुनाथ अखाडा के आनन्दनाथजी व हनुमानजी मन्दिर के पवनपुरीजी महाराज सहित साधु संतों के सानिध्य में मन्दिर में स्थापित होने वाली मूर्तियों के साथ लाभार्थी परिवार उपस्थित रहे। शोभायात्रा गणेश चौक स्थित गणपति मन्दिर से 151कन्याओं द्वारा कलश के साथ शुरू होकर सांड बाव पहुंची जहां वरुण पूजन किया गया। तत्पश्चात शोभायात्रा पुन: प्रारम्भ होकर घांचियों की पिलानी, तिलक द्वार, हरिदेव जोशी सर्किल, अस्पताल चौराया, सूरजपोल, पूरा मौहल्ला होते हुये पुन: गणपति मन्दिर पहुंची जहां समिति सदस्यों द्वारा कन्याओं को भोजन प्रसादी करवाई गई। शोभायात्रा में शिव पार्वती की झांकी, नासिक ढोल, मराङ्गी ढोल, बैण्ड बाजा आदि विशेष आकर्षण के केन्द्र रहे।

कार्यालय प्रभारी मधुरश्याम गुप्ता ने जानकारी देते हुये बताया कि मंगलवार को पंचांग पूजन, नित्य पूजन के साथ प्रधान हवन प्रारम्भ, दुर्गा होम स्थाप्य एवं स्थापित देवताओं के लिये आहुति शान्तिक पौष्टिक कर्म मूर्तियों का देव स्नपन, प्रासाद वास्तु, प्रसाद पूजन, कूर्म शिला पूजन शय्याधिवास, सायंकालीन आरती व विशाल भजन संध्या प्रसिद्ध गायक कलाकार बाडमेर के छोटूसिंह रावणा व मध्यप्रदेश के मंदसौर की अधिष्ठा अनुष्का द्वारा सुरीली आवाज के साथ भजनों की प्रस्तुति देकर माहौल भक्तिमय बनाया जायेगा।

'लड्डू प्रसाद निर्माण में शुद्धता पर विशेष ध्यान'

पाली, (नि.सं.)। गणेश चतुर्थी का पर्व पर्युषण के अंतर्गत आता है, जिसको लेकर मिठाई की दुकान बंद रहती है। पाली शहर के विभिन्न समाज अपने स्तर पर लड्डू तैयार करवाते हैं, पाली में करीब 30 से 35 हजार किलो लड्डू बनते हैं।

इस वर्ष माहेश्वरी महोत्सव समिति द्वारा लड्डू प्रसाद निर्माण में मौसम को देखते हुए शुद्धता पर विशेष ध्यान रखा जा रहा है। यहां करीब 5000 किलो लड्डू तैयार किया जा रहे हैं। समिति अध्यक्ष विमल मूंदड़ा ने बताया प्रसादी निर्माण में जोधपुर स्थित प्रसिद्ध चोहटै के दूध, शुद्ध देसी घी एवं फिल्टर पानी का इस्तेमाल किया जा रहा है। गणेश भक्तों के लिए लागत मूल्य पर दयानंद बगीची रामदेव रोड में निर्मित एवं वितरित किया जा रहा है। अध्यक्ष विमल मूंदड़ा, सचिव बाल गोपाल राठी, उसे कोषाध्यक्ष मनीष बिडला, चतुर्भुज खाबानी,नवनीत तापड़िया, रमेश कोठारी, राकेश बिड़ला, मनीष बागड़ी, रोहित बिड़ला, राहुल पुगलिया, गिरीश राठी,जुगल मंत्री, विनोद मोदी, अशोक सोमानी, जुटे हुए हैं।

शिविर में 121 यूनिट रक्तदान

जालोर में रामदेव सेवा समिति ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। बाबा रामदेवजी सेवा समिति, जालोर आशापुरा कॉम्पलेक्स थर्ड फेस भीनमाल रोड, जालोर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी तृतीय रामरसोडा का आयोजन 26 अगस्त तक रखा है। जिसके उपलक्ष में प्रथम बार रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

रक्तदान शिविर में रक्तमित्रो द्वारा उत्साह देखा गया और रक्तदान करने के लिए सभी सदस्य सम्मिलित हुए जिसमें 25 अगस्त को रक्तमित्रो द्वारा 121 यूनिट रक्तदान कर एक अच्छा रिकॉर्ड बनाया गया। इसके अलावा बल्ड बैंक में रक्त की अधिकता होने के कारण 45 यूनिट रक्तमित्रो से रक्तदान नही करवाया जरूरत होने पर उन्होंने रक्तदान करने का संकल्प लिया जिसमे किसी भी मरीज को रक्त की कमी होने पर रक्तदान किया जाएगा। इसकी जानकारी समिति के अध्यक्ष चरणसिंह चौधरी ने दी। 26 अगस्त को समापन समारोह सखा गया है। जिसमें सभी आमजन धर्म प्रेमी बन्धुओं के लिए विशाल भण्डारे का आयोजन व शाम 8 बजे से भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया है। भजन गायिका कविता पंवार, देशी भजन गायक कानाराम देवासी, सोजत से दिनेश देवासी मटकी नृत्य कलाकार संजय वैष्णव डांसर जीतू ढाका, डांसर महेंद्र देवासी होंगे और मंच संचालन गणपत पन्नू देखेंगे।

राज्यपाल माथुर परशुराम महादेव कुंड धाम पहुंचे

परशुराम महादेव कुंड धाम का सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर व पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग मंत्री जोराराम कुमावत ने दौरा किया। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली, (नि.सं.)। राजसमंद और पाली जिलों की सीमा पर अरावली पर्वत श्रृंखला में स्थित एक पवित्र गुफा मंदिर श्री परशुराम महादेव कुंड धाम का सोमवार को सिक्किम राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर व पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग, राजस्थान सरकार के केबिनेट मंत्री श्री जोराराम कुमावत ने दौरा किया।

इस स्थल पर राज्यपाल व केबिनेट मंत्री ने समस्त देशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि हेतु प्रार्थना की। दोनों सम्मानित अतिथियों ने भगवान शिव के दर्शन कर परशुराम जी की तपस्थली को नमन किया। पूजन के उपरांत श्रद्धालुओं को प्रसादी भी वितरित की गई। इससे पहले केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर की अगवानी की। उन्होंने राज्यपाल का गुलदस्ता भेंटकर, फूलमाला पहनाकर स्वागत किया।

कार्यक्रम में केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने इस पवित्र स्थल को न केवल आस्था का केंद्र, बल्कि आत्मचिंतन, सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक ऊर्जा का स्त्रोत बताया। उन्होंने मंदिर के इतिहास के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि राजस्थान की अरावली पर्वतमाला के मध्य में यह अनोखा परशुराम महादेव मंदिर है। माना जाता है कि त्रेता युग में परशुराम इस मंदिर में बनी गुफा के रास्ते से यहां आए थे। यहां बैठकर उन्होंने भगवान शिव की आराधना की और उन्हें प्रसन्न करके अमरत्व का वरदान व प्रसिद्ध फरसा सहित कई दिव्यास्त्र प्राप्त किए। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस मंदिर का निर्माण परशुराम ने इसी फरसे से एक बड़ी चट्टान को काटकर किया था। बाद में, इस मंदिर का नाम परशुराम महादेव मंदिर पड़ा। गुफा का ऊपरी भाग गाय के थन के समान प्रतीत होता है। इस गुफा मंदिर के अंदर ही भोलेनाथ शिवलिंग के रूप में विराजमान हैं। शिवलिंग के ऊपर गोमुख है, जहां से प्राकृतिक रूप से शिवलिंग का जलाभिषेक होता है। मंदिर से कुछ दूरी पर मातृकुंडिया नाम का एक स्थान है। परशुराम ऋषि-मुनियों के कहने पर मातृहत्या के दोष निवारण के लिए यहां आए थे। उनको अरावली पवर्तमालाओं में मौजूद मातृकुंडिया नदी में स्नान करके शिव की आराधना करनी थी।

इस अवसर पर राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, पूर्व सांसद पुष्प जैन, मारवाड़ के विधायक केसाराम चौधरी, पूनम सिंह परमार, अनूपम सिंह, शिवराज सिंह बिठिया, महेंद्र माली, मंडल अध्यक्ष हड़मत सिंह, रविकांत, शंकर सिंह काकू, नरेश ओझा सहित स्थानीय प्रशासन, पुजारीगण, श्रद्धालुजन एवं हजारों की संख्या में लोगों की उपस्थिति रही।

सदस्यता अभियान पर बल दिया

पाली, (नि.सं.)। राजस्थान प्रदेश राजपुरोहित महासभा के प्रदेश अध्यक्ष जबर सिंह राजपुरोहित ने आज जैसलमेर,फलोदी,नागौर, जोधपुर शहर उत्तर और दक्षिण तथा जोधपुर ग्रामीण पूर्व,जोधपुर ग्रामीण पश्चिम जिला इकाइयों की बैठक लेकर मंडल इकाइयों का सीमांकन कर संगठन के सदस्यता अभियान को गांव गांव ढाणी ढाणी तक चलाने का संकल्प दिलाया।

जिलाध्यक्षों को कहा कि समय जा रहा है और हमे समय के साथ चलना है,हमारी आनेवाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए समाज का संगठन आज की आवश्यकता बन चुकी है और अल्प समय में महासभा संगठन को ग्रास रूट पर खड़ा करना ही होगा तभी समाज को सफलता मिलेगी। बैठक में संगठन सलाहकार प्रेम सिंह बिलाड़ा,शैतान सिंह खैरवा,भुर सिंह लंगेरा,जगदीश सिंह झाबरा,लक्ष्मण देवीदान सिंह,प्रेम सिंह नंदवाना,कान सिंह देचू,नर सिंह नोरवा, उम्मेद सिंह बाड़ा ने भी अपना प्रगति विवरण प्रसूत कर भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला।

बालोतरा, बाड़मेर जिला राजपुरोहित महासभा की बैठक जिलाध्यक्ष देराम सिंह जसोल व खुमान सिंह बोथिया की अध्यक्षता तथा प्रदेश संगठन महामंत्री रतन सिंह चंडावल, के मुख्य आतिथ्य में हुई। अतिथि घीसू सिंह रूपावास,कपिल सिंह पटाऊं,अंबालाल अलबेला,मुकेश सिंह पचपदरा,भीख सिंह रडवा, भुर सिंह लंगेरा,महेंद्र बालेरा सहित समाज बंधुओ ने संकल्प लेकर बाड़मेर,बालोतरा जिले में सदस्यता अभियान के साथ लगभग 80 मंडल इकाइयों का सीमांकन करके 15 दिवस के भीतर संपूर्ण जिला स्तर पर सदस्यता अभियान का टारगेट पूरा कर मंडल अध्यक्षों और कार्यकारिणी का गठन कर प्रदेश, जिला,मंडल इकाइयों का टारगेट पूर्ण कर लेंगे। राजपुरोहित ने कहा कि संगठन को स्थापित करने और कार्य योजना की मॉनिटरिंग के लिए जिला स्तर की कार्य योजना बैठक होगी।

सीवरेज का गंदा पानी समस्या बना, लोग परेशान

जालोर नगर परिषद् के बाहर लोगों ने धरना प्रदर्शन किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। जालोर शहर की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर सुंदेलाव तालाब में नगर परिषद की लापरवाही के कारण सीवरेज का गंदा पानी लगातार बहकर जा रहा है। नगरपरिषद की उदासीनता के चलते तालाब में गंदा पानी जाने से तालाब दुषित हो रहा है।

आस पास के लोगो को भी परेशानी का सामना करना पड रहा है जिसके विरोध में शिव सेना जालोर के जिला प्रमुख रुपराज पुरोहित के नेतृत्व में सोमवार को नगरपरिषद के बाहर धरना प्रदर्शन कर विरोध प्रदर्शन किया।

शिवसेना के जिला प्रमुख ने बकताया कि तालाब का पानी पूरी तरह दूषित हो गया है और चारों ओर बदबू व गंदगी फैल रही है। इस गंदगी से आसपास की कॉलोनियों के निवासी विभिन्न बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। अनेक बार लिखित शिकायतें देने के बावजूद नगर परिषद द्वारा अब तक इस गंभीर समस्या का समाधान नहीं किया गया। इसी को लेकर 25 अगस्त 2025 को दोपहर 2 बजे, शिवसेना जालोर जिला प्रमुख रूपराज पुरोहित के नेतृत्व में जालोर नगर परिषद के बाहर धरना प्रारंभ किया गया। धरने के दबाव में राज्य सरकार ने तुरंत कार्रवाई करते हुए जालोर की टूटी हुई सीवरेज लाइन और सुंदेलाव तालाब के कार्य हेतु 25 करोड रुपये की राशि स्वीकृत की। धरने के दौरान शिवसेना प्रतिनिधिमंडल ने नगर परिषद आयुक्त दिलीप जी माथुर को ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर आयुक्त ने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार से स्वीकृत 25 करोड रुपये की राशि से सीवरेज लाइन दुरुस्ती और तालाब कार्य करवाए जाएंगे। सीवरेज रिपेयरिंग का टेंडर पहले ही हो चुका है। आगामी 8 दिनों में ठेकेदार कार्य प्रारंभ करेगा। बाद में यह सहमति बनी कि कार्य की निगरानी हेतु 6 आम नागरिकों की समिति बनाई जाएगी, जो नगरपालिका अधिकारियों के साथ मॉनिटरिंग करेगी। इस समिति की मौजूदगी से ठेकेदार घटिया मटेरियल का उपयोग नहीं कर सकेगा, जिससे भ्रष्टाचार पर रोक लगेगी और सीवरेज लाइन की गुणवत्ता व आयु दोनों बढेंगी।

आयुक्त के इस आश्वासन और राशि स्वीकृति के बाद निर्णय लिया गया किसुंदेलाव तालाब बचाओ अभियान का धरना 10 दिनों के लिए स्थगित किया जाता है। यदि 8 दिनों में कार्य प्रारंभ नहीं होता, तो समिति पुन: धरना-प्रदर्शन शुरू करेगी।

हादसों में घायल तीन की मौत

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर कमिश्नरेट क्षेत्र में अलग अलग सडक़ हादसें में घायल तीन लोगों की अस्पताल में उपचार के बीच मौत हो गई। संबंधित थाना पुलिस ने कार्रवाई के उपरांत शव परिजन को सुपुर्द किए।

बासनी पुलिस ने बताया कि साउओं की ढाणी, सांगरिया बाइपास निवासी भानाराम ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसके पिता चैनाराम जाट अपनी बाइक लेकर घरें की तरफ आ रहे थे। तब नजदीक ही सांगरिया बाइपास पर किसी वाहन चालक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल उसके पिता को अस्पताल ले जाया गया, मगर उपचार के बीच मौत हो गई। पुलिस ने शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया। अज्ञात वाहन की पहचान ट्रक के रूप में हुई है।

दूसरी तरफ चौपासनी हाऊसिंग बोर्ड थाने में दी रिपोर्ट में जय भवानी नगर, सांगरिया की ढाणिया बासनी निवासी रावल सिंह पुत्र भीमसिंह राजपूत ने पुलिस को बताया कि 15 अगस्त को वह एमआर टावर के सामने रिंग रोड पर सांगरिया क्षेत्र में बाइक पर निकल रहा था। उसके साथ में उसका दोस्त सवाई भी था।

तब एक गाड़ी चालक ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों घायल हो गए, मगर सवाई की रविवार को अस्पताल में उपचार के बीच मौत हो गई।

करवड़ पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि माणकलाव निवासी सोहनराम पुत्र भजनीराम जाट ने रिपोर्ट दी। इसमें पुलिस को बताया कि किसी कार चालक ने बाइक सवार उसके भाई को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में घायल उसके भाई की अस्पताल में मौत हो गई।

गणेश चतुर्थी पर शोभायात्रा कल

जालोर, (कासं)। गणेश चतुर्थी को लेकर विश्व हिन्दू परिषद से प्रेरित सनातन महोत्सव समिति की बैठक रविवार शाम जलंधरनाथ धर्मशाला में आयोजित हुई।

समिति संयोजक अम्बालाल व्यास ने बताया कि कल 27 अगस्त बुधवार को श्री गणेश चतुर्थी को लेकर विश्व हिन्दू परिषद से प्रेरित सनातन महोत्सव समिति की तैयारियों को लेकर बैङ्गक रविवार शाम 8.30 बजे जलंधरनाथ धर्मशाला में शहर के गणमान्य लोगों की उपस्थिति में आयोजित हुई। गणेश चतुर्थी की भव्य शोभायात्रा कल बुधवार प्रात: 7.30 बजे भगवान श्री गजानन्दजी को साधु संतों द्वारा दीप प्रज्वलित कर तिलक द्वार स्थित भारत माता चौक से प्रारम्भ होगी। बैठक में शोभायात्रा को लेकर सभी तैयारियों का विश्लेषण किया गया साथ ही शोभायात्रा को भव्य बनाने के लिये समिति सदस्यों द्वारा शहर में विभिन्न जगहो पर बैनर लगाये गए। शोभायात्रा में ऊंट, घोडे, नौबत, बैण्ड बाजा, नासिक ढोल, डीजे सहित विभिन्न प्रकार की झांकियों का समावेश होगा। शोभायात्रा के दौरान मार्ग में विभिन्न जगहो पर समाजों, सामाजिक संगठनो, समाजसेवियों, व्यापारियों द्वारा पुष्प वर्षा, जलपान, फलाहार आदि की व्यवस्था की जायेगी। इस अवसर पर समिति सचिव बनवारीलाल शर्मा, कोषाध्यक्ष तरुण सिद्धावत, पुखराज, दी जनरल मर्चेंट एसोसिएशन के सचिव कैलाश लखारा, पुखराज सुथार, मनीष गुप्ता, रतनलाल, भोपाल कुमार, आनन्द प्रजापत सहित बडी संख्या में सनातन धर्म प्रेमी उपस्थित रहे।

प्रतिवर्ष निकलने वाली शोभायात्रा मार्ग में इस बार गणेश चौक स्थित गणपति मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा के कारण मार्ग में संशोधन करते हुये तिलक द्वार स्थित भारत माता चौक से प्रारम्भ होकर गांधी चौक, पूरा मोहल्ला, सूरज पोल, भगतसिंह स्टेडियम के आगे से होते हुये भक्त प्रहलाद चौक, बडी पोल, घांचियों की पिलानी से होते हुये तिलक द्वार स्थित रामदेवजी मन्दिर पहुंचेगी।

जैसलमेर के ग्राम मेघा में मिले जीवाश्म की जांच की

जैसलमेर के ग्राम मेघा में मिले एक अत्यंत दुर्लभ वर्टिब्रेट स्केलेटन (कशेरुकी जीवाश्म) की जांच जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के भू-विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं जीवाश्म वैज्ञानिक प्रो. वीरेंद्र सिंह परिहार ने भूवैज्ञानिक डॉ. नारायण दास इणखिया की सक्रिय भागीदारी एवं उपस्थिति में की। फोटो-राष्ट्रदूत

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर जिले की पंचायत समिति फतेहगढ़ के ग्राम मेघा में एक अत्यंत दुर्लभ वर्टिब्रेट स्केलेटन (कशेरुकी जीवाश्म) प्राप्त हुआ है। इसकी जांच रविवार को जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के भू-विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं जीवाश्म वैज्ञानिक प्रो. वीरेंद्र सिंह परिहार द्वारा भूवैज्ञानिक डॉ. नारायण दास इणखिया की सक्रिय भागीदारी एवं उपस्थिति में की गई।

प्रो. परिहार ने विस्तृत अध्ययन के बाद बताया कि यह फाइटासौर नामक डायनासोर प्रजाति का जीवाश्म है, जो जुरासिक काल में पाया जाता था। यह प्राणी मूलत: मगरमच्छ के आकार का था, जिसकी अनुमानित लंबाई लगभग तीन मीटर थी। ये जीव मुख्यत: घने जंगलों में रहते थे और मीठे जल स्त्रोतों के आसपास विचरण करते थे। डॉ. नारायण दास इणखिया ने बताया कि यह खोज जैसलमेर ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मेघा गांव में मिला जीवाश्म करीब दो मीटर लंबा है, जिसमें सिर, रीढ़ की हड्डी एवं पंजे जीवाश्म रूप में स्पष्ट रूप से संरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि भारत में गोंडवाना क्षेत्र के बाद केवल जैसलमेर में ही इस प्रकार का जीवाश्म रिपोर्ट हुआ है, जिससे जैसलमेर की जीवाश्मीय विविधता और महत्व एक बार फिर सामने आया है।

जैसलमेर जिले के मेघा गांव में मिले दुर्लभ डायनासोर प्रजाति के जीवाश्म के संरक्षण को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। जिला कलेक्टर प्रताप सिंह व फतेहगढ़ उपखण्ड अधिकारी लगातार निगरानी रखते हुए आवश्यक निर्देश जारी कर रहे हैं। शीघ्र ही इस ऐतिहासिक जीवाश्म को सुरक्षित संरक्षित कर आमजन के लिए प्रदर्शित किया जाएगा। यह खोज पुरा-जीव विज्ञान एवं भू-विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान को नई दिशा देने के साथ-साथ जैसलमेर को वैश्विक फॉसिल मानचित्र पर और सशक्त रूप से स्थापित करेगी।

15 करोड़ का लोन के नाम पर 30 लाख की ठगी

जोधपुर, (कासं)। शहर के जैसलमेर बाइपास रोड पर रहने वाले एक युवक को 15 करोड़ का लोन दिलाने के झांसा देकर कुछ युवकों ने 30 लाख की ठगी कर ली। पीड़ित ने इस बारे में खांडाफलसा थाने में रिपोर्ट दी है। आरोपी कार्यालय बंद कर फरार हो गए। कुछ नामजद के खिलाफ केस दर्ज करवाया गया है। अठिाम जांच अब आरंभ की गई है।

पुलिस के अनुसार वीतरांग सिटी डालीबाई चौराहा के पास जैसलमेर बाइपास क्षेत्र में रहने वाले अमित सिंघवी ने मामला दर्ज करवाया। इसमें बताया कि फरवरी 2025 में उसकी मुलाकात रविन्द्र जैन, अमन जैन, सुनिल कुमार, शंकर कुमार और सुनिल राठौड़ से हुई थी। आरोपियों ने उसको बताया कि वे लोन दिलाने का काम करते है। जिस पर उसने अपनी जरूरत के लिये 15 करोड दिलाने की बात कही। इन लोगों ने अपना कार्यालय शनिश्वर का थान के निकट खोल रखा था। बाद में लोन स्वीकृत कराने की प्रक्रिया शुल्क के नाम पर तीस लाख रूपये खाते में जमा कराने पर लोन स्वीकृत की बात कही।

अमित सिंघवी ने प्रक्रिया शुल्क तीस लाख रूपए इनके खाते में जमा कराए। परन्तु आरोपियों की ओर से न तो अब तक लोन स्वीकृत कराया गया और और नहीं प्रक्रिया को अपनाने के लिये उनके खातो में जमा की तीस लाख रूपए वापिस लौटाए गए।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय में कार्यशाला आयोजित

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर में कुलगुरु प्रोफेसर (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की अध्यक्षता में भारत-जर्मन ब्रेनस्टॉर्मिंग ऐतिहासिक कार्यशाला का आयोजन हुआ।

जोधपुर, (कासं)। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर में कुलगुरु प्रोफेसर (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की अध्यक्षता में भारत-जर्मन ब्रेनस्टॉर्मिंग ऐतिहासिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह आयोजन विश्वविद्यालय और -इंडो जर्मन यंग लीडर्स फोरम के मध्य हाल ही में हस्ताक्षिरत समझौता का महत्वपूर्ण परिणाम है।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं धन्वंतरि वंदना के साथ हुई, जिसके बाद विश्वविद्यालय का कुलगीत प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर अनेक विशिष्ट अतिथियों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई, जिनमें प्रमुख रूप से जर्मनी के डॉ. फ्लोरियन रामेल, डॉ. विष्णु रामदेव, आयुष निगम, रजिस्ट्रार अखिलेश कुमार पिपल, पूर्व कुलसचिव प्रो. गोविंद सहाय शुक्ला , डीन फैकल्टी प्रो. महेन्द्र कुमार शर्मा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के शुरुआत में डॉ .संजय श्रीवास्तव द्वारा जर्मन हेल्थ कांठोस-जुलाई 2025 की आधिकारिक रिपोर्ट का विमोचन किया गया । कुलगुरु प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने अपने संबोधन में कहा कि यह कार्यशाला हमारे विश्वविद्यालय के लिए एक नया आयाम खोलती है। भारत के आयुर्वेद शास्त्र और जर्मनी की वैज्ञानिक तकनीक का संगम वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली को नया दृष्टिकोण देगा। आने वाले वर्षों में हम इस सहयोग के माध्यम से संयुक्त अनुसंधान, छात्र विनिमय कार्यक्रम और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन करेंगे, जिससे हमारे विद्यार्थियों को वैश्विक मंच मिलेगा।

डॉ. फ्लोरियन रामेल एवं आयुष निगम, ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धित और जर्मनी की हेल्थकेयर इनोवेशन मिलकर विश्व के लिए नवीन समाधान प्रस्तुत कर सकते हैं। यह सहयोग केवल अकादमिक तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि नवाचार, स्वास्थ्य और युवा नेतृत्व के क्षेत्र में भी नई दिशाएं खोलेगा।

अंत में विश्व विद्यालय के डीन प्रोफेसर महेंद्र कुमार शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन डॉ. आशा के.पी. ने किया। इस अवसर पर पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ़ आयुर्वेद ,यूनिवेसिटी कॉलेज ऑफ़ होम्योपैथिक ,योगा एवं नेचुरोपैथिक महाविद्यालय के संकाय सदस्य, स्नातक -स्नातकोत्तर अध्येता उपस्थित रहे।

सोलंकी अध्यक्ष बने

जालोर, (कासं)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राङ्गौड के निर्देशानुसार भाजपा जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित ने जालौर जिले में 'मन की बात' कार्य म की मॉनिटरिंग टीम घोषित की गई।

जिला प्रवक्ता दिनेश महावर ने बताया कि मन की बात कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित ने मन की बात कार्य म जिला संयोजक पद पर एडवोकेट सुरेश कुमार सोलंकी को मनोनीत किया।वही जिला सहसंयोजक पद पर कमलेश कुमार बुनकर व रतन सुथार को मनोनीत किया।

अगर हमारे फिजियो किसी खिलाडी को काम के बोझ के प्रबंधन के लिए कह रहे हैं तो मुझे लगता है कि हमें उनकी बात सुननी चाहिए क्योंकि वे चीजों को बेहतर समझते हैं। - चेतन शर्मा

पूर्व भारतीय गेंदबजा, जसप्रीत बुमराह को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

सानिया चंडोक

मुंबई की हाई-प्रोफाइल सोसाइटी में नाम सानिया चंडोक इन दिनों खासी चर्चा में है। दरअसल, सानिया भारतीय क्रिकेट के महान दिग्गज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की मंगेतर हैं। बल्कि इसलिए भी कि वह एक ऐसे कारोबारी घराने से आती हैं जिसकी पहचान भारत के हॉस्पिटैलिटी और फूड इंडस्ट्री में दशकों से स्थापित है। सानिया का परिवार बैकग्राउंड, शिक्षा और खुद के बिजनेस वेंचर उन्हें एक अलग पहचान दिलाते हैं। सानिया चंडोक मुंबई के मशहूर घई परिवार से है। उनके नाना रवि इकबाल घई ठाविस हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड के चेयरमैन हैं।

क्या आप जानते हैं ?... एशिया कप में आठ खिताबों (सात वनडे और एक टी20 अंतरराष्ट्रीय) के साथ भारत इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम है। श्रीलंका छह खिताबों के साथ दूसरी सबसे सफल टीम है।

सावित्र की हैट्रिक ने बीकानेर पोलो टीम को महाराज जगत सिंह मेमोरियल कप के फाइनल में पहुंचाया

जयपुर, 25 अगस्त। तीन दिन के मानसून के विराम के बाद,जयपुर राइडिंग एंड पोलो क्लब, बिंदैयाका में महाराज जगत सिंह मेमोरियल कप का रोमांच फिर से लौट आया। शानदार प्रदर्शन करते हुए, टीम बीकानेर पोलो ने टीम जेआरपीसी को5-0 के अंतिम स्कोर से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। सावित्र गोदारा मैदान पर अजेय रहे,उन्होंने बीकानेर पोलो के लिए सभी पाँच गोल दागे और एक ऐसी हैट्रिक लगाई जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नरेंद्र और योगेंद्र के कड़े प्रयासों के बावजूद,टीम जेआरपीसी रक्षा पंक्ति को भेदने या अपनी गति को गोल में बदलने में विफल रही। हालाँकि मैदान पर हाल ही में हुई बारिश के निशान थे,फिर भी पोलो का उत्साह अडिग रहा, जो दृढ़ ता,शालीनता और सरपट दौड़ के साथ आगे बढ़ता रहा।

भारत ने अंडर-11 और नेपाल ने जीती अंडर-14 रिबाउंडर बॉल चैम्पियनशिप

जयपुर, 25 अगस्त। भारत और नेपाल के बीच पोखरा (नेपाल) मे आयोजित मिनी- सब जूनियर सब -जूनियर वर्ग की रिबाउंडर बॉल चैंपियनशिप में भारत ने अंडर-11 बालक वर्ग और नेपाल ने अंडर-14 बालक वर्ग की चैंपियनशिप जीती। रिबाउंडर बॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव रमेश सिंह के अनुसार अंडर-11 वर्ग में तीन मैचों की चैंपियनशिप में भारत ने 3-0 से जीत दर्ज की। भारत ने पहला टेस्ट 4-3 से, दूसरा टेस्ट 13-3 से और तीसरा टेस्ट 7-2 से जीती। सब जूनियर अंडर-14 वर्ग में पहला मुकाबला भारत ने 6-2 से जीता लेकिन नेपाल ने दूसरा मैच 2-1 से जीत 1-1 से बराबरी हासिल कर ली। निर्णायक मुकाबले में नेपाल ने 3-2 की रोमाचक जीत के साथ चैंपियनशिप अपने नाम कर ली। समापन समारोह में विजेताओं को फेडरेशन के महासचिव रमेश सिंह ने पुरस्कार प्रदान किए।

सागरमल मेहता बैडमिंटन में सतवीर ने तिहरे एवं स्तुति ने जीते दोहरे खिताब

जयपुर, 25 अगस्त। सागर मेहता मेमोरियल बैडमिंटन चैंपियनशिप के आज अंतिम दिन सभी फाइनल खेले गए राजस्थान बार एसोसिएशन के अध्यक्ष महेंद्र शांडिल्य व रमित पारीक ने बताया आज न्यायाधीश समीर जैन व न्यायाधीश सुदेश बंसल एवम पूर्व उपमाधिवक्ता अनिल मेहता ने प्रदर्शन मैच खेला साथ ही खिलाड़ियों की हौसला बढ़ाया। आज खेले गये अडर 40 फाइनल में सतवीर ने एकल, युगल व मिश्रित युगल का खिताब जीता। एकल के फाइनल मे सतवीर ने राहुल त्यागी को हराया ,मिक्स्ड डबल्स फाइनल मैच में सतबीर गुर्जर व भुवनेश्वरी ने पार्थ वशिष्ठ व किंजल सुराणा को 21- 12 ,21 -14 से हरा फाइनल जीता ,अंडर 40 पुरुष युगल में सतवीर गुर्जर व आयुष बिश्नोई ने फाइनल में व्युमेश शर्मा और अजय खेदड़ को 21- 13 21- 15 से हरा तीसरा खिताब भी सतवीर ने अपने नाम किया। आज खेले गए पुरुष एकल 40 वर्ष आयु से अधिक के खिलाड़ियों में संदीप खींची ने भरत सिंह को 15-13 ,15- 3 से हराया वहीं महिला एकल में स्तुति भंसाली ने भुवनेश्वरी को हराया। महिला युगल में स्तुति भंसाली व अनीमा चतुर्वेदी की जोड़ी ने तन्वीशा व किंजल की जोड़ी को फाइनल में संघर्ष भरे तीन गेमों में 21 -14, 19- 21 ,21 -18 से हरा खिताब जीता तथा 60 प्लस आयु वर्ग में टी. पी पांडे ने 21-9 21-10 से रमेश को फाइनल में हराया वही मेंस डबल्स 40 प्लस आयु के फाइनल में अमित पुनिया व भीष्म सिंह सिसोदिया की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अजय शर्मा व भवानी की जोड़ी को 21-13, 21-10 से पराजित किया।

वेटलिफ्टर मीराबाई चानू की गोल्डन वापसी

कॉमनवेल्थ चैम्पियनशिप में गोल्ड जीता, पेरिस ओलिंपिक के बाद पहला मुकाबला खेल रही थी

नई दिल्ली, 25 अगस्त। भारतीय महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने अहमदाबाद में चल रही कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीत लिया है। 48 वेट कैटेगरी में शिरकत करते हुए चानू ने कुल 193 वेट उठाया। स्नैच में उनकी बेस्ट लिफ्ट 84 की रही, वहीं क्लीन एंड जर्क में उन्होंने 109 वजन उठाया।

चानू पेरिस ओलिंपिक के बाद पहली बार किसी इंटरनेशनल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में उतरी थीं। 2020 टोक्यो ओलिंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट चानू पेरिस ओलिंपिक में मेडल जीतने से चूक गई थीं। तब वे चौथे स्थान पर रही थीं।

स्नैच में 1 प्रयास ही सफल हो पाया चोट की वजह से चानू करीब 1 साल से इंटरनेशनल इवेंट्स से दूर रही थीं। तैयारी की कमी का असर उनके प्रदर्शन से जाहिर हो रहा था। उन्होंने स्नैच में 3 प्रयासों में केवल एक सफल लिफ्ट किया।

पहले प्रयास में वे 84 वेट लिफ्ट करने में फेल रहीं और दाहिने घुटने को पकड़ते दिखाई दी। हालांकि दूसरे प्रयास

में उन्होंने यही वजन आराम से उठा लिया। तीसरे प्रयास में उन्होंने 89 उठाने की कोशिश की लेकिन कामयाब नहीं हो सकीं।

स्नैच के बाद क्लीन एंड जर्क की लिफ्टिंग हुई। चानू ने पहले अटैम्प्ट में 105 उठाया। दूसरे प्रयास में उन्होंने 109 वेट भी आसानी से उठा लिया। तीसरे प्रयास में चानू ने 113 वेट उठाने की कोशिश की लेकिन विफल रहीं। इस तरह स्नैच में 84 और क्लीन एंड जर्क में 109 की बेस्ट लिफ्ट के साथ चानू ने ओवलऑल 193 वेट उठाया और गोल्ड अपने नाम कर लिया। मलेशिया की आइरीन हेनरी ने कुल 161 (73 88) उठाकर सिल्वर मेडल जीता, जबकि वेल्स की निकोल रॉबर्ट्स ने कुल 150 किलो (70 80) के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

49 कैटेगरी से 48 में शिफ्ट हुई हैं चानू 31 वर्षीय चानू पहले 49 किलो वर्ग में वेटलिफ्टिंग करती थी। हालांकि पिछले ओलिंपिक में 49 किलो वर्ग हटा दिया गया, जिस वजह से उन्हें 48 किलो वर्ग में शिफ्ट होना पड़ा।

पर्सनल बेस्ट से अभी काफी दूर हैं चानू चानू ने भले ही कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में गोल्ड जीता हो लेकिन अभी वे अपने पर्सनल बेस्ट से काफी दूर हैं। स्नैच में उनका पर्सनल बेस्ट 88 और क्लीन एंड जर्क में 119 है। इस तरह उनका कंबाइंड पर्सनल बेस्ट 207 है। पेरिस ओलिंपिक में चानू ने टोटल 199 वेट उठाया था। वहीं, टोक्यो ओलिंपिक में उन्होंने 202 वेट उठाया था।

ऐश्वर्य ने जीता एशियन शूटिंग चैम्पियनशिप में गोल्ड

अद्रियानका जूनियर पुरुष 3 में एशियाई रिकॉर्ड, 25 गोल्ड के साथ भारत टॉप पर

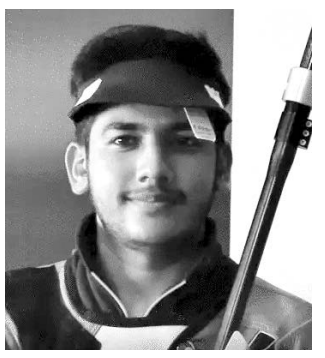

नई दिल्ली, 25 अगस्त। भारत के ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 16वें एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप के 50 मीटर मेंस राइफल 3 पोजीशन (3) इंडिविजुअल इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने फाइनल में 462.5 स्कोर किया। कजाकिस्तान के शिमकेंट में चल रही चैंपियनशिप में ऐश्वर्य ने शुरू से ही बढ़त बना ली। पहले पांच शॉट्स (नीलिंग पोजीशन) के बाद वे आगे निकल गए और फिर लगातार अपनी बढ़त को मजबूत करते रहे। 13वें शॉट के बाद झाओ और ऐश्वर्य के बीच केवल 0.3 अंकों का अंतर था। ऐश्वर्य ने 14वें शॉट में 10.8 का स्कोर बनाकर फिर से एक अंक से ज्यादा की बढ़त हासिल की, जो अंत तक बनी रही। उन्होंने 0.5 अंकों के अंतर से गोल्ड मेडल जीता। जापान के नाओया ओकाडा (448.8) ने ब्रॉन्ज मेडल जीता, जबकि चैन सिंह (435.7) और अखिल श्योरान (424.9) क्रमश: चौथे और पांचवें स्थान पर रहे। भारत के तीनों शूटरों ने फाइनल के लिए क्वालिफाई किया पुरुष 3 स्पर्धा में भारत के तीनों निशानेबाजों ने फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। ऐश्वर्य ने 584 अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल कर सबसे ऊंचा क्वालिफिकेशन स्कोर बनाया। अनुभवी निशानेबाज चैन सिंह 582 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहे, जबकि विश्व चैंपियनशिप ब्रॉन्ज मेडल विजेता अखिल श्योरान ने 581 अंकों के साथ सातवां स्थान प्राप्त किया। चीन के भी तीनों निशानेबाज फाइनल में पहुंचे, जबकि जापान और कोरिया के एक-एक शूटर फाइनल के लिए क्वालिफाई किए। हालांकि, भारत को टीम गोल्ड मेडल से चूकना पड़ा। भारत का कुल स्कोर 1747 रहा, जो चीन के 1750 से तीन अंक कम था। ऐश्वर्य इस टूर्नामेंट में दूसरी बार गोल्ड मेडल जीता ऐश्वर्य का इस टूर्नामेंट में यह दूसरा गोल्ड है। वह एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल भी जीत चुके हैं। चीन के झाओ वेन्यू ने सिल्वर और जापान के नाओया ओकाडा ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। जूनियर में अद्रियान और वेदांत ने भारत को मेडल दिलाए जूनियर के मेंस राइफ थ्री पोजीसन में भारत को दो मेडल मिले। अद्रियान ने गोल्ड और वेदांत ने ब्रॉन्ज मेंडल जीता। फाइनल में अद्रियान ने शानदार शुरुआत की।

संजू ने केरल क्रिकेट लीग में शतक लगाया

एशिया कप के प्लेइंग इलेवन के लिए दावेदारी पेश की

नई दिल्ली, 25 अगस्त। एशिया कप से ठीक पहले संजू सैमसन ने डोमेस्टिक टी-20 लीग केरल क्रिकेट में शतक लगा दिया है। उन्होंने इस शतक से भारतीय टीम की प्लेइंग इलेवन के लिए अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है। एशिया कप 9 सितंबर से में खेला जाएगा। संजू ने कोच्चि ब्लू टाइगर्स की ओर से खेलते हुए सिर्फ 51 गेंदों में 121 रन बनाए, जिसमें 14 चौके और 7 छक्के शामिल थे। उन्होंने 16 गेंदों पर हाफ सेंचुरी पूरी की जबकि 42 गेंदों पर शतक पूरा किया। इस मैच में वह ओपनिंग करने उतरे थे। संजू की टीम कोच्चि ब्लू टाइगर्स ने एरीज कोल्लम सेलर्स को 4 विकेट से हराया।

एरीज कोल्लम सेलर्स ने 236 रन बनाए टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी एरीज कोल्लम सेलर्स ने 20 ओवर में 236 रन बनाए। विकेटकीपर बल्लेबाज विश्नु विनोद ने 94 रन (41

गेंदों पर) और सचिन बेबी ने 91 रन (44 गेंदों पर) की शानदार पारी खेली। दोनों ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए सिर्फ 66 गेंदों में 143 रनों की साझेदारी की। एरीज ने शुरुआती 6 ओवर में 1 विकेट पर 100 रन बनाकर टूर्नामेंट का रिकॉर्ड बनाया। 237 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए कोच्चि ब्लू टाइगर्स को आखिरी ओवर में 17 रन चाहिए थे। मोहम्मद आशिक ने पहले दो गेंदों पर चौका और छक्का लगाकर मैच को रोमांचक कर दिया। अगले तीन गेंदों में सिर्फ एक रन आए और एक विकेट भी गिरा।

आखिरी गेंद पर टीम को 6 रन चाहिए थे। आशिक ने सामने की तरफ सिक्स लगाकर कोच्चि ब्लू टाइगर्स को जीत दिला दी। आशिक ने 18 गेंदों में नाबाद 45 रन बनाए, जिसमें 3 चौके और 5 सिक्स भी शामिल थे।

एशिया कप के प्लेइंग-11 में संजू के लिए जगह बनाना मुश्किल एशिया कप 9 सितंबर को में शुरू होगा। फाइनल 28 सितंबर को खेला जाएगा। भारत ने 17 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। इस टीम में संजू को भी जगह दी गई है। एशिया कप के लिए घोषित टीम में इस बार टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को भी जगह दी गई है। टीम में दूसरे विकेटकीपर के तौर पर जितेश शर्मा को भी शामिल किया गया है।

राजस्थान के इतिहास में पहली बार अरशान बने बॉडी बिल्डिंग के एशिया चैम्पियन

जयपुर, 25 अगस्त। बैंकोक, थाईलैण्ड में 18 से 25 अगस्त को आयोजित हुई 57वीं एशियन बॉडी बिल्डिंग एण्ड फिजिक स्पोर्टस चैम्पियनशिप में राजस्थान के बॉडी बिल्डर अरशान खान ने 100 किलो भार वर्ग में गोल्ड मैडल हासिल कर सभी 10 किग्रा भार वर्गों के विजेताओं से प्रतियोगिता में सम्पूर्ण एशिया के नम्बर वन चैम्पियन बने। राजस्थान बॉडी बिल्डिंग संघ के अध्यक्ष नवीन यादव ने बताया कि बॉडी बिल्डर अरशान खान मिस्टर एशिया बनने से पहले ऑल इण्डिया फैडरेशन कप में सिल्वर मैडल, ऑल इण्डिया इन्टरनेशनल यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में वर्ष 2019, 2021, 2023 में गोल्ड मैडल जीता, जूनियर मिस्टर नोर्थ इण्डिया ने 2016, 2017 में गोल्ड मैडल जीता, मिस्टर राजस्थान में वर्ष 2014, 2015, 2016, 2017, 2021 व 2022 में गोल्ड मैडल जीत के साथ ही चैम्पियन ऑफ चैम्पियन का खिताब जीता।

शाकिब टी-20 में 500 विकेट लेने वाले 5वें गेंदबाज बने

नई दिल्ली, 25 अगस्त। बांग्लादेश के दिग्गज ऑलराउंडर शाकिब अल हसन टी-20 क्रिकेट में 500 विकेट लेने वाले दुनिया के पांचवें गेंदबाज बन गए हैं। शाकिब ने कैरेबियन प्रीमियर लीग (2025) में रविवार को सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स के खिलाफ एंटिगुआ एंड बारबुडा फाल्कन्स की ओर से खेलते हुए यह अचीवमेंट हासिल की। शाकिब ने दो ओवर की गेंदबाजी में 11 रन देकर 3 विकेट झटके। उनके गेंदबाजी से फाल्कन्स ने 7 विकेट की जीत हासिल की। टीम पॉइंट टेबल में टॉप पर बरकरार है। इस मैच से पहले शाकिब को 500 विकेट पूरे करने के लिए सिर्फ एक विकेट की जरूरत थी, जो उन्होंने अपनी छठी गेंद पर हासिल कर लिया। पैट्रियट्स टीम के 4 बैटर्स दहाई तक नहीं पहुंचे पहले बल्लेबाजी करने उतरी पैट्रियट्स की टीम 133/9 बना सकी।

शटलर लक्ष्य सेन बैडमिंटन वर्ल्ड चैम्पियनशिप से बाहर

वर्ल्ड नंबर-1 चीन के शी यू की ने हराया, सिंधु और प्रणय के मैच बाकी

नई दिल्ली, 25 अगस्त। वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत के युवा शटलर लक्ष्य सेन को हारकर बाहर होना पड़ा है। सोमवार को राउंड ऑफ 64 मैच में उन्हें वर्ल्ड नंबर-1 चीन के शी यू की ने सीधे गेम में हरा दिया।

पेरिस के अडीडास एरिना में चीनी प्लेयर ने 21-17, 21-19 से बाजी मारी और अगले राउंड में एंट्री की। चीनी प्लेयर ने चौथी बार हराया शी यू की और लक्ष्य के बीच बैडमिंटन में पांचवां ही मैच खेला गया। शी ने इनमें चौथी बार बाजी मारी, लक्ष्य 1 बार ही चीनी प्लेयर को हरा सके। 54 मिनट तक चले मैच में शी हावी ही दिखे। उन्होंने 21-17 से पहला गेम जीतने के बाद 21-19 से दूसरा गेम भी जीत लिया।

दोनों प्लेयर्स इसी साल जून में आखिरी बार इंडोनेशिया ओपन के दौरान भी भिड़े थे। तब भी शी ने बाजी मारी थी। हालांकि, तब मुकाबला 3 गेम तक चला था। शी के खिलाफ लक्ष्य की इकलौती जीत 2022 के एशियन गेम्स में आई थी। तब लक्ष्य ने 22-20, 14-21, 21-18 से मैच जीता था। सिंगल्स में प्रणॉय और सिंधु बाकी वर्ल्ड चैंपियनशिप में 24 साल के लक्ष्य सेन की हार के साथ मेंस सिंगल्स में भारत की चुनौती कम हो गई। अब सिंगल्स में एचएस प्रणॉय ही बचे हैं, उनका राउड ऑफ 64 मैच मंगलवार को होगा। विमेंस सिंगल्स में पीवी सिंधु का राउंड ऑफ 64 मैच भी मंगलवार को ही होना है।

प्रणॉय फिनलैंड के जोकिम ओल्डोर्फ से भिड़ेंगे। वहीं सिंधु बुल्गारिया की काल्योना नाल्बांतोवा का सामना करेंगी। मेंस और मिक्स्ड डबल्स में भारत की एक-एक जोड़ी टूर्नामेंट खेल रही हैं। दोनों के मैच मंगलवार को होंगे। विमेंस डबल्स में 2 भारतीय जोड़ियां हिस्सा ले रही हैं।

एशिया कप 2025 में भारत-पाक मैच को लेकर विवाद गहरा

कांग्रेस ने बीसीसीआई को पत्र लिखकर मैच रद्द करने की मांग की

नई दिल्ली, 25 अगस्त। एशिया कप 2025 में भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर विवाद गहरा गया है। कांग्रेस ने बीसीसीआई को पत्र लिखकर मैच रद्द करने की मांग की है। उन्होंने पहलगाम हमले के बाद दोनों देशों के तनावपूर्ण संबंधों का हवाला देते हुए कहा कि इस समय पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना देश हित के खिलाफ है।नई दिल्ली।अगले महीने से यूएई में शुरू हो रहे एशिया कप-2025 में भारत और पाकिस्तान की टीमें एक-दूसरे के खिलाफ मैच खेलेंगी। इस मैच को लेकर काफी हंगामा मचा हुआ है।

मामले पर राजनीति काफी गहरा गई है और विपक्षी पार्टी कांग्रेस का सांसद गौरव गोगोई ने ये मुद्दा एक बार फिर उठाया है। गौरव ने बीसीसीआई को एक पत्र लिखा है जिसमें साफ तौर पर कहा है कि भारत को ये मैच नहीं खेलना चाहिए। अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के संबंध काफी खराब हो गए हैं। इसके बाद से भारत में हर मोर्चे पर पाकिस्तान का विरोध किया जा रहा है। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर कर इस हमले का बदला लिया और लगातार पाकिस्तान को घेर रहा है। इसी के चलते इस मैच का विरोध भी हो रहा है और बीसीसीआई के साथ-साथ भारतीय सरकार पर भी सवाल उठ रहे हैं।

भारत और पाकिस्तान के बीच मैच 14 सितंबर को खेला जाना है। लोकसभा सांसद गौरव ने अपनी बात रखते हुए कहा कि इस समय पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच खेलना देश हित के खिलाफ है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकया को लिखे पत्र में गौरव ने लिखा, ''वैसे क्रिकेट हमेशा से एक ऐसा माध्यम रहा है जो लोगों के चेहरे पर हंसी लेकर आया है, लेकिन भारत और पाकिस्तान के मौजूदा हालात को देखते हुए इस तरह के आयोजनों को देश हित के ऊपर तरजीह नहीं दी जा सकती।''

गौतम गंभीर फाउंडेशन को राहत नहीं

नई दिल्ली, 25 अगस्त। दिल्ली हाई कोर्ट ने गौतम गंभीर फाउंडेशन और उसके सदस्यों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया है। बता दें कि, गंभीर के इस फाउंडेशन में उनके अलावा उनकी पत्नी और मा सीमा गंभीर शामिल हैं। दरअसल, मामला कोरोना महामारी के दौरान 21 में बैगर लाइसेंस के दवा बांटने से जुड़ा है।सितंबर 2021 में हाईकोर्ट ने दिल्ली के औषधि नियंत्रण विभाग द्वारा गौतम गंभीर फाउंडेशन के खिलाफ रोहिणी कोर्ट में दायर एक आपराधिक शिकायत की कार्यवाही पर रोक लगा दी थी।

हमारा लक्ष्य हीरो एशिया कप जीत कर हॉकी विश्वकप 2026 के लिए क्वालीफाई करना : हरमनप्रीत

पटना, 25 अगस्त । भारतीय पुरूष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने सोमवार को कहा कि हमारा लक्ष्य हीरो एशियाकप जीतकर हॉकी विश्वकप 2026 के लिए सीधे क्वालीफाई करना है। सिंह ने आज यहां यूनीवार्ता से बातचीत में कहा कि इस प्रतियोगिता में भारत किसी भी टीम को हल्के में नही ले रही है और हम हर मैच को पूरी मुस्तैदी से खेलेंगे। उन्होंने कहा कि हमारे पास प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की एक नर्सरी तैयार है जो भारतीय हॉकी को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

भारतीय हॉकी टीम के कप्तान ने कहा कि हाल ही में अपने बेंच स्ट्रेंथ को टेस्ट करने के किये ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 24 सदस्यों की भारतीय हॉकी टीम गयी थी। पहले दो प्रयोगात्मक मैच हम हारे लेकिन बाद के दो मुकाबलों में एक हमने ऑस्ट्रेलिया जैसी सशक्त टीम को हराया।हरमनप्रीत तीन ओलम्पिक खेलो 2016,2021 और 2024 में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और दो बार कांस्य पदक हासिल करने में सफल रहे हैं। 2024 के पेरिस ओलम्पिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीन के वह कप्तान भी थे।

2016 के ओलम्पिक खेलो में हरमनजीत की हॉकी स्टिक कोई गोल किये बिना खामोश रह गयी थी, इस सवाल के जवाब में भारतीय कप्तान ने कहा कि एक साल पहले ही भारतीय टीम में उनका चयन हुआ था। उस समय अनुभव की कमी थी और सीनियर खिलाड़ियों का दबदबा था लेकिन उस अनुभव से बहुत कुछ सीखा गया। उन्होंने कहा कि मेहनत का कोई स्थानापन्न नही होता है, मैंने ठान लिया कि आगे देश के लिए कुछ करना है, इसके बाद सफलता मिलती गयी। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रन शंकरन ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पहली बार राज्य में कोई एशिया स्तर की पुरुष हॉकी प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इससे पहले बिहार ने महिलाओं की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजित की गयी थी। उन्होंने कहा कि खेलकूद के इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के साथ हमारी आयोजन क्षमता बढ़ रही है। महिलाओं की हॉकी टीम को हमने बोधगया में ठहराया था लेकिन इस बार पुरूष टीम खेलकूद के स्थल के पास ही राजगीर में ठहरेगी। उन्होंने कहा कि राजगीर में पहले हमारे पास केवल एक हॉकी ट्रैक था लेकिन अब दूसरा भी बन गया है जिससे मैचो को समय सीमा में आयोजित करना आसान हो गया है।

32वीं मुथरादास माथुर अवार्ड : महीपाल, कार्तिक व यथार्थ अवार्ड्स से सम्मानित

जयपुर, 25 अगस्त। 32वें मथुरादास माथुर अवार्ड के लिए वर्ष 2024-25 में सीनियर वर्ग में महीपाल लोमरोर, जूनियर वर्ग में कार्तीक शर्मा व सब जूनियर वर्ग में यथार्थ भारद्वाज सर्वश्रेष्ठ किकेटर चुने गये। पूर्व रणजी खिलाडी वेद आहुजा की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने राजस्थान के खिलाडियों की वर्ष भर के प्रर्दशन के आधार पर सर्वसम्मत से चयन किया है। चयन समिति में अन्य सदस्य पूर्व कप्तान संजय व्यास, शरद जौशी, रोहित झालानी व गौरव शर्मा उपस्थित थे।

अवार्डस के तहत सीनियर वर्ग में 15000 (पन्द्रह हजार) तथा जूनियर व सब जूनियर वर्ग में क्रमश: साडे सात हजार रुपये नकद व सर्टिफिकेट ऑफ एक्सिलेंस, स्मृति चिन्ह, व सम्पूर्ण किट बैग प्रदान किये जाएगें। अवार्डस हर वर्ष की भाँती 6 सितम्बर को होटल हिल्टन में, हवा सडक, प्रात: 11 बजे स्व. मथुरादास माथुर की जन्म तिथि पर दिये जाएंगे। इससे पहले महिपाल लोगरोर को अवार्ड 2017 में मिला था। 5 वर्ष बाद अवार्ड दूसरी बार दिया जा सकता है। इससे

पहले यह अवार्ड पंकज सिंह, अनिकेत चौधरी, अशोक मेनारिया को 2 बार मिल चुका है।

सीनियर कैटेगरी

महिपाल लोमरोर: नागौर, बायें हाथ के बल्लेबाज व गेन्दबाज।

1. मुस्ताक अली: 7 मैच, 6 पारी, 2 नॉट आउट, 146 रन,
गेंदबाजी 7 मैच, 2 पारी, ओवर 4.10-29-2

2. विजय हजारे 8 मैच, 8 पारी, 2 नॉट आउट, 438 रन, 2 शतक, 134 नाबाद उच्चतम, 73 औषत।
गेंदबाजी 1 मैच, 1 पारी, ओवर 1.3-0-09-0

3. रणजी ट्रॉफी 7 मैच, 10 पारी, 1 नॉट आउट, 616 रन, 300 रन नॉट आउट उच्चतम, 68. 44 औषत ।
गेंदबाजी, ओवर 43.1-1-198-5।

जूनियर कैटेगरी

कार्तीक शर्मा: भरतपुर, दायें हाथ के बल्लेबाज व विकेट किपर।

बीनू मंकड ट्रॉफी: बल्लेबाजी: 5 मैच, 5 पारी, 1 नॉट आउट, 492 रन, 225 उच्चतम, 123 औषत, 2शतक, 4 कैंच, 4 स्टम्प।

कूच बिहार ट्रॉफी: 3 मैच, 5 पारी, 0 नॉट आउट, 379 रन, 181 उच्चतम, 45.4 औषत, 3 अर्धशतक, 5 यौच, 3 स्टम्प।

मुस्ताक अली ट्रॉफी 7 मैच, 6 पारी, 201 रन, 58 उच्चतम, 33.5 औषत, 2अर्धशतक, 3 कैच।

विजय हजारे ट्रॉफी 9 मैच, 8 पारी, 0 नॉट आउट, 445 रन्न, 123 उच्चतम, 55.6 औषत, 2 शतक, 2 अर्धशतक, 27 कैच।

रणजी ट्रॉफी 3 मैच, 5 पारी, 0 नॉट आउट, 148 रन, 113 उच्चतम, 29.6 औषत, 1 शतक, 2 कैच।

बोन्जी ने मेदवेदेव को हराकर यूएस ओपन में किया उलटफेर

न्यूयॉर्क, 25 अगस्त। फ्रांस के बेंजामिन बोन्जी ने यूएस ओपन में उलटफेर करते हुए 2021 के चैंपियन डेनियल मेदवेदेव को हराकर अगले दौर में जगह बना ली है। लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में रविवार देर रात खेले गये मुकाबले में फ्रांसीसी खिलाड़ी बोन्जी ने पांच सेटों तक चले मैच में रूसी दिग्गज मेदवेदेव को 6-3, 7-5, 6-7(5), 0-6, 6-4 से हराकर सभी को चौंका दिया। फ्रांसीसी खिलाड़ी बोन्जी ने कुछ हफ्ते पहले विंबलडन में भी मेदवेदेव को हराया था।

उन्होंने एक बार फिर रूसी खिलाड़ी को पहले ही दौर में हराकर ग्रैंड स्लैम से बाहर कर दिया। बोन्जी ने पांच सेटों की मैराथन जीत के बाद सांस फूलने की हालत में स्वीकार करते हुए कहा, मैंने ऐसा पहले कभी अनुभव नहीं किया था। यह परिदृश्य अद्भुत था तीसरे सेट में मैच पॉइंट, चौथे सेट में थकावट, फिर पांचवें सेट में पूरी ताकत। मेरे लिए, यह मेरी अब तक की सबसे अच्छी जीत है।

राजस्थान की गोवा पर 201 से ऐतिहासिक जीत

जयपुर, 25 अगस्त। राष्ट्रीय सब जूनियर बालिका फुटबाल प्रतियोगिता में राजस्थान का पहला मुकाबला गोवा से हुआ जिसमें राजस्थान ने अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए गोआ जैसी मजबूत फुटबॉल टीम को 2-1 से हराकर अपने पूल का पहला मैच जीत लिया। राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि राजस्थान सब जूनियर बालिका टीम छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में आयोजित हो रही राष्ट्रीय सब जूनियर चैंपियनशिप के पूल के पहले मैच में गोआ के सामने खेलते हुए शानदार टीम गेम दिखाते हुए शानदार फुटबॉल खेला और राजस्थान की ओर से राधिका ने 25वें मिनट में शानदार गोल करके राजस्थान को बढ़ त दिलाई। बाद में दोनों टीमों ने आक्रामक खेल खेला और गोआ ने भी अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए पेनल्टी हासिल की और मैच के 47वें मिनट में गोवा ने पेनल्टी किक से गोल करके मैच में 1- 1 गोल से बराबरी कर ली। राजस्थान की खिलाडियों ने शानदार तालमेल दिखाया और 49वें मिनट में एक बार फिर राधिका ने शानदार गोल करके राजस्थान को 2- 1 बढ़ त दिला दी। अन्तिम समय तक गोवा टीम ने गोल करने का भरसक प्रयास किया लेकिन राजस्थान की ओर से गोलकीपर पायल, आसमान, मनीषा और रूचिका ने शानदार खेल दिखाते हुए संघर्ष पूर्ण मुकाबले में 2-1 से जीत हासिल की। राजस्थान फुटबॉल टीम की जीत पर राजस्थान फुटबॉल संघ के अध्यक्ष कर्नल मानवेन्द्र सिंह, सचिव दिलीप सिंह शेखावत, महिला विंग की चेयरमैन रोशनी टाक और विभिन्न जिला संघो के महेंद्रसिंह बिजरानीया, कैलाश खटीक, अरविंद सिंह, मदन बेनीवाल, अब्दुल जब्बार, हरिराम डारा, सतीश जांगिड़, फरहत अली, दिनेश सिंह, दिलीप सिंह चुण्डावत, अमरसिंह, मनोज जाट, शकील अहमद, तीर्थ सांगा और राजस्थान के सभी भूतपूर्व फुटबॉल खिलाड़ीयों तथा सभी जिला संघो ने टीम की जीत पर बधाई और शुभकामनाएं दी। ज्ञात रहे राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के सभी राज्यों की टीमें भाग ले रही हैं जिसकी मेजबानी इस बार छत्तीसगढ़ फुटबाल संघ कर रहा है। ग्रुप में राजस्थान की टीम का अगला मुकाबला मेजबान छत्तीसगढ़ से 29 अगस्त को होगा। राजस्थान की टीम का प्रशिक्षण शिविर पहली बार राजस्थान से बाहर हिसार, हरियाणा में आयोजित हुआ जिसे फुटबाल की अंतर्राष्ट्रीय सीनियर टीम की खिलाड़ी रेणु ओर एशिया कप क्वालीफाईड निशा रानी ने प्रक्षिक्षण दिया।

हिमाचल में भारी बारिश 5 की मौत

शिमला/धर्मशाला, 25 अगस्त। हिमाचल प्रदेश में मौसम विभाग के रेड अलर्ट के बीच सोमवार को कांगड़ा, बिलासपुर, कुल्लू, हमीरपुर, मंडी में भारी बारिश हुई। बारिश-भूस्खलन के चलते कई जगह भारी नुकसान हुआ है। मणिमहेश यात्रा पर गए पंजाब के चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई है। प्रशासन ने यात्रा पर अनिश्चितकाल के लिए रोक लगा दी है। दो हजार से ज्यादा श्रद्धालु

- मृतकों में से चार मणिमहेश यात्रा पर गए पंजाब के श्रद्धालू थे। बारिश के कारण मणिमहेश यात्रा रोक दी गई है।

अभी भी बीच रास्ते में फंसे हुए हैं। हालांकि, सभी सुरक्षित स्थानों पर हैं। नूरपुर में डडवाड़ा गांव का गुरुदेव सिंह (72) की खड्ड में बहने से मौत हो गई। प्रदेश की ऊंची चोटियों, शिंकुला दर्रा, कुगती जोत, बारालाचा में 10 से 20 सेंमी तक बर्फबारी हुई है।

खराब मौसम को देखते हुए मंगलवार को ऊना, चंबा, कुल्लू, मंडी, कांगड़ा और बिलासपुर, सोलन, हमीरपुर में स्कूल बंद रखने के आदेश जारी किए गए हैं।

भारत ने पाकिस्तान को बाढ़ की अग्रिम चेतावनी दी

सिंधु जल संधि खत्म होने के बाद भी भारत द्वारा उठाए गए इस कदम की सराहना हो रही है

नई दिल्ली, 25 अगस्त। जम्मू में संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए भारत ने पाकिस्तान को चेतावनी जारी की है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब दोनों देशों के बीच सिंधु जल संधि ठंडे बस्ते में है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि मई में सैन्य संघर्ष के बाद यह दोनों पड़ोसियों के बीच पहला बड़ा संपर्क है।

जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग ने 24 अगस्त को पाकिस्तानी अधिकारियों को जम्मू की तवी नदी में बाढ़ की संभावना के बारे में बताया। भारत के इस कदम के बाद पाकिस्तान ने भी अपने यहां चेतावनी जारी की। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव हुआ। इसी दौरान प्रधानमंत्रीनरेंद्र

- जियो न्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग ने जम्मु की तवी नदी में बाढ़ की चेतावनी दी थी, इसके बाद पाकिस्तान ने भी रैड अलर्ट जारी किया है।

मोदीने सिंधु जल संधि को रद्द करने का ऐलान किया था। पाकिस्तान में बाढ़ अलर्ट ऐसे समय आया है जब यह संधि स्थगित है।

न्यूज़पेपर द न्यूज़ ने सूत्रों के हवाले से बताया कि भारत ने बाढ़ से जुड़ी जानकारी साझा करने के लिए पाकिस्तान से संपर्क किया है। हालांकि अभी तक भारत या पाकिस्तान की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। आमतौर पर इस तरह की सूचनाएं सिंधु जल आयुक्तों के माध्यम से साझा की जाती हैं।

सूत्रों के अनुसार, भारत ने जम्मू की तवी नदी में संभावित भीषण बाढ़ के बारे में इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग के जरिए पाकिस्तान को आगाह किया। खबर में यह भी दावा किया गया है कि मई में दोनों देशों के बीच हुए सैन्य संघर्ष के बाद यह पहली बड़ी बातचीत है।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने 30 अगस्त तक पाकिस्तान के अधिकतर हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। मानसून की बारिश से जूझ रहे पाकिस्तान में अब तक 788 से अधिक लोगों की मौत और 1,018 लोगों के घायल होने की खबर है।

डूंगरपुर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ओर से आवागमन बंद कर दिया गया है तथा एहतिहात के तौर पर डूंगरपुर-उदयपुर जिला प्रशासन ने पुलिस जाब्ता तथा प्रशासनिक अधिकारियों को नियुक्त किया है।

डूंगरपुर में सुबह के समय भी आसमान में घनघोर काले बादल छाए हुए हैं और रुक-रुककर बरसात हो रही है। लगातार बारिश की वजह से डूंगरपुर के अमरपुरा बांध छलक गया है। इसके अलावा आकरसोल का नाका, मारगिया, अमरपुरा, टामटिया, पूंजपुरा और बोडीगामा बांध तालाब ओवरफ्लो चल रहे हैं। सभी पर 1 से 2 फीट की चादर चल रही है। जिले में सोमवार सुबह 8 बजे तक पिछले 24 घंटों में सबसे ज्यादा बारिश कनवा ने 87 एमएम हुई है।

वहीं देवल में 69 एमएम, डूंगरपुर में 64 एमएम, आसपुर में 44 एमएम, गणेशपुर में 40 एमएम, निठाउवा में 40 एमएम, सोम कमला आंबा बांध क्षेत्र में 28 एमएम, धम्बोला में 30 एमएम, सागवाडा में 26 एमएम, चिखली में 23 एमएम, सावला में 24 एमएम, वेंजा में 27 एमएम बारिश हुई है।

बंगाल के स्कूल भर्ती घोटाले में ईडी की बड़ी कार्यवाही

सत्तारुढ़ तृणमूल के विधायक जीवनकृष्ण साहा को गिरफ्तार किया

कोलकाता, 25 अगस्त। प्रवर्तन निदेशालय ने पश्चिम बंगाल के स्कूलों में शिक्षकों और कर्मचारियों की भर्ती में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में छापेमारी के बाद सोमवार को सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के विधायक जीवन कृष्ण साहा को गिरफ्तार कर लिया। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में उनके आवास पर छापेमारी के बाद उन्हें केंद्रीय जांच एजेंसी ने हिरासत में लिया। सूत्रों के मुताबिक, छापेमारी के दौरान विधायक ने दीवार कूदकर अपने घर से भागने की कोशिश की। उन्होंने अपने फोन भी घर के पीछे एक नाले में फेंक दिए, जो बरामद कर लिए गए हैं।

- ईडी के सूत्रों ने बताया कि विधायक ने दीवार फांदकर भागने की कोशिश की और अपने फोन भी घर के पीछे नाले में फेंक दिए जिन्हें बरामद कर लिया गया है।

छापेमारी के वीडियो और तस्वीरों में एक भीगे हुए विधायक को ईडी और सीआरपीएफ के अधिकारी उस जगह से ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं, जहां चारों ओर झाड़ियां और कचरा फैला हुआ था।

सूत्रों ने बताया कि बुरवान विधानसभा क्षेत्र के विधायक को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एजेंसी के साथ सहयोग न करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि छापेमारी में विधायक के कुछ रिश्तेदार और सहयोगी भी शामिल हैं।

साहा को 2023 में सीबीआई ने इस घोटाले से कथित संबंधों के आरोप में गिरफ्तार किया था और बाद में रिहा कर दिया गया था। ईडी का धन शोधन मामला सीबीआई की ओर से दर्ज एक प्राथमिकी से उपजा है, जिसे कलकत्ता हाईकोर्ट ने समूह ग और घ के कर्मचारियों, कक्षा 9 से 12 तक के सहायक शिक्षकों और प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती में कथित अनियमितताओं की जांच करने का निर्देश दिया था। ईडी ने इससे पहले पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी, उनकी कथित सहयोगी अर्पिता मुखर्जी, टीएमसी विधायक और पश्चिम बंगाल प्राथमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष माणिक भट्टाचार्य के अलावा कुछ अन्य लोगों को इस मामले में गिरफ्तार किया था। ईडी की ओर से गिरफ्तारी के बाद चटर्जी को टीएमसी ने निलंबित कर दिया था। ईडी ने इस मामले में अब तक कुल चार आरोपपत्र दाखिल किए हैं।

भारत ने ट्रंप से डील करने के लिए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तकनीकी साझेदारियों से लेकर ऊर्जा आयात तक, की बारीकी से निगरानी कर रहा है। इस लॉबिइंग अभियान की टाइमिंग भी अहम है। ट्रम्प का नया टैरिफ पैकेज भारतीय सामानों पर शुल्क को दोगुना कर 50 प्रतिशत तक ले जाता है, 25 प्रतिशत जवाबी शुल्क और 25 प्रतिशत अतिरिक्त जुर्माना। इसके समानांतर, वाइट हाउस ने रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर द्वितीयक प्रतिबंध लगाने की चेतावनी भी दी है, जिससे आर्थिक असर व्यापार से कहीं आगे तक पहुँच सकता है।

भारत के लिए यह लडाई सिर्फ आर्थिक नहीं है। अमेरिका उसका सबसे बड़ा निर्यात बाजार है, एक अहम तकनीकी साझेदार है और इंडो-पैसिफिक रणनीति में एक आवश्यक संतुलन है। नई दिल्ली के सामने चुनौती है कि वह अपने व्यापारिक हितों की रक्षा करे, लेकिन वॉशिंगटन के साथ उसकी रणनीतिक समीपता भी बरकरार रहे। इसीलिए लॉबिइंग के जरिये भारत यह दांव खेल रहा है कि प्रभाव, पहुँच और सुनियोजित संदेश के ज़रिये ट्रम्प की संरक्षणवादी नीति के सबसे कठोर प्रभावों को रोका जा सके।

यह कदम वॉशिंगटन के प्रभाव के बाजार में चल रही व्यापक भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को भी दर्शाता है। पाकिस्तान, जो गहरे आर्थिक संकट में है, ने भी लॉबिइंग बजट में भारी इजाफा कर दिया है। एफएआरए के अनुसार, इस्लामाबाद हर महीने लगभग 600,000 (5.2 करोड़) छह से अधिक फर्मों पर खर्च कर रहा है, ताकि वह वाइट हाउस, कांग्रेस और संघीय एजेंसियों को दक्षिण एशिया से जुड़े मुद्दों पर अपनी ओर झुका सके।

इस पृष्ठभूमि में भारत की लॉबिइंग सम्बंधी तेजी से सिर्फ टैरिफ का जवाब नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि वह किसी भी वैश्विक ताकत से अपने प्रभाव के क्षेत्र में पीछे न रह जाए। वॉशिंगटन हमेशा से ही विचार -विमर्श का युद्धक्षेत्र रहा है, और जब दंडात्मक व्यापारिक नीतियाँ सामने हों, तो नई दिल्ली यह सुनिश्चित करना चाहती है कि उसकी आवाज़ बुलंद हो, उसकी बात मजबूती से रखी जाए और उसके हितों की रक्षा वास्तविक समय में हो। अंततः, भारत की यह लॉबिंग मुहिम यह दर्शाती है कि वॉशिंगटन के साथ संबंध अब कूटनीति और राजनीतिक वकालत के मेल से तय होते हैं। जब टैरिफ और प्रतिबंध आसन्न हों, तब लड़ाई केवल व्यापार आंकड़ों या घोषणाओं में नहीं, बल्कि प्रभाव, लॉबिइंग और सत्ता केन्द्रों की नज़दीकी तक सीमित रह जाती है।

इस प्रतिस्पर्धा में नई दिल्ली ने साफ कर दिया है कि वह मूकदर्शक नहीं बनेगी। ट्रम्प की आंतरिक सर्कल तक सीधी पहुँच रखने वाले लॉबिइंग नेटवर्क में निवेश कर भारत यह संकेत दे रहा है कि वह अपने आर्थिक हितों और रणनीतिक स्वायत्तता की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएगा - चाहे राजनीतिक माहौल कितना ही चुनौतीपूर्ण क्यों न हो।

संघ का तीन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अगस्त को सरसंघचालक मोहन भागवत संवाद कार्यक्रम में भाग लेंगे। कार्यक्रम में समाज की प्रमुख हस्तियों को आमंत्रित किया जा रहा है।

आंबेकर ने कहा कि संवाद कार्यक्रम में नोबेल पुरस्कार प्राप्त कैलाश सत्यार्थी और डॉ. त्रेहान भाग लेंगे। हर धर्म के लोग इसमें भाग लेंगे। संवाद कार्यक्रम में दो दिन उद्धबोधन का सत्र रखा है। दो दिन में 100 वर्ष की यात्रा के बारे में बताएंगे। तीसरे दिन आमंत्रित अतिथि भी संबोधन देंगे। साथ ही लोगों के प्रश्नों के जवाब देंगे।

पंचायत चुनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पद से हटाया गया था। अपील में कहा गया कि इन हटाए गए प्रशासकों की किसी प्रकार की विधिक क्षति नहीं हुई है। दोनों पक्षों की दलील सुवनकर खंडपीठ ने एकलपीठ के आदेश पर रोक लगा दी।

'धनखड़ के बारे में सच-झूठ की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

व्याख्या विपक्ष की बातों पर आधारित नहीं होनी चाहिए। हमें इस सबका तमाशा नहीं बनाना चाहिए। धनखड़ ने एक संवैधानिक पद संभाला था और संविधान के अनुसार अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया।

उन्होंने निजी स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दिया। इस पर ज्यादा विचार विमर्श नहीं होना चाहिए।"

हालांकि, कांग्रेस नेता शाह की सफाई से संतुष्ट नहीं हुए और कहा कि यह समझ से परे है कि हमेशा मुखर और जीवंत रहने वाले धनखड़ इस्तीफे के बाद से पूरी तरह से मौन क्यों हैं।

रमेश ने कहा, यह समझ में नहीं आता कि किसानों की आवाज़ बनने वाले, सदैव उत्साही और स्पष्टवादी श्री धनखड़ पिछले एक महीने से पूरी तरह संपर्क से बाहर क्यों हैं। यह पूरा इस्तीफा प्रकरण अजीब है और यह दिखाता है कि जी2 कैसे काम करता है।

धनखड़ ने 21 जुलाई को संसद के मानसून सत्र के पहले दिन उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को संबोधित अपने इस्तीफे में उन्होंने लिखा, स्वास्थ्य देखभाल को प्राथमिकता देने और चिकित्सा सलाह का पालन करने के लिए, मैं भारत के उपराष्ट्रपति पद से तत्काल प्रभाव से अनुच्छेद 67(क) के तहत इस्तीफा देता हूं।

हालांकि, उनके अचानक और अप्रत्याशित तरीके से इस्तीफा देने और उसके बाद से सार्वजनिक जीवन से पूरी तरह गायब रहने ने राजनीतिक अटकलों को जन्म दे दिया है।

कई मीडिया रिपोर्टों में कहा गया कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ विपक्ष के महाभियोग प्रस्ताव को स्वीकार करने के उनके निर्णय से सरकार नाराज़ थी और इसलिए उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया। कुछ रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया कि सरकार स्वयं धनखड़ के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी कर रही थी।

जंतर-मंतर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देकर उन्हें जीवित बचे रहने में सहयोग करना चाहिए। हरियाणा के किसान और संयुक्त किसान मोर्चा (अराजनीतिक) के सदस्य किशन पाल चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार ने किसानों को किसान सम्मान निधि के रूप में बहुत कम राशि तय की है। इससे छोटे से छोटे किसान को भी अपनी आवश्यकता पूरी करने में मदद नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को हर किसान परिवार को हर साल कम से कम 12 हजार रूपये प्रतिवर्ष की सहायता करनी चाहिए।

'सुदर्शन रेड्डी पर शाह की टिप्पणी पूर्वाग्रह...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के. कन्नन, के. चंद्रू, बी. चंद्रकुमार और कैलाश गंभीर शामिल हैं। प्रोफेसर मोहन गोपाल और वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने भी बयान पर हस्ताक्षर किए हैं।

शुक्रवार को केरल में बोलते हुए शाह ने कहा था, सुदर्शन रेड्डी वह व्यक्ति हैं, जिन्होंने नक्सलवाद को बढ़ावा दिया। उन्होंने सलवा जुडूम का फैसला सुनाया। अगर सलवा जुडूम का फैसला नहीं सुनाया गया होता, तो नक्सली आतंकवाद 2020 तक समाप्त हो गया होता। वह वह व्यक्ति हैं, जो सलवा जुडूम का फैसला देने वाली विचारधारा से प्रेरित थे।

रेड्डी ने शनिवार को कहा था कि वह गृह मंत्री के साथ किसी भी मुद्दे पर बहस नहीं करना चाहते। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह फैसला उनका नहीं, बल्कि सुप्रीम कोर्ट का है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर शाह ने पूरा फैसला पढ़ा होता, तो वे ऐसी टिप्पणी नहीं करते।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908